Azadi Ka Amrit Mahotsav

SBI
The banker to every indian

ध्येय से प्रेरित

संवहनीयता रिपोर्ट
2021-2022

विषय सूची

1. संवहनीयता झलकियाँ 04

2. नेतृत्व की ओर से संदेश 06

3. इस रिपोर्ट के बारे में 11

4. साझा मूल्य निर्माण के प्रति दृष्टिकोण 12

5. जिम्मेदार आचरण के प्रति प्रतिबद्धता 16

6. प्रभाव के लिए वित्तीय सहायता 26

7. हितधारक सहभागिता और भौतिक मूल्यांकन 34

8. वित्तीय पूंजी प्रबंधन 42

9. प्राकृतिक पूँजी प्रबंधन 52

10. मानवीय पूँजी प्रबंधन 64

11. सामाजिक और संबंध पूँजी प्रबंधन 82

12. बौद्धिक पूँजी प्रबंधन 98

13. पुरस्कार और सम्मान 104

14. आश्वासन कथन 107

15. अनुलग्नक 110

संवहनीयता: झलकियाँ

> 6.45 लाख
वित्तीय वर्ष 2021-22
के दौरान वृक्षारोपण

18
31 मार्च 2022
तक हरित भवन
प्रमाण पत्र

रु.31,676 करोड़
वित्तीय वर्ष
2021-22 में निवल लाभ

95.5%
वैकल्पिक चैनल के
माध्यम से लेनदेन
का हिस्सा

>46 करोड़
31 मार्च 2022
तक ग्राहक आधार

> 35 मेगावाटपी
31 मार्च 2022 तक कैप्टिव
आरई क्षमता

रु.204.10 करोड़
वित्तीय वर्ष 2021-22 में सीएसआर पर किए गए व्यय

3,000+
31 मार्च 2022 तक सौर ऊर्जा से परिचालित एटीएम

रु.29.91 करोड़
वित्तीय वर्ष 2021-22 में सीएसआर के तहत राष्ट्रीय दान

68.19
वित्तीय वर्ष 2021-22 में औसतन प्रशिक्षण घंटे प्रति पूर्णकालिक कर्मचारी

>9.4 लाख
31 मार्च 2022 तक आरएसईटीआई के माध्यम से प्रशिक्षित युवा

>8 लाख
वित्तीय वर्ष 2021- 22 में वित्तीय साक्षरता शिविरों से लाभार्थी

1.41 करोड़
किसानों को वित्तीय वर्ष 2021- 22 में एसबीआई ने वित्तीय सहायता दिया

26.55%
31 मार्च 2022 तक कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी

>2.05 लाख
वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान प्रशिक्षित कर्मचारी

रिपोर्ट में उल्लिखित आँकड़े भारतीय व्यवस्था के अनुसार लाख व करोड़ में हैं जिनका परिवर्तन निम्नवत होंगे:

- 1 करोड़ = 10 मिलियन
- 10 लाख = 1 मिलियन

नेतृत्व की ओर से संदेश

अध्यक्ष की ओर से

प्रिय हितधारकों,

पूरी दुनिया जैसे - जैसे कोविड-19 के प्रभावों से उबरने और पुनर्निर्माण की यात्रा शुरू कर रही है, यह स्पष्ट है कि पर्यावरणीय, सामाजिक और अभिशासन (ईएसजी) जैसे कारक, संवहन और समावेशी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह जानकर खुशी हो रही है कि भारत वैश्विक मंच पर आर्थिक कार्यकलापों में लगातार प्रगति कर अपना उपयुक्त स्थान बना रहा है। हालांकि, हमें यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि यह मजबूत आर्थिक निष्पादन साथ ही साथ पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समावेश और सामंजस्य, तथा सहनशील समुदायों में परिवर्तित हो।

एसबीआई के बुनियादी मूल्यों ने हमेशा अपने कर्मचारियों को हितधारकों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए सहज सेवा देने के निर्देश दिए हैं। इसलिए, हम लगातार ग्राहकों की संतुष्टि, वित्तीय समावेशन, नवोन्मेषण, मजबूत अभिशासन, जोखिम प्रबंधन और संसाधन संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में, एसबीआई के पास न केवल अपने स्वयं के परिचालन में, बल्कि अपने निवेश के माध्यम से भी संवहनीयता को बनाए रखने का विशेषाधिकार और जिम्मेदारी है। संवहनीय वित्तपोषण समय की मांग है तथा एसबीआई इस क्षेत्र में भी बेहतर निष्पादन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसे ध्यान में रखते हुए बैंक की विविध पेशकश में सामाजिक विकास, लैंगिक समानता, आजीविका सृजन, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु से संबंधित कार्य के लिए विनिर्दिष्ट उत्पाद शामिल हैं। अक्षय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने के देश के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप, इसके लिए वित्तपोषण व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। इस वर्ष, बैंक ने सीमित उपयोग के लिए 1 मेगावाट तक के सोलर रूफटॉप या ग्राउंड-माउंटेड क्षमता वाली वर्तमान एवं संभावित एसएमई इकाइयां को वित्त प्रदान करने के लिए एक नए ऋण उत्पाद- सूर्यशक्ति सोलर फाइनेंस की शुरुआत की है। हरित ऊर्जा क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों पर भारत सरकार के बढ़ते ध्यान के साथ, एसबीआई भी बहुपक्षीय और द्विपक्षीय विकास बैंकों से ऋण लेकर समर्पित ग्रीन लाईन की खोज कर रहा है। यह बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों, इलेक्ट्रिक वाहनों तथा उन्हें चार्ज करने के लिए बुनियादी ढांचे, और आवासीय भवनों के लिए रूफटॉप सोलर परियोजनाओं से संबंधित परियोजनाओं तथा इससे जुड़ी संस्था को सहायता प्रदान करेगी।

इस वर्ष इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज और लक्जमबर्ग स्टॉक एक्सचेंज में एसबीआई के 650 मिलियन डॉलर के ग्रीन बॉन्ड की दोहरी सूचीबद्धता भी देखी गई है। इस सूची के माध्यम से बैंक, बाजार विकास के लिए नए रास्ते खोलने और ग्रीन बॉन्ड क्षेत्र में बढ़ते अवसरों के लिए धन जुटाने का प्रयास कर रहा है। अपने परिचालन में भी बैंक लगातार संसाधनों के संरक्षण तथा दक्षता के महत्व पर बल दे रहा है। पर्यावरण की दिशा में अपनी यात्रा के एक हिस्से के रूप में, एसबीआई ने अपनी शाखाओं और अन्य प्रतिष्ठानों में कई प्रयोग किए हैं, जिसमें वर्षा जल संचयन और अपशिष्ट प्रबंधन स्थलों की स्थापना, सीवेज उपचार संयंत्रों की स्थापना, एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना और समीक्षाधीन अवधि में छह लाख से अधिक वृक्षारोपण शामिल हैं, लेकिन यह यहीं तक सीमित नहीं है। बैंक की मिश्र ऊर्जा में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक ठोस प्रयास के अलावा, ऊर्जा बचत वाले कुशल उपकरणों का उपयोग भी सभी सुविधाओं में किया जा रहा है। इन प्रयासों के फलस्वरूप ही भारतीय हरित भवन परिषद द्वारा भारतीय स्टेट बैंक के अठारह प्रतिष्ठानों को ग्रीन भवन के रूप में प्रमाणित किया गया है।

बैंक द्वारा जलवायु परिवर्तन को कम करने के प्रयासों के अलावा भी, बदलते मौसम के अनुकूल अपने आपको ढ़ालने के लिए पर्यावरणीय विचारों पर भी तेजी से विचार किया जा रहा है। इस दिशा में, एसबीआई ने एक जलवायु परिवर्तन

GRI 102-14

जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है, तथा यह उम्मीद है कि यह नीति कम-कार्बन और जलवायु-अनुरूप भविष्य की दिशा में बैंक यात्रा का मार्गदर्शन करेगी।

डिजिटलीकरण भी पर्यावरण संरक्षण करने में बैंक का मददगार रहा है तथा इससे शाखाओं और कार्यालयों में कागज की खपत कम हो गई है। बैंक ने ग्राहकों को ग्रीन रिवॉर्ड प्वॉइंट्स जैसी पेशकश के माध्यम से अपनी संवहनीयता यात्रा में शामिल किया है, जिसे संवहनीय कार्यकलापों और कोविड -19 से राहत उपायों की सहायता के लिए भुनाया जा सकता है। यह सब ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और महामारी के दौरान निर्बाध सेवाओं को सुनिश्चित करने में बैंक की मदद करने की डिजिटलीकरण की भूमिका के अलावा है।

एसबीआई कर्मियों ने भी, कोविड -19 महामारी के दौरान निर्बाध लेनदेन और सुचारू संचालन में बहुत योगदान दिया है। महामारी में लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद ग्राहकों की सेवा करने के लिए हमारे बैंक कर्मियों का अथक प्रयास, संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। बैंकिंग क्षेत्र की कार्य प्रकृति के कारण, एसबीआई कर्मचारियों को भी कोविड-19 का खतरा था। इसलिए, बैंक ने अपने सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया, और ग्राहकों को सुरक्षित अनुभव कराने का प्रयास किया। बैंक अपने कर्मचारियों के व्यक्तिगत और व्यवसायिक विकास के लिए अनुकूल सुरक्षित, स्वस्थ और आकर्षक कार्य वातावरण प्रदान करने हेतु हरसंभव सहायता जारी रखेगा।

इसके अलावा, कर्मचारियों हेतु विभिन्न प्रशिक्षण और विकास पहल को सुगम बनाया गया, जिसमें विशेष कार्यक्रम `सामर्थ्य' भी शामिल है, जिसका लक्ष्य बैंक के युवा कर्मचारियों को बैंक के नैतिक एवं पेशेवर मानकों से अवगत कराना है। समग्र विकास के लिए कार्य-विशिष्ट प्रशिक्षण के अलावा कार्य नैतिकता एवं संवहनीयता क्षेत्र में सीखने के तरीके भी व्यवहार में लाए जा रहे हैं। बैंक की डिजिटल प्रशिक्षण पहल के परिणामस्वरूप ही बैंक को निरंतर सीखने और कौशल विकास की संस्कृति बनाने में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित ईटी ह्यूमन कैपिटल अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

मुझे इस बात पर भी गर्व है कि बैंक कर्मचारियों ने सेवा और राष्ट्र निर्माण के संगठनात्मक मूल्य को मूर्त रूप दिया है। बैंक के 66वें स्थापना दिवस पर, लगभग 2.5 लाख कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री केयर फंड में ₹60 करोड़ से अधिक का दान दिया है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब एसबीआई कर्मचारियों ने इस नेक काम में अपना सहयोग दिया है।

इस वर्ष, एसबीआई ने, कोविड -19 के बाद उत्पन्न होने वाली सामाजिक आर्थिक समस्याओं के लिए अपने सीएसआर प्रयासों के माध्यम से वित्तीय सहयोग देना जारी रखा है। बैंक की सीएसआर कार्यान्वयन इकाई एसबीआई फाउंडेशन ने आईसीयू, कोविड-19 देखभाल केंद्र, ऑक्सीजन संयंत्र और समुदाय-आधारित परीक्षण केंद्रों की स्थापना में सहायता प्रदान की है। इस बीच, बैंक ने सांप्रदायिक सदभाव के लिए राष्ट्रीय फाउंडेशन, सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष, राष्ट्रीय संस्कृति कोष, स्वच्छ गंगा कोष, और विकलांगों को सशक्त बनाने, स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल, आजीविका सृजन, महिला सशक्तिकरण तथा संवहनीयता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्तीय सहायता देना जारी रखा है।

हमारे हितधारकों और संगठन के विकास पर आधारित इन प्रयासों की गति नियामक अनुपालन, नैतिक आचरण, मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रणाली और सही प्रक्रियाओं हेतु प्रतिबद्धता की नींव पर टिकी है। 'ध्येय से प्रेरित' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2021-22 में ऐसे उपाय सुझाए गए हैं जिससे जनता, हमारी धरती और लाभ के ट्रिपल बॉटम लाइन पर मजबूत निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। बैंक इन स्तंभों पर अपने निष्पादन को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है और अपने मूल्य सृजन को बढ़ाने पर आपके सुझावों का स्वागत करता है।

एसबीआई में आपके निरंतर विश्वास और हमें आपकी सेवा करने का अवसर प्रदान करने के लिए हम आप सभी को धन्यवाद देते हैं।

दिनेश खारा
अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक

प्रबंध निदेशकों के संदेश

वर्षों से भारतीय स्टेट बैंक का प्रमुख फोकस अपने सभी हितधारकों के लिए संवहनीयता और समृद्धि को बरकरार रखते हुए साझा मूल्य को बढ़ाए रखने पर रहा है। इन लक्ष्यों को पूरा करने में तथा बैंक की निरंतर सफलता को सुनिश्चित करने में इन नवाचारों की भूमिका को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता है।

बैंक की डिजिटल पेशकश वित्तीय समावेशन पहल का एक प्रमुख सिद्धांत रहा है, जिससे दूरदराज़ और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए आवश्यक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके। भारतीय स्टेट बैंक अपने सुदूर ग्राहकों तक पहुँचने और उनकी मदद के लिए उपयुक्त माध्यमों को अपनाते हुए समावेशी और स्थिर अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यह नवाचार युक्त कार्य-व्यवहार एसबीआई के लिए महत्वपूर्ण है, जो कि अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने और व्यवसाय में सहजता के अनुभव को और बढ़ाते हैं। इसके अतिरिक्त, कोविड-19 महामारी में डिजिटल पेशकश की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गयी है, जिससे शाखाओं में भीड़ कम हुई है और ग्राहकों, कर्मचारियों और समुदायों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की हिफ़ाज़त की जा सकी है। जैसे जैसे हम इस महामारी से उबरने और पुनर्निर्माण की ओर आगे बढ़ रहे हैं, संस्थान के सभी स्तरों पर नवाचार को प्रोत्साहित करना निरंतर ही एसबीआई की रणनीति का केंद्र रहेगा।

चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी
प्रबंध निदेशक, खुदरा और डिजिटल बैंकिंग

कोविड -19 महामारी ने स्पष्ट कर दिया है कि शांति ,समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण के सामान्य लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सामूहिक कार्रवाई अवश्य की जानी चाहिए। एसबीआई ने हमेशा से ही सहयोग के महत्व को महत्ता दी है, जिसने इसकी सभी कार्य-कलापों को रेखांकित किया है, विशेषकर जब अन्य संस्थानों और संगठनों के साथ काम करने की बात आती है। इसलिए, एसबीआई यह सुनिश्चित करता है कि उसके सौदे और निवेश एक उद्देश्य की भावना के साथ उसके प्रमुख मूल्यों यथा सेवा, पारदर्शिता, नैतिकता, विनम्रता और संवहनीयता द्वारा निर्देशित हों। यह सामाजिक ज़िम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण, सुदृढ़ अभिशासन एवं परिणामस्वरूप साझा मूल्य निर्माण के प्रतिफल वाले व्यावसायिक परिदृश्य के निर्माण हेतु विभिन्न उद्यमों, समुदायों और सरकारों के साथ साझेदारी करने हेतु प्रतिबद्ध है। इसलिए बैंक अपने निवेश निर्णयों में ईएसजी विचारों को शामिल करता है और उन व्यवसायों और उद्योगों को प्राथमिकता देता है जो विश्व द्वारा सामना किए जा रहे सामाजिक और पर्यावरणीय चिंताओं को कम करने पर केंद्रित हैं। ऐसा करके एसबीआई यह आशा करता है कि इसका सकारात्मक प्रभाव ना केवल उसके अपने परिचालनों पर पड़ेगा बल्कि उन इकाईयों पर भी पड़ेगा जिसमें यह निवेश कर रहा है ।

अश्विनी भाटिया
प्रबंध निदेशक, कॉरपोरेट बैंकिंग एवं ग्लोबल मार्केट्स

जब वित्तीय संस्थानों की बात आती है तो पारदर्शिता और ठोस अभिशासन प्रक्रियाओं पर बल दिया जाता है। बैंक नियामक आवश्यकताओं का पालन करने के साथ ही संगठन के सुरक्षित भविष्य तथा अपने आंतरिक और बाहरी हितधारकों के विश्वास को बनाए रखने के महत्व को भी अच्छे से समझता है। एक प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक परिवेश में बने रहने के लिए आगे बढ़ते रहना, जिम्मेदार व्यावसायिक कार्यपद्धति को अपनाना और संबंधित प्रकटीकरण करना बहुत ही महत्वपूर्ण है।

इन वर्षों में, बैंक ने नियमित जोखिम मूल्यांकन, निगरानी और प्रबंधन के माध्यम से एक चुस्त और मजबूत अभिशासन प्रणाली को बढ़ावा दिया है। इससे एसबीआई को सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ ही अपने सभी हितधारकों के लिए निरंतर मूल्य निर्माण के अपने प्राथमिक फोकस क्षेत्रों में प्रगति सुनिश्चित करने में सहायता मिली है। अपने प्रदर्शन को मजबूत करने की दिशा में काम करते हुए, एसबीआई द्वारा उन महत्वपूर्ण ईएसजी जोखिमों की पहचान और प्रबंधन करना जारी है। नैतिक आचरण से प्रतिबद्ध यह प्रयास बैंक को अपने स्वयं के व्यवसाय के साथ -साथ अपने हितधारकों की सुदृढ़ता को निरंतर आधार पर बढ़ाने में सहायता करता है।

स्वामीनाथन जे.
प्रबंध निदेशक, जोखिम, अनुपालन और तनावग्रस्त संपत्ति समाधान समूह

एसबीआई ने 1864 में अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्रा शुरू की और तब से निरंतर अपने वैश्विक व्यवसाय का विस्तार करना जारी रखा है। अपने परिचालन के प्रत्येक भौगोलिक क्षेत्र में ग्राहकों की विभिन्न और विकसित आवश्यकताओं को पहचानते हुए, बैंक ने न केवल अपने बैंकिंग परिचालन के माध्यम से बल्कि अपनी सहायक कंपनियों के माध्यम से भी लगातार नए उत्पादों में उनमें नवाचार के महत्व पर बल दिया है।

इन बाजारों में से प्रत्येक में और अपनी सभी सहायक कंपनियों के माध्यम से, बैंक लगातार ही अपने परिचालन के पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने एवं जवाबदेही, जिम्मेदारी और साझा सफलता के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है। एसबीआई के प्रमुख मोबाइल एप्लिकेशन-योनो, अन्य डिजिटल उत्पाद और इसके आंतरिक संचालन में प्रौद्योगिकी के निरंतर एकीकरण ने संसाधन और ऊर्जा दक्षता को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, जिससे बैंक के कार्बन न्यूट्रल एजेंडे को बढ़ावा मिला है। इन प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि यह दुनिया के विभिन्न हिस्सों में सरकारों, संगठनों और समुदायों के सहयोग से आगे बढ़ रहा है। इन साझेदारियों ने बैंक को सामान्य परिस्थितियों में भी, नवाचार, समुदाय-निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और लाभप्रदता के मोर्चों पर प्रगति करने में मदद की है। एसबीआई यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि ये सभी उपलब्धियां हमारे घरेलू और वैश्विक सभी हितधारकों के कल्याण में बदल जाएं।

अश्विनी कुमार तिवारी
प्रबंध निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, प्रौद्योगिकी और सहयोगी संस्थान

मुख्य संवहनीयता अधिकारी का संदेश

आर्थिक विकास के सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों के स्पष्ट होने के साथ ही संवहनीयता के मुद्दों पर कार्रवाई करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। एसबीआई ने हमेशा माना है कि लाभप्रदता के साथ-साथ सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का सह-अस्तित्व संभव है और इसी क्रम में अपने हितधारकों के लिए साझा मूल्य सृजित सही संतुलन बनाने का प्रयास किया है।

भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में, एसबीआई विनम्रतापूर्वक यह मानता है कि उसकी पहुँच एवं प्रभाव है कि वह मूल्य श्रृंखला में महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव डाल सके। बैंक सचेत रहते हुए अपने कामकाज में पर्यावरणीय, सामाजिक और अभिशासन संबंधी विचारों को शामिल करने का प्रयास कर रहा है, जिससे इसके जिम्मेदार व्यवसाय आचरण को बढ़ाया जा सके। यह आजीविका सृजन, स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देने के मौजूदा प्रयासों के अतिरिक्त है, जो कि वर्तमान में समाज के सामने सबसे अधिक दबाव वाले सरोकारों के रूप में सामने आए हैं।

इस बीच, बैंक अपने कर्मियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, विविधता, समावेशन और प्रगति को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बैंक की मानव संसाधन नीतियों और कार्यकलापों का उद्देश्य कर्मचारियों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने वाली सहभागी कार्य संस्कृति के लिए सही वातावरण को बढ़ावा देना है। यह सब अनुपालन, सुशासन और मजबूत जोखिम प्रबंधन के आधार पर बनाया गया है, जो एसबीआई को अपने सभी हितधारकों को सेवा करने में मदद करता है। रिपोर्टिंग अवधि में भी कोविड-19 महामारी ने अपना कहर जारी रखा है। बैंकिंग एक आवश्यक सेवा होने के कारण, हमारे कर्मचारियों ने अभूतपूर्व संकट से निपटने में अदम्य साहस और असीम परिपक्वता का प्रदर्शन किया है। बैंक ने अपने सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए अखिल भारतीय स्तर पर गहन टीकाकरण अभियान चलाया। इस तरह के उपायों से न केवल निर्बाध बैंकिंग परिचालन सुनिश्चित किया बल्कि कर्मचारियों को असाधारण दृढ़ता के साथ संकट से निपटने के लिए प्रेरित करने में भी सहायता की।

अपने लक्ष्य, ध्येय और मूल्यों से प्रेरित उद्देश्य की भावना ने एसबीआई को अपनी लाभप्रदता से समझौता किए बिना, ग्राहकों को सेवा प्रदान करने और पृथ्वी की देखभाल करने में अपनी क्षमता से अधिक का योगदान करने के लिए प्रेरित किया है। यह रिपोर्ट उन पहल, उपायों, नीतियों और प्रक्रियाओं की झलकियां प्रस्तुत करती है, जिनसे बैंक को समावेशी और संवहनीय वृद्धि के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में मदद मिली है।

ओमप्रकाश मिश्रा
उप प्रबंध निदेशक (म.स.) एवं कॉरपोरेट विकास अधिकारी

इस रिपोर्ट के बारे में

'ध्येय से प्रेरित' विषय पर केंद्रित यह संवहनीयता रिपोर्ट नैतिक आचरण, ग्राहकों की संतुष्टि और सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी सुनिश्चित करके अपने हितधारकों के लिए मूल्य निर्माण के लिए एसबीआई के प्रयासों को प्रदर्शित करती है। बैंक की लगातार सातवीं संवहनीयता रिपोर्ट वित्तीय वर्ष (वित्त वर्ष) 2021-22 में 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक के प्रदर्शन का एक सिंहावलोकन प्रस्तुत करती है।

बैंक ने एक भौतिकता ढांचे की स्थापना की है, जिसकी अपने हितधारकों के साथ जुड़ाव के बाद वार्षिक समीक्षा की जाती है। इस रूपरेखा और इसके उपयोग से चयनित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का उपयोग इस रिपोर्ट की सामग्री को परिभाषित करने के लिए किया गया है।

एसबीआई की नवीनतम संवहनीयता रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2021-22 में इसके निष्पादन को दर्शाती है, जो सभी पिछली रिपोर्टों के साथ बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट में उल्लेखित पिछले वर्ष का कोई भी पुनर्कथन सम्मिलित नहीं किया गया है।

रिपोर्टिंग दिशानिर्देश

यह रिपोर्ट जीआरआई मानकों के अनुसार तैयार की गई है: मुख्य विकल्प। इसमें किए गए प्रकटीकरण व्यापार की सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक जिम्मेदारियों (एनवीजी-सीईई), अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत रिपोर्टिंग परिषद (आईआईआरसी) की एकीकृत रिपोर्टिंग रूपरेखा और संवहनीयता लेखा मानक बोर्ड (एसएएसबी) द्वारा परिभाषित मानकों पर राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशानिर्देशों के साथ संबंधित हैं। रिपोर्ट की सामग्री जलवायु से संबंधित वित्तीय प्रकटीकरण (टीसीएफडी) के लिए टास्क फोर्स की सिफारिशों पर आधारित हैं। संयुक्त राष्ट्र संवहनीयता विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर प्रगति करने के उद्देश्य से की गई पहलों की रिपोर्ट इसमें शामिल हैं। रिपोर्ट में भारत के प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड द्वारा निर्धारित व्यापार जवाबदेही एवं स्थिरता रिपोर्ट (बीआरएसआर) प्रकटीकरण के बारे में जानकारी शामिल करने का भी प्रयास किया गया है।

क्षेत्र और सीमा

रिपोर्ट का क्षेत्र एवं सीमा एसबीआई के देशीय और अंतर्राष्ट्रीय परिचालन से संबंधित है, जिसमें मुंबई में कॉरपोरेट केंद्र कार्यालय, अन्य कॉरपोरेट केंद्र के प्रतिष्ठान, देश भर में 17 मंडल और एसबीआई की विदेशी शाखाएं शामिल हैं। वर्ष के दौरान हमारे संगठन या आपूर्ति श्रृंखला में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुए हैं ।

सलाहकारी वक्तव्य

रिपोर्ट में दूरदर्शी कथन शामिल हैं जो तर्कसंगत मान्यताओं और पिछले निष्पादन के आधार पर एसबीआई की योजनाओं और अपेक्षाओं को परिभाषित करते हैं। ये उद्योग में विकास, भौगोलिक बाजार स्थितियों में परिवर्तन, सरकारी विनियमों, कानूनों और अन्य आकस्मिक कारकों पर निर्भर हैं। इन विवरणों का उपयोग बैंक के भविष्य के निष्पादन के आश्वासन के रूप में नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि अंतर्निहित धारणाएं महत्वपूर्ण रूप से बदल सकती हैं।

सावधानी का सिद्धांत

महत्वपूर्ण जोखिमों की पहचान और उसके प्रबंधन के लिए बैंक के पास समुचित तंत्र है। एसबीआई में आंतरिक नियंत्रणों और कार्य कलापों के माध्यम से सावधानी दृष्टिकोण का संप्रेषित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, जोखिम को कम करने और आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रदर्शन के प्रबंधन के लिए बैंक के दृष्टिकोण को इसके प्रमुख हितधारकों को सूचित किया जाता है। एसबीआई के पास एक मजबूत नीतिगत ढांचा है, जिसमें इसकी संवहनीयता और व्यवसाय दायित्व (बीआर) नीति शामिल है, जो इसके समग्र ईएसजी प्रदर्शन का मार्गदर्शन करती है।

*सम्मिलित पर्यावरणीय जानकारी का दायरा बैंक के घरेलू संचालन तक सीमित है।

GRI 102-10, GRI 102-11, GRI 102-46, GRI 102-48, GRI 102-50, GRI 102-51, GRI 102-52, GRI 102-54

मूल्य साझा निर्माण के लिए दृष्टिकोण

विविध ग्राहक आधार की सेवा करने वाला भारतीय स्टेट बैंक भारत का सबसे बड़ा और सबसे पुराना वाणिज्यिक बैंक है, जिसका मुंबई में मुख्यालय, सरकार के स्वामित्व वाली, बहुराष्ट्रीय, सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग और वित्तीय सेवा कंपनी ने सामाजिक परिप्रेक्ष्य में लाखों ग्राहकों का विश्वास और ईमानदारी प्राप्त किया है।

एसबीआई खुदरा बैंकिंग, छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई), धन प्रबंधन सेवाओं, कॉरपोरेट बैंकिंग, सामान्य बीमा, जीवन बीमा, मर्चेंट बैंकिंग, म्यूचुअल फंड, प्रतिभूति व्यापार और प्राथमिक डीलरशिप को कवर करने वाले कई उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है। बैंक की सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों का विवरण ऑनलाइन पाया जा सकता है: https://www.sbi.co.in/web/affiliates।

नवोन्मेषित तकनीकी द्वारा ग्राहकों की प्राथमिकताओं को बदलने के लिए अनुकूलित करते हुए, एसबीआई अपने खुदरा बैंकिंग परिदृश्य को बदल रहा है तथा अपने लेनदेन के 95% से अधिक अंश को वैकल्पिक चैनलों में परिवर्तित कर रहा है। 31 मार्च 2022 को, एसबीआई के प्रमुख एप्लिकेशन योनो के पास मार्च 2021 में 37.10 मिलियन से बढ़कर 48.35 मिलियन पंजीकृत उपयोगकर्ता बन गए हैं।

एसबीआई ने अपने परिचालन और मूल्य निर्माण मॉडल में सेवा, पारदर्शिता, नैतिकता, विनम्रता और संवहनीयता के मूल्यों को शामिल किया है। इससे बैंक ने अपनी प्रक्रिया में सुधार किया है, अपने जोखिमों का पुनर्मूल्यांकन किया है, अपने तंत्र और ग्राहक अनुभव को बढ़ाया है, और कई आईटी पहल की शुरुआत की है।

(31 मार्च 2022 तक, बैंक ने 22,266 शाखाओं, 65,030 स्वचालित टेलर मशीनों (एटीएम) और स्वचालित जमा और निकासी मशीनों (ADWMs) का प्रबंधन किया, जबकि 2.42 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया और 46 करोड़ से अधिक ग्राहक आधार बनाया है)

GRI 102-1, GRI 102-2, GRI 102-3, GRI 102-4, GRI 102-5, GRI 102-6, GRI 102-7, GRI 102-45

ध्येय

अग्रणी भारत का सर्वप्रिय बैंक बनना

लक्ष्य

सरल, प्रतिक्रियाशील और नवोन्मेषी वित्तीय समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध

मूल्य

सेवा । पारदर्शिता । सदाचार । शिष्टता । निरंतरता

विभिन्न भौगोलिक स्थिति, उपलब्धता में सुधार और संपर्क रहित पेशकश के माध्यम से अधिकाधिक लोगों तक अपनी सेवा उपलब्ध कराकर एसबीआई ने योनो की शुरुआत करके अपनी डिजिटल पेशकश का लाभ उठाया है।

बैंक एसएमई, कंपनियों और सरकारी विभागों और वित्तीय संस्थानों को विभिन्न प्रकार के उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है।

इसके अलावा, बैंक नीतिगत विकास के मामलों पर विभिन्न उद्योग संघों के साथ विचार विमर्श करता है और निम्नलिखित प्रतिष्ठित संगठनों से अपना संबंध बनाए रखता है जैसे:

- भारतीय बैंक' संगठन (आईबीए)
- भारतीय बैंकिंग और वित्त संस्थान (IIBF)
- भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की)
- भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)
- एसोसिएटेड चबॅर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम)
- प्रगति, समन्वय तथा व्यापार और उद्योग विकास प्रकोष्ठ (पीएचडीसीसीआई)
- संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कॉम्पैक्ट नेट वर्क भारत (यूएनजीसीएनआई)

एसबीआई के यूके में परिचालन के शताब्दी वर्ष और लंदन स्टॉक एक्सचेंज में एसबीआई की लिस्टिंग की रजत जयंती मनाने के लिए बाजार का उद्घाटन

बैंक इन संगठनों के साथ बैंकिंग, ईएसजी, तथा विभिन्न उद्योग से जुड़े विशिष्ट मुद्दों पर मिलकर काम करता है।

GRI 102-13, GRI 102-16

SBI

The banker to every Indian

हमारे लिए सभी ग्राहक महत्वपूर्ण हैं
और उनमें से प्रत्येक

“I”

in SBI

वैश्विक पदचिन्ह

वैश्विक भारतीय कंपनियों का समर्थन करने के व्यापक सिद्धांतों द्वारा निर्देशित, एसबीआई के अंतरराष्ट्रीय संचालन ने एक महत्वपूर्ण वैश्विक उपस्थिति स्थापित की है। एसबीआई ने भारतीय बाजार पर ध्यान देने के अतिरिक्त, अन्य बाजारों में भी अपनी उपलब्धता का विस्तार करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय बैंक के रूप में अपनी उपस्थिति का दावा कर रहा है। एसबीआई की उपस्थिति दुनिया भर में फैली हुई है, जिसमें 30 देशों में इसकी शाखाएं हैं, और यह भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग के अग्रणी के रूप में स्वयं को स्थापित किया है।

*रिपोर्ट की सीमा के हिसाब से सम्मिलित

जिम्मेदार आचरण के प्रति प्रतिबद्धता

मजबूत संवहनीयता अभिशासन सुनिश्चित करना अपने हितधारकों के लिए साझा मूल्य बनाने के लिए बैंक के प्रयासों का एक अभिन्न अंग है। इस उद्देश्य के लिए, बैंक के कॉर्पोरेट सेंटर संवहनीयता समिति (सीसीएससी) संवहनीयता और व्यावसायिक उत्तरदायित्व (बीआर) नीति का निष्पादन करती है। यह नीति बैंक की संवहनीयता रणनीति को अपनी व्यावसायिक रणनीति के साथ संरेखित करने में मदद करती है और प्रमुख पर्यावरणीय और सामाजिक क्षेत्रों की पहचान करती है। इसके अलावा, यह एक एकीकृत तरीके से आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रदर्शन के प्रबंधन के लिए एसबीआई के दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। समिति के पास कई कार्यों का प्रतिनिधित्व है, और इसकी अध्यक्षता उप प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) और कॉरपोरेट विकास अधिकारी (सीडीओ) द्वारा की जाती है । बैंक के पास एक अलग बोर्ड-स्तरीय कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी समिति भी है, जो बैंक की सीएसआर गतिविधियों की आवधिक समीक्षा करती है।

दर्पण नामक एक सर्वेक्षण की कल्पना की गई थी और जोखिमों और नैतिकता की संस्कृति के बारे में जागरूकता के स्तर को मापने के लिए डिज़ाइन किया गया था। इस पहल ने कर्मचारियों को सतर्क रहने के महत्व और धोखाधड़ी और अनैतिक प्रथाओं पर रिपोर्टिंग के लिए व्हिसल ब्लोअर तंत्र के बढ़े हुए उपयोग के बारे में संवेदनशील बनाया है ।

संवहनीयता अभिशासन

- बोर्ड द्वारा संवहनीयता एवं व्यवसाय जिम्मेदारी नीति अनुमोदित
- कॉरपोरेट केंद्र संवहनीयता समिति
  - उत्पाद एवं सेवा उप समिति
  - सामाजिक एवं अभिशासन उप समिति
  - पर्यावरण संबंधी उप समिति
- मंडल स्तरीय संवहनीयता समिति

GRI 102-18, GRI 102-19, GRI 102-20

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में नैतिक आचरण

एसबीआई अपने पूरे परिचालन में नैतिक व्यवसायिक कार्यप्रणाली और पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सत्यनिष्ठा और आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने के लिए, बैंक ने एक नैतिक और व्यवसायिक आचरण प्रणाली की स्थापना की है।

आचार संहिता बैंक के मूल मूल्यों पर केंद्रित है, जो इसके सभी कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं, सेवा प्रदाताओं और सहायक कंपनियों पर लागू होती है। संहिता का प्रभावी कार्यान्वयन विभिन्न तंत्रों के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है जिसमें प्रत्येक विभाग में परिभाषित जिम्मेदारियां, जवाबदेही और रिपोर्टिंग लाइनें शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त एक सक्षम हेल्पडेस्क, मुख्य बिन्दु , हॉटलाइन, एक लोकपाल और अनुशासनात्मक उपाय हैं। एक मजबूत व्हिसल ब्लोअर तंत्र है, जो संहिता का एक हिस्सा है और कर्मचारियों को गोपनीयता के साथ अपनी बात व्यक्त करने की सहज अनुमति देता है।

पूरे वर्ष में आचार संहिता के उल्लंघन की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई। सामर्थ्य , एक अभिनव ऑनलाइन प्रशिक्षण पहल है जिसे बैंक के युवा कर्मचारियों के लिए तैयार किया गया है। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य संवादात्मक सत्रों, अंतर्दृष्टिपूर्ण नेतृत्व संदेशों और संवादात्मक स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से बैंक के मूल्यों और नैतिकता से जुड़ी संस्कृति से जोड़ना है। नैतिकता, धोखाधड़ी, व्हिसल ब्लोअर तंत्र और सामान्य मानव संसाधन मामलों के चार पहलुओं को आधार बनाकर कर्मचारियों के जागरूकता के स्तर का आकलन करने के लिए दर्पण सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। सर्वेक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों को अनैतिक कार्यों और अनैतिक कार्य संस्कृति से संबंधित मुद्दों को रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित करना था, जिससे धोखाधड़ी का पता लगाने और और उसे रोकने में काफी सफलता मिली।

बैंक में अपने निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन पर लागू होने वाली एक बोर्ड-अनुमोदित आचार संहिता भी है। इस संहिता का उद्देश्य प्रकटीकरण की उच्चतम गुणवत्ता, लेन-देन में गोपनीयता और निष्पक्षता, उत्तम कॉरपोरेट अभिशासन आचरण बैंक के संसाधनों का इष्टतम उपयोग और हितों के टकराव को समाप्त करना सुनिश्चित करना है।

इसके अलावा, एसबीआई की हितों के टकराव की नीति है जो उन स्थितियों को प्रबंधित करने में मदद करने के लिए एक शमन और संवेदनशील उपाय के रूप में कार्य करती है, जिसमें गंभीर नैतिक जोखिम या कानूनी और नियामक परिणाम शामिल हो सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, बैंक अपने कर्मचारियों के लिए समावेशी, सुरक्षित और सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। इसलिए, इसने गरिमा पोर्टल की स्थापना की है, जो कर्मचारियों को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों को दर्ज करने की सुविधा देता है। यह अपनी महिला कर्मचारियों के लिए एक समावेशी और सुरक्षित कार्यस्थल विकसित करने के लिए एसबीआई की प्रतिबद्धता के प्रमुख तत्वों में से एक है। वर्ष के दौरान, एसबीआई ने बैंक की संस्कृति, नैतिकता और मूल्यों पर हाल ही में शामिल हुई महिला कर्मचारियों के लिए एक परामर्श कार्यक्रम भी शुरू किया है।

महिला दिवस के अवसर पर गरिमा बुकलेट के हिन्दी संस्करण का अनावरण

एसबीआई ने लागू मानदंडों और विनियमों के अनुपालन के स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए एक कर्मचारी जवाबदेही नीति बनाई है। इसके अतिरिक्त, पूरे संगठन में सही व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक की दैनिक ईमेल प्रसारण श्रृंखला में कार्यस्थल पर नैतिक आचरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं को भी शामिल किया गया है।

संवहनीयता अभिशासन में सहयोग करने वाली संहिताएँ और नीतियाँ

अपने अभिशासन तंत्र को मजबूत करने के क्रम में, एसबीआई ने कई रूपरेखा और नीतियां बनाई हैं, जिनमें से कुछ हैं:

जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन नीति

डोरस्टेप बैंकिंग पर नीति

अक्षय ऊर्जा नीति

व्हिसल ब्लोअर नीति

जोखिम प्रबंधन नीति

हितो में टकराव की नीति

ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता (बीसीएसबीआई कोड)

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समान रोजगार अवसर

उचित ऋण संव्यवहार संहिता

निदेशक मंडल एवं प्रबंधन के लिए आचार संहिता

संबंधित पक्ष लेनदेन की भौतिकता पर नीति

केवाईसी मानक,एएमएल एवं सीएफ़टी उपाय पर नीति

रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार विरोधी नीति

संवहनीयता और व्यावसायिक उत्तरदायित्व नीति

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति

व्यापार निरंतरता और परिचालन लचीलापन नीति

साइबर सुरक्षा नीति एवं मानक

ग्राहक अधिकार, शिकायत निवारण और क्षतिपूर्ति नीति

निष्पक्ष नीति

आचार संहिता

आचार संहिता- इंटरनेट या सोशल मीडिया में विचार व्यक्त करना

सतर्कता

वर्ष के दौरान, 'स्वतंत्र भारत @ 75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता' विषय के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजन के एक भाग के रूप में, सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा दिलाई गई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के विषय पर कर्मचारियों और जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए इंट्रानेट से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक विभिन्न चैनलों का इस्तेमाल किया गया। बैंक का सतर्कता विभाग आचार संहिता को लागू करने का कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, सतर्कता जागरूकता संबंधी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, बैंक ने आचार संहिता पर एक डिजिटल ऑनलाइन प्रमाणन मॉड्यूल डिज़ाइन की शुरुआत की है। बैंक ने कई प्रशिक्षणों के साथ 200 से अधिक निवारक सतर्कता कार्यक्रम आयोजित किए। सतर्कता और निवारक सतर्कता पर जागरूकता पैदा करने के लिए प्रासंगिक विषयों पर 72 वेबिनार और 28 कक्षा सत्र भी आयोजित किए गए।

जब भी कोई शिकायत दर्ज की जाती है, सूचनादाताओं की गोपनीयता सुनिश्चित करते हुए, सार्वजनिक हित प्रकटीकरण और सूचनादाताओं के संरक्षण (पीआईडीपीआई) के बारे में जानकारी का प्रचार-प्रसार कर भ्रष्टाचार संबंधी जागरुकता बढ़ाई जाती है।

कर्मचारियों के बीच सतर्कता और निवारक सतर्कता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए बैंक ने कई वेबिनार और कक्षा सत्र आयोजित किए। इसके अतिरिक्त, सतर्कता संबंधी मामलों पर कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

वर्ष के दौरान, बैंक के चयनित अधिकारियों को सतर्कता की भूमिका, संबंधित एवं प्रासंगिक कानूनों, एसबीआई की सतर्कता संरचना और इससे जुड़े कई विषयों पर प्रशिक्षित किया गया।

निदेशक मंडल

एसबीआई के निदेशक मंडल की अध्यक्षता बैंक के अध्यक्ष द्वारा किया जाता है, और इसमें प्रबंध निदेशक, शेयरधारक निदेशक और भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक शामिल होते हैं। 31 मार्च 2022 तक, केंद्रीय बोर्ड में 13 सदस्य शामिल थे, जिनमें से 5 कार्यकारी निदेशक थे और शेष गैर-कार्यकारी निदेशक थे। 31 मार्च 2022 तक, बोर्ड के सदस्यों का औसत कार्यकाल लगभग 23 महीने का था। सभी गैर-कार्यकारी निदेशक प्रौद्योगिकी, लेखा, वित्त, अर्थशास्त्र और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अनुभव रखने वाले प्रख्यात पेशेवर हैं। एसबीआई का बोर्ड इसके लिए जिम्मेदार है:

- बैंक के जोखिम प्रोफाइल की निगरानी करना ।
- बैंक के कारोबार और नियंत्रण प्रणाली की अखंडता की निगरानी करना ।
- विशेषज्ञ प्रबंधन सुनिश्चित करना ।
- शेयरधारकों के हितों की रक्षा करना।

कार्यकारी निदेशकों के परिवर्तनीय मुआवजे का निर्धारण करने के लिए उपयोग किए जाने वाले वित्तीय विवरणी और सापेक्ष वित्तीय मीट्रिक्स भारत सरकार द्वारा परिभाषित किए गए हैं

बोर्ड-स्तरीय समिति

- केंद्रीय निदेशक की कार्यकारी समिति (ईसीसीबी)
- लेखा परीक्षा समिति बोर्ड (एसीबी)
- बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी)
- शेयरधारक संबंध समिति (एसआरसी) एवं बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी)
- बड़े मूल्य वाले धोखाधड़ी की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ़)
- बोर्ड की आईटी कार्यनीति समिति (आईटीएससी)
- कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति (सीएसआरसी)
- बोर्ड की नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी)
- वसूली निगरानी हेतु बोर्ड की समिति (बीसीएमआर)
- इरादतन चूककर्ताओं/असहयोगी उधारकर्ताओं की पहचान के लिए समीक्षा समिति

बोर्ड की रणनीति बैठक

बैंकिंग उद्योग में नवीनतम रुझानों के साथ बोर्ड के सदस्यों और एसबीआई के वरिष्ठ प्रबंधन को अवगत रखने के उद्देश्य से वर्ष के दौरान एक कार्य-नीति कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला ने विघटनकारी प्रौद्योगिकियों और COVID-19 युग के बाद उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने की कार्यनीति पर विचार-विमर्श करने में मदद की।

GRI 102-18

जोखिम अभिशासन

भारतीय स्टेट बैंक के जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण से चार प्रमुख स्तंभ हैं:

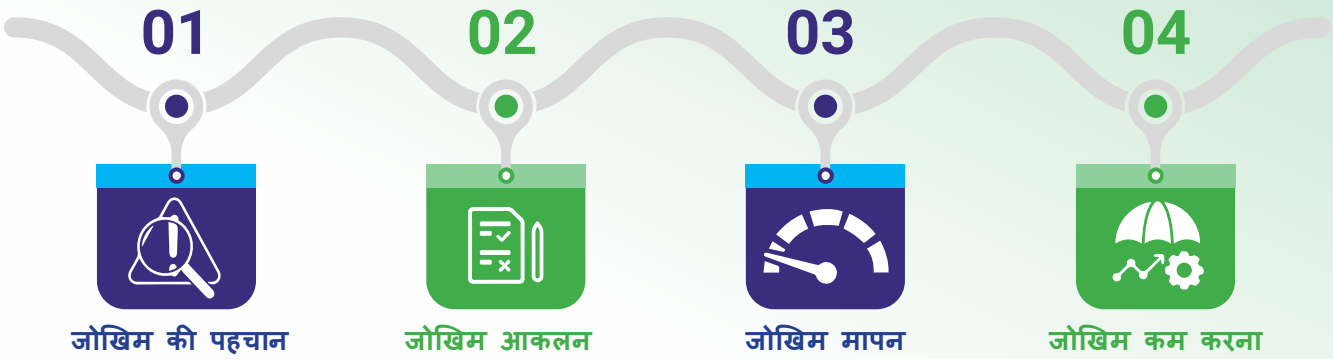

बोर्ड की कार्यकारी समितियां तथा जोखिम प्रबंधन समिति बैंक द्वारा पहचाने गए विभिन्न जोखिमों की निगरानी और समीक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। जोखिमों के प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से एसबीआई ने क्रेडिट जोखिम, बाजार जोखिम, तरलता जोखिम, आईटी जोखिम और परिचालन जोखिमों को पहचान कर प्राथमिकता दी है। इसके अलावा, बैंक ने पूरे पोर्टफोलियो में उन्हें मापने, उनका आकलन करने और उनकी निगरानी करने के लिए नीतियां और प्रक्रियाएं विकसित की हैं। एसबीआई, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बासेल III पूंजी मानदंडों का पालन करता है, जो इस क्षेत्र को वित्तीय या आर्थिक तनाव से उत्पन्न होने वाले किसी भी तनाव से बचाने का प्रयास करता है।बैंक की एक स्वतंत्र जोखिम अभिशासन संरचना है जो जोखिम की माप, निगरानी और नियंत्रण कार्यों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने में मदद करती है। इस ढांचे के प्रमुख चालकों में से एक प्रौद्योगिकी है, जो उत्पत्ति के स्थान पर जोखिमों की पहचान और प्रबंधन को सक्षम बनाता है।

जोखिम अभिशासन संरचना

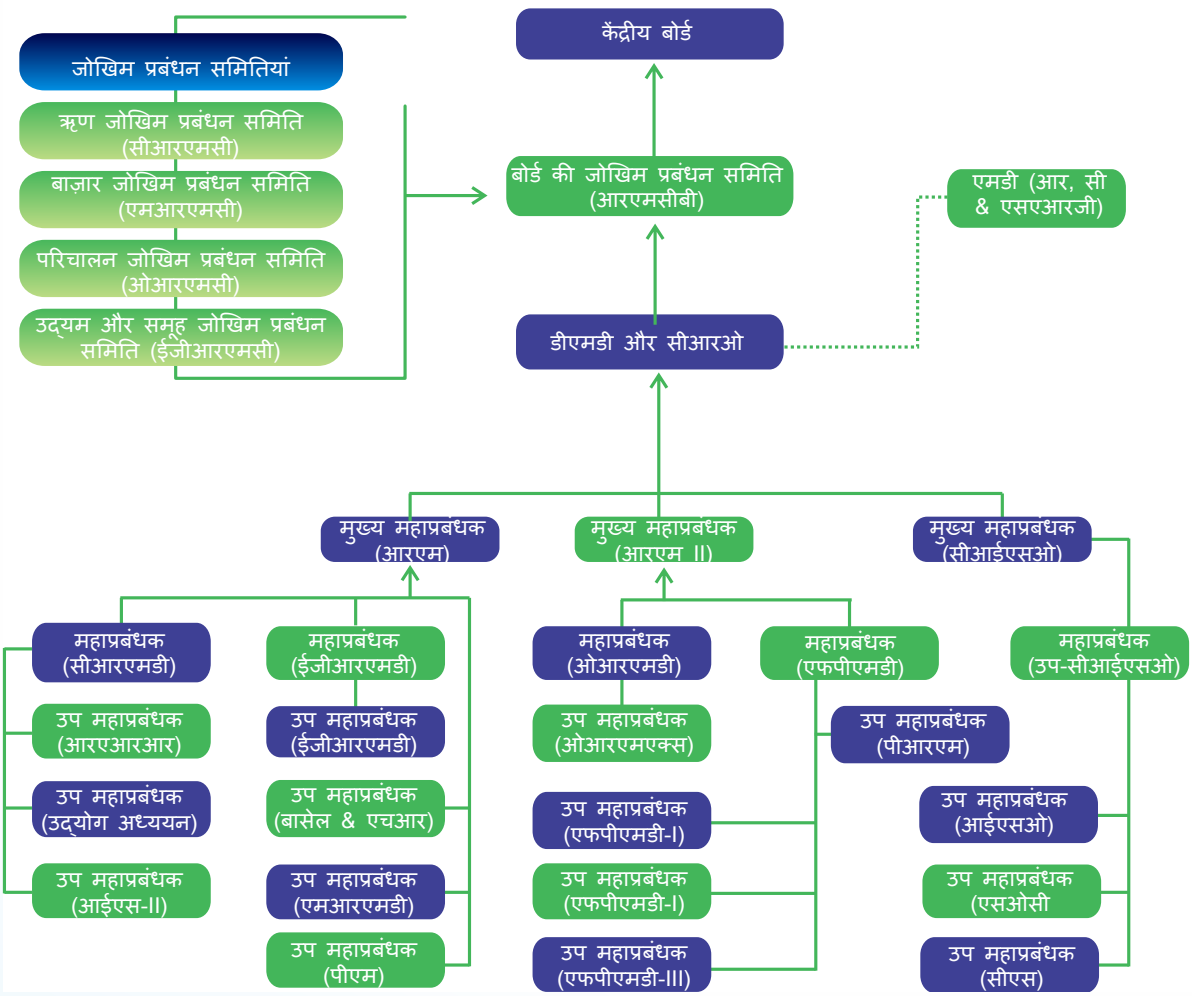

जोखिम प्रबंधन कॉनक्लेव

जोखिम प्रबंधन के सामयिक मुद्दों के बारे में विचारों पर चर्चा करने और आगे का रास्ता विकसित करने के लिए बैंक ने दो दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी की। कॉनक्लेव में जमीनी स्तर पर सामना की जा रही चुनौतियों के साथ-साथ उद्योग में अपनाई गई सर्वोत्तम क्रिया कलापों पर चर्चा करने के लिए एक खुला मंच प्रदान किया।

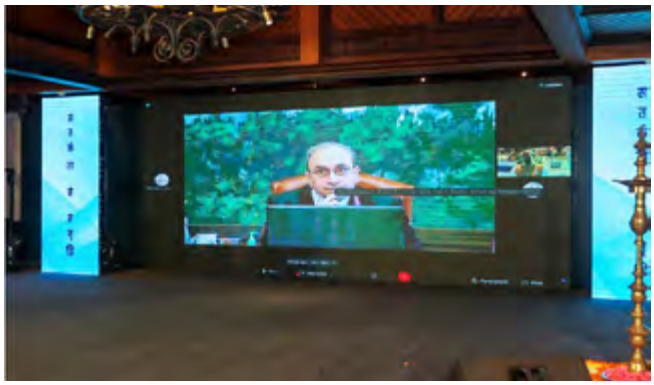

जोखिम प्रबंधन कॉनक्लेव का उद्घाटन

ऋण जोखिम कम करने के उपाय

भारतीय स्टेट बैंक के पास एक औद्योगिक संकेंद्रण सीमा ढांचा है जिसकी त्रैमासिक निगरानी की जाती है। यह मजबूत अवसंरचना व्यवसायिक परिदृश्य में विभिन्न उत्थानों से उत्पन्न होने वाले व्यवसायिक अवसरों को पकड़ता है, जिसमें ईएसजी से संबंधित अवसर भी शामिल हैं। एसबीआई उधारकर्ताओं के ऋण जोखिम का आकलन करने के लिए आंतरिक ऋण जोखिम मूल्यांकन मॉडल का उपयोग करता है। इसकी समीक्षा व्यापक सत्यापन और बैक टेस्टिंग फ्रेमवर्क के विभिन्न चरणों के माध्यम से की जाती है। ईएसजी जोखिमों को ध्यान में रखते हुए, बैंक ने एक मॉडल तैयार किया है जो विभिन्न ईएसजी मानदंडों पर निर्दिष्ट उधारकर्ताओं को रेटिंग प्रदान करता है।

बैंक ने ऋण सृजन सॉफ्टवेयर/ऋण जीवनचक्र प्रबंधन प्रणाली (एलओएस/एलएलएमएस) के माध्यम से क्रेडिट मूल्यांकन प्रक्रियाओं के लिए एक आईटी प्लेटफॉर्म अपनाया है। इसके अलावा, पूंजी पर जोखिम-समायोजित रिटर्न (आरएआरओसी) और ग्राहक-स्तरीय आरएआरओसी गणना के लिए एक डिजिटल ढांचा है।खुदरा उधारकर्ता के प्रदर्शन की निगरानी और स्कोरिंग के लिए व्यवहार मॉडल भी विकसित किए गए हैं।एसबीआई अपने क्रेडिट पोर्टफोलियो पर अर्ध-वार्षिक आधार पर तनाव परीक्षण करता है तथा आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तनाव परिदृश्यों को नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

जोखिम प्रबंधन अनुपालन

जोखिम प्रबंधन अनुपालन समिति में विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं जो यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है कि बैंक की सभी गतिविधियाँ नियामक आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। समिति के सदस्यों को अनुपालन संबंधी सभी मुद्दों पर निगरानी रखने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि बैंक और उसके कर्मचारियों की कार्रवाई गैर-अनुपालन के लिए 'शून्य सहनशीलता' के अनुरूप है।एसबीआई नियमित रूप से आरबीआई के नियमों के अनुपालन परीक्षण और कमियों को दूर करने का कार्य भी करता है।

इसके अतिरिक्त, बैंक के पास एक स्वतंत्र संव्यवहार की नीति है, जो यह सुनिश्चित करती है कि एसबीआई और उसके अनुषंगी लेनदेन से संबंधित कानूनों, स्थानांतरण मूल्य निर्धारण नियम, आरबीआई के दिशानिर्देशों और कॉर्पोरेट गवर्नेंस से संबंधित आवश्यकताओं से संबंधित कानूनों का पालन करती है।

बैंक जोखिम की तुलना में वापसी की पर्याप्तता का आकलन करने के लिए समय-समय पर महत्वपूर्ण पोर्टफोलियो का जोखिम-वापसी विश्लेषण करता है।बैंक ने कॉरपोरेट एक्सपोजर से उभरते जोखिमों के उद्देश्यों और निरंतर मूल्यांकन के लिए उपाय भी शुरू किए हैं।एसबीआई ने प्रारंभिक चेतावनी संकेत ट्रिगर के साथ आंतरिक दर-निर्धारण की गतिशील समीक्षा के एकीकरण के लिए एक ढांचा तैयार किया है और इस ढांचे के आईटी कार्यान्वयन को पूरा कर लिया है।

ईएसजी जोखिम प्रबंधन

एसबीआई अपने जोखिम प्रबंधन ढांचे को विकसित करते समय विभिन्न गैर-वित्तीय कारकों को ध्यान में रखता है। उनमें से कुछ नीचे उल्लिखित हैं: इनमें शामिल हैं - लेकिन इतने तक ही सीमित नहीं है - जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण और अनुकूलन, स्वास्थ्य और सुरक्षा, मानवाधिकारों के लिए सम्मान, पर्यावरणीय प्रभाव, तथा रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार विरोधी।

इससे बैंक को प्रबंधन तंत्र तैयार करके और बेहतर जवाबदेही और पारदर्शिता के लिए आधार तैयार करके इन जोखिमों को समझने और सीमित करने में मदद मिलती है।ईएसजी जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं को लगातार मजबूत करने के प्रयास में, बैंक इन जोखिमों और अवसरों के वित्तीय प्रभावों का आकलन करने पर भी विचार कर रहा है।

एसबीआई ने अपने व्यवसाय के लिए प्रासंगिक ईएसजी जोखिमों की पहचान की है और इसे कम करने की योजना तैयार की है।

क्र. सं.	जोखिम की पहचान	पहचान के लिए तर्क	अनुकूलन या न्यूनीकरण दृष्टिकोण
1	उधारकर्ताओं से जुड़े ईएसजी जोखिम	ईएसजी और जलवायु परिवर्तन जोखिम बैंक के उधारकर्ताओं के व्यवसाय संचालन और नकदी प्रवाह और उनकी ऋण-शोधन क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए, इसकी पहचान और समय पर कम करने के लिए जोखिम मूल्यांकन ढांचे में एकीकृत करने की जरूरत है।	बैंक ने कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं के ईएसजी जोखिमों का आकलन करने के लिए 'ईएसजी जोखिम रेटिंग मॉडल' तैयार किया है, जिसमें कॉर्पोरेट्स प्रथाओं का मूल्यांकन उनके संचालन या व्यवसाय से उत्पन्न ईएसजी चिंताओं को दूर करने के लिए रणनीतियां शामिल हैं।
2	जलवायु परिवर्तन जोखिम	जलवायु परिवर्तन के जोखिम बैंक के लिए अन्य भौतिक जोखिमों में भी तब्दील हो सकते हैं, जैसे क्रेडिट जोखिम, परिचालन जोखिम, बाजार जोखिम, प्रतिष्ठा जोखिम और चलनिधि जोखिम। बैंक ने उभरते जोखिमों के रूप में जलवायु परिवर्तन संबंधी जोखिमों की पहचान की है।	इन जोखिमों को दूर करने के लिए बैंक ने जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है।
3	चरम जलवायु घटनाओं/प्राकृतिक आपदाओं के कारण उत्पन्न होने वाले परिचालन जोखिम	प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाली रुकावटों से बैंक का संचालन बाधित हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप नुकसान हो सकता है। बैंक का आंतरिक लेखा परीक्षा कार्य जोखिम प्रबंधन और अनुपालन विभागों के साथ निकट समन्वय में काम करता है और नियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप परिचालन इकाइयों के जोखिम आधारित लेखा परीक्षा करता है।	प्राकृतिक आपदाओं जैसी व्यवधानों की स्थिति में बैंक के संचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, बैंक के पास व्यवसायिक निरंतरता और परिचालन लचीलापन नीति और नियमावली है। सभी शाखाओं और कार्यालयों को महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने की निर्भरता और चुनौतियों की पहचान कर और उनका दस्तावेजीकरण करने के पश्चात व्यवधान की स्थिति में,यदि सुविधा बंद होने की स्थिति उत्पन्न हो तो वैकल्पिक व्यवस्था सहित, व्यवसाय को सुचारु रखने हेतु व्यवस्था की योजना नियंत्रकों द्वारा विधिवत अनुमोदित करनी होती है।

लेखापरीक्षा ढांचा

बैंक का आंतरिक लेखा परीक्षा कार्य जोखिम प्रबंधन और अनुपालन विभागों के साथ निकट समन्वय में काम करता है और नियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप परिचालन इकाइयों के जोखिम आधारित लेखा परीक्षा करता है। इन लेखापरीक्षाओं की दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए बैंक के पास कई तकनीके हैं, जिनमें वेब-आधारित, ऑनलाइन जोखिम-केंद्रित आंतरिक लेखा परीक्षा (आरएफआईए) शामिल हैं

- विश्लेषण-आधारित, वृहद डेटा के दूरस्थ मूल्यांकन के माध्यम से अनुपालन योग्य नियंत्रणों का निरंतर मूल्यांकन
- लेन-देन की प्रणाली-चालित, विश्लेषण-आधारित ऑफसाइट निगरानी
- अनुपालनों की चल रही जांच को सुनिश्चित करने के लिए व्यावसायिक इकाइयों की संगामी लेखा परीक्षा
- रु 1 करोड़ और उससे अधिक के ऋणों की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए स्वीकृतियों की शीघ्र समीक्षा
- स्व-मूल्यांकन के लिए शाखाओं द्वारा ऑनलाइन स्व-लेखापरीक्षा

वर्ष के दौरान, आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग में कार्यरत अधिकारियों के लिए धोखाधड़ी की रोकथाम और पता लगाने, और निगरानी से संबंधित पहलुओं को शामिल करते हुए कार्यक्रम आयोजित किए गए।

शाखा लेखा परीक्षा

वित्त वर्ष 2021-22 में घरेलू शाखाओं और केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्रों की कुल 10,614 इकाइयों का ऑडिट किया गया। इसके अलावा, ट्रिगर-आधारित ऑडिट के लिए पहचान की गई शाखाओं के लिए, साक्ष्य-आधारित अनुपालन परीक्षण प्रक्रियाधीन है।

अन्य ऑडिट का विवरण - जैसे क्रेडिट ऑडिट, कानूनी ऑडिट, सूचना सुरक्षा ऑडिट और प्रबंधन ऑडिट, अन्य - बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में पाया जा सकता है।

एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला (एएमएल-सीएफटी)

बैंक ने मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए प्रशिक्षण सहित कई उपाय किए हैं। वर्ष के दौरान, इस दिशा में कई सेमिनार, वेबिनार, कार्यशालाएं और दौरे आयोजित किए गए। इस विषय पर अपने कर्मचारियों की समझ का आकलन करने के लिए बैंक द्वारा एक एएमएल-सीएफटी प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई थी।

बैंक के पास एएमएल-सीएफटी के लिए सुरक्षा तंत्र के तीन स्तर हैं, जो इस प्रकार हैं:

इसके अतिरिक्त, एएमएल-सीएफटी कक्ष ने कर्मचारियों के साथ टाइपोलोजी साझा करने, परिचालन इकाइयों के लिए परिपत्र अपलोड करने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से केस अध्ययन का प्रसार करने जैसी पहल की है।

कर्मचारियों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए आतंकवाद विरोधी दिवस पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया था।

इस वर्ष, बैंक को रिपोर्टिंग में देरी और अशुद्धि के लिए नियामक द्वारा रु 2.50 करोड़ के दंड का सामना करना पड़ा। नियामक को देय राशि का भुगतान कर दिया गया है, और बैंक ने अंतर्निहित मुद्दों के समाधान के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं और टीमों का गठन किया है। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2021-22 में, बैंक ने राजनीतिक अभियानों, राजनीतिक संगठनों, पैरवी करने वालों या पैरवी करने वाले संगठनों के लिए कोई खर्च नहीं किया है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान शपथ ग्रहण

बदलाव हेतु वित्तपोषण

भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक होने के नाते, एसबीआई यह जानता है कि उधार देने वाली संस्था होने के कारण उसके कार्यों का प्रभाव दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करेगा। बैंक ने सदैव ही प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों ही रूपों में सकारात्मक पर्यावरण संबंधी बदलाव लाने की दिशा में ही कार्य किया है तथा अपने परिचालनों से होने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम करने के कदम उठाए हैं। एसबीआई कोई भी उधार देने संबंधी निर्णय लेते समय उसके विभिन्न पर्यावरण संबंधी, सामाजिक एवं अभिशासन संबंधी मानदण्डों पर भी विचार करता है, जिससे सही संस्था को वित्तपोषण सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। एसबीआई में उधारकर्ताओं को ईएसजी मानदण्ड पर मूल्यांकन करने का एक तंत्र है, जो कि विनिर्दिष्ट उधारकर्ताओं हेतु ईएसजी मानदण्डों पर अनिवार्य मूल्यांकन हेतु बल देता है। इसमें सीआरए रेटिंग के समय 100 करोड़ रुपये के निवेश वाले (सूचीबद्ध उधारकर्ता) एवं 500 करोड़ रुपये से अधिक (गैर - सूचीबद्ध उधारकर्ता) के भारत के वर्तमान उधारकर्ता एवं संभावित उधारकर्ता शामिल हैं।

> एसबीआई ने ऐसा तंत्र विकसित किया है जो ईएसजी मानण्डों पर बल देता है तथा विनिर्दिष्ट उधारकर्ताओं का ईएसजी मानण्डों पर मूल्यांकन करता है।

एक जिम्मेदार ऋणदाता होने के नाते, धनशोधन एवं आतंकी वित्तपोषण से लड़ने में बैंक अपनी भूमिका को पूरी जिम्मेदारी से निभाता है। एसबीआई द्वारा, धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आरबीआई के केवाईसी मानदण्डों का पूरा अनुपालन किया जाता है। इसके अलावा, बैंक द्वारा अपने सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन एवं जिम्मेदार ऋणदाता के रूप में अपने ऋण पोर्टफोलियो की नियमित दबाव-जाँच भी की जाती है।

संवहनीयता हेतु प्रोत्साहन

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए, एसबीआई ने कई उत्पाद एवं सेवाएं आरंभ की हैं। उनमें से कुछ निम्नानुसार हैं:

हरित बॉण्ड एवं हरित ऋण

- वित्तवर्ष 2018-19 से अब तक यूएस $800 मिलियन के बॉण्ड जारी किए गए हैं।
- आईएनएक्स एवं लक्समबर्ग स्टॉक एक्सचेंज में यूएस $650 मिलियन के हरित बॉण्ड्स सूचीबद्ध हैं।
- सकारात्मक जलवायु प्रभाव वाली परियोजनाओं हेतु धनराशि चिन्हित की गई है।
- बैंक ने वित्तवर्ष 2020-21 में 50 मिलियन यूएस डॉलर के हरित ऋण एकत्र किया है।

संवहनीयता-संबद्ध ऋण

- एसबीआई की विदेश स्थित शाखाएं ईएसजी-संबंधी ऋण एवं संवहनीयता ग्रिड-संबंधी प्राइसिंग प्रदान कर रहे हैं।
- उधारकर्ताओं को संवहनीयता-संबद्ध केआरए पूरा करने पर 4 से 6 बीपीएस का प्रोत्साहन दिया जाता है जबकि न पूरा करने पर जुर्माना लगाया जाता है।
- इससे उधारकर्ताओं को केआरए पूरा करने का प्रोत्साहन मिलता है।
- इस प्रकार के ऋण का पोर्टफोलियो लगभग 1 बिलियन यूएस डॉलर है।

नवंबर 2021 में, एसबीआई ने आईएनएक्स एवं लक्समबर्ग स्टॉक एक्सचेंज में यूएस $650 मिलियन के हरित बॉण्ड्स सूचीबद्ध किए। इन दो एक्सचेंज में सूचीबद्धता अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवाएं केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के अनुसार विश्व निवेशक सप्ताह के विषय - 'संवहनीय वित्तीयन' के अनुरूप था।

एसबीआई के पहले फॉरमोसा बॉण्ड जारी करने की सूचीबद्धता समारोह के दौरान इंडिया-आईएनएक्स एक्सचेंज में उपस्थित वरिष्ठ बैंक के कार्यपालकगण

बैंक के यूएस $650 मिलियन के हरित बॉण्ड का सूचीबद्धता समारोह

GRI 302-5, GRI 305-5

एसबीआई हरित बॉण्ड एवं हरित ऋण का प्रभाव

01 **5.5 Mn. tCO_2/वर्ष**
उत्सर्जन में कमी की संभावना

02 **38,00,000 MWh/वर्ष**
से अधिक का वार्षिक अक्षय ऊर्जा उत्पन्न करने का अनुमान

03 10 राज्यों से अधिक में अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं

04 **3,500 MW**
से अधिक की कुल क्षमता की पवन एवं सौर ऊर्जा परियोजनाएं

स्रोत : भारतीय ऊर्जा क्षेत्र यूज़र गाइड 15.0 हेतु बेसलाइन डाटाबेस से 1 ग्रिड उत्सर्जन कारकों को लिया गया है। 2 प्लांट लोड कारकों को ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त किया गया है। (https://powermin.gov.in/en/content/ power-sector-glance-all-India)

अक्षय ऊर्जा की प्रेरणा

एसबीआई अक्षय ऊर्जा वित्तपोषण हेतु पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। बैंक ने विभिन्न ग्रीन बॉण्ड्स के माध्यम से निधि एकत्र की है एवं विभिन्न माध्यमों से ऋण जुटाया है। बैंक की अक्षय ऊर्जा नीति विभिन्न खण्डों के अक्षय ऊर्जा को कवर करती है जैसे कि फर्श पर लगने वाली सौर ऊर्जा , पवन ऊर्जा , ग्रिड से जुड़ा छत पर लगने वाली सौर ऊर्जा , स्मॉल हाइड्रो (25 मेगावाट तक) एवं अपशिष्ट से ऊर्जा बनाना।

कार्ड दर पर छूट के अलावा विभिन्न अन्य प्रकार के छूट भी दिए जाते है जैसे प्रीमियम माफी, अवधि में बढ़ोतरी एवं ऋण स्थगन अवधि आदि। इनके कारण बैंक ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी है।

क्षमता निर्माण के एक भाग के रूप में एसबीआई ने नवीन एवं अक्षय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्व बैंक के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे सुप्रभा कार्यक्रम के अंतर्गत अपने 465 कर्मचारियों को सौर परियोजनाओं प्रस्तावों को प्रक्रियागत करने का प्रशिक्षण दिया है।

बैंक द्वारा अपने स्टाफ को त्वरित अक्षय ऊर्जा वित्तपोषण हेतु प्रोत्साहित करने के लिए नियमित अंतराल पर 'सौर वित्तपोषण' बोनान्ज़ा आरंभ किया जाता है। सौर परियोजना वित्तपोषण को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों को आकर्षक प्रोत्साहन दिए जाते हैं।

31 मार्च 2022 को एसबीआई ने विभिन्न सौर, पवन, बायोमास, अपशिष्ट से ऊर्जा एवं हाइड्रो परियोजनाओं हेतु ₹32000 करोड़ रुपये आबंटित किए थे। वर्ष के दौरान, बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं ने 6900 मेगावाट से अधिक की वृद्धिशील क्षमता को जोड़ा है।

31 मार्च 2022 को अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं हेतु संस्वीकृत* राशि

रु 19,766 करोड़
सौर ऊर्जा (छत एवं फर्श पर लगने वाली)

रु 5,077 करोड़
पवन

रु 2 करोड़
बायोमास

रु 28 करोड़
अपशिष्ट से ऊर्जा

रु 7,601 करोड़
लघु हाइड्रो/हाइड्रो

* 31 मार्च 2022 को बैंक बही में शामिल किए गए

GRI 302-5, GRI 305-5

अक्षय ऊर्जा में निवेश को बढ़ावा देना

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, बैंक ने एक समर्पित केंद्रीकृत प्रसंस्करण सेल 'सूर्य शक्ति सेल' लॉन्च किया, जो 1 मेगावाट तक की क्षमता वाली सौर परियोजनाओं के लिए सभी ऋण आवेदनों को संसाधित करता है। नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश बढ़ाने के लिए, एसबीआई ने टाटा पावर सोलर सिस्टम्स के साथ एक समझौता ज्ञापन किया है और नया ऋण उत्पाद 'सूर्य शक्ति - सौर वित्त' भी लॉन्च किया है। इस पेशकश का उद्देश्य एसएमई और व्यावसायिक उद्यमों को कैप्टिव उपयोग के लिए 1 मेगावाट क्षमता तक के सोलर रूफटॉप, ग्राउंड-माउंटेड ग्रिड-कनेक्टेड सिस्टम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

अक्षय ऊर्जा एजेंडा को गति देने के लिए बैंक कई प्रकार के औद्योगिक संघों एवं संगठनों के साथ जुड़ा है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- इंटरनेशनल सोलर एलायंस, जिसे कि भारत एवं फ्रांस द्वारा संयुक्त रूप से आरंभ किया गया था जिससे अक्षय ऊर्जा को काम में लाकर सदस्य देशों की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।
- भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल महासंघ (फिक्की)
- ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई)
- भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)
- साइंस एंड टेक्नॉलॉजी फॉर सोसायटी (एसटीएस) फोरम, जापान द्वारा विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी से उपजे अवसरों का पता लगाया जाता है जिससे मानवता के राह की कठिनाइयों का समाधान किया जा सके।
- हरित वित्तपोषण पर इंडो-यूके ज्वाइंट वर्किंग ग्रुप
- हरित वित्तपोषण पर ब्रिक्स बिज़नेस काउंसिल टास्कफोर्स

परियोजना वित्तपोषण

बैंक ने विभिन्न सरकारी पहल, सुधारों एवं प्रोत्साहनों के इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश को बढ़ाया है। इसमें राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी), राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी), निष्पादन-संबद्ध योजनाएं, संवहनीय वित्तपोषण एवं पीएम गतिशक्ति योजना शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप, विशेषकर शहरी गैस वितरण, सड़क, पावर, अक्षय, मेट्रो रेल एवं ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में नई परियोजनाओं की बाढ़ सी आ गई, जो कि संवहनीयता एजेंडे को आगे बढ़ा रही हैं।

GRI 102-12

उद्देश्य के साथ भागीदारी

एसबीआई ने अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ विभिन्न भागीदारियां की हैं तथा अपने जिम्मेदार वित्तपोषण कार्यकलापों को प्रोत्साहित कर रही है। बैंक द्वारा इन संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न ऋण व्यवस्थाओं का उपयोग किया जाता है जो कि सकारात्मक माहौल एवं सामाजिक प्रभाव निर्मित करने में उपयोगी हैं।

विश्व बैंक से यूएस $ 625 मिलियन

2016 में हुई इस भागीदारी का लक्ष्य भारत में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाना है। रूफटॉप सोलर पैनल लगाने हेतु ऋण दिए गए हैं, जो कि उपभोक्ताओं को अक्षय स्रोतों से उनकी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करते हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 400 से अधिक रूफटॉप सोलर पैनल संस्वीकृत किए गए।

केएफडब्लू जर्मन डेवलपमेंट बैंक से यूएस$ 300 मिलियन

यह ऋण व्यवस्था 2015 में हस्ताक्षरित की गई तथा इसका उद्देश्य आरबीआई द्वारा चयनित प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों की परियोजनाओं का वित्तपोषण करना है। एसबीआई ने अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ कृषि एवं उससे संबद्ध कार्यकलापों, लघु व्यवसायों, लघु उद्योगों एवं अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में ऋण प्रदान किए हैं।

केएफडब्लू जर्मन डेवलपमेंट बैंक से यूएस$ 277 मिलियन

2019 में आरंभ हुई यह ऋण-व्यवस्था बिल्डरों एवं आवास ऋण उधारकर्ताओं को ऊर्जा कुशल विकल्पों हेतु प्रोत्साहित करती है तथा यह रियल एस्टेट सेक्टर में संवहनीयता को बढ़ावा देती है।

केएफडब्लू जर्मन डेवलपमेंट बैंक से यूएस$ 274 मिलियन

प्रधानमंत्री आवास योजना की तरह, यह ऋण व्यवस्था 2016 में हस्ताक्षरित की गई जो कि एसबीआई को किफायती आवास को बढ़ावा देने में मदद करती है तथा इस क्षेत्र के उधारकर्ताओं की मदद करती है।

यूरोपियन इंवेस्टमेंट बैंक बैंक से यूएस$ 214.3 मिलियन

एसबीआई ने वर्ष 2017 में इस ऋण व्यवस्था का लाभ उठाया जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम किया जा सके। इस परियोजना के अंतर्गत, कुल 493 मेगावाट के चार ग्रीनफील्ड सौर संयंत्र को रियायती ऋण दिया गया था।

केएफडब्लू जर्मन डेवलपमेंट बैंक से यूएस$ 177.3 मिलियन

यह ऋण व्यवस्था इंडो-जर्मन सौर ऊर्जा भागीदारी की संयुक्त पहुंच एवं विशेषज्ञता को बढ़ावा देती है जिससे अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को वित्त उपलब्ध कराया जा सके। इसे 2018 में भारत में अक्षय ऊर्जा के प्रसार के उद्देश्य से प्रदान किया गया था। 555 मेगावाट की समग्र क्षमता वाले 3 सौर परियोजनाओं का वित्तपोषण किया गया था।

एसबीआई का योगदान

SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOALS

यूएन द्वारा संवहनीय विकास के 2030 एजेंडा को प्राप्त करने में भारत की मदद करने हेतु एक जिम्मेदार संगठन के नाते एसबीआई को अपनी भूमिका के बारे में पता है। इस के लिए, बैंक ने विविध उत्पाद एवं सेवाएं आरंभ की हैं जो भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करती है।

1. इंस्टा प्लस बचत खाता

इंस्टा प्लस बचत खाता एक वीडियो आधारित पहचान प्रक्रिया है, जो पूर्णत: डिजिटलीकरण को बढ़ावा देती है एवं इससे कागज़ के इस्तेमाल में बहुत कमी आएगी।

2. जैव ईंधन परियोजनाओं हेतु वित्तपोषण

जो कारपोरेट्स वर्तमान फीडस्टॉक कोयले या अन्य जीवाश्म ईंधन के बदले बायोमास का प्रयोग करने के इच्छुक हैं उनके लिए एसबीआई ने यह ऋण उत्पाद आरंभ किया है। बैंक इस ऋण द्वारा उनकी पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा।

3. संजीवनी - स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र हेतु एसएमई ऋण

देश में स्वास्थ्य सेवा उद्योग को विस्तार देने हेतु, एसबीआई ने तरल ऑक्सीजन, ऑक्सीजन सिलेण्डर निर्माण में संलग्न इकाईयों एवं आक्सीजन संयंत्र स्थापित करने वाले वर्तमान अस्पतालों की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु एसबीआई ने ऋण उत्पाद आरंभ किया है।

4. स्त्री शक्ति उद्यमी ऋण

विश्व बैंक एवं यूएन विमन की भागीदारी से, एसबीआई ने महिला उद्यमियों को किफायती ब्याज दरों पर संस्थागत ऋण तक पहुंच उपलब्ध कराने हेतु नया ऋण उत्पाद डिज़ाइन किया है। विशेषकर स्वयं-सहायता समूहों से जुड़े एवं कृषि संबद्ध कार्यकलापों सहित विनिर्माण, व्यवसाय एवं सेवा क्षेत्र के व्यवसाय उद्यमों के आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी महिलाओं पर विशेष बल दिया जाता है। चयनित उधारकर्ताओं को प्रशिक्षण एवं सहयोग हेतु विश्व बैंक एवं यूएन विमन जुड़ी रहेंगी।

5. योनो कृषि सफल डेरी ऋण

योनो प्लेटफॉर्म पर पूर्व अनुमोदित एवं झंझट मुक्त ऋण सुविधा उपलब्ध है जो कारपोरेट्स के सहयोग से किसानों को डेरी फार्मिंग आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता करेगी।

6. कौशल ऋण योजना

यह उत्पाद लोगों को अपना कौशल बढ़ाने एवं जीवनस्तर में सुधार करने में मदद करता है। यह सभी के लिए अवसर प्रस्तुत करता है तथा समावेशी एवं समान गुणवत्ता की शिक्षा सुनिश्चित करती है।

7. एसबीआई ई-मुद्रा

एसबीआई ई-मुद्रा द्वारा सूक्ष्म उद्यमियों को उनके व्यवसाय से संबंधित आवश्यकताओं एवं रोज़गार सृजन संभावना बढ़ाने हेतु ₹50,000 का डिजिटल मियादी ऋण दिया जाता है। 31 मार्च 2022 तक इसके अंतर्गत ₹934 करोड़ रंपये से अधिक संस्वीकृत किए जा चुके हैं।

8. सतत योजना के तहत कंप्रेस्ड बायोगैस(सीबीजी)

किफायती परिवहन हेतु संवहनीय विकल्प (सतत) योजना के अंतर्गत एसबीआई सीबीजी संयंत्रों हेतु ऋण प्रदान करता है। यह योजना संवहनीय औद्योगीकरण के साथ-साथ बड़े-पैमाने पर रोज़गार सृजन करती है।

9. हरित कार ऋण

नियमित कार ऋण की तुलना में हरित कार ऋण द्वारा बैंक स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देता है तथा इसमें 8 वर्षों की लंबी चुकौती अवधि होती है तथा ब्याज दर पर 20 बीपीएस की छूट मिलती है।

10. एसएचजी वित्तपोषण

एसबीआई द्वारा एसएचजी को संवहनीय जीविकोपार्जन के सृजन हेतु निधि उपलब्ध कराई जाती है। अधिकतर एसएचजी में महिलाएं होती हैं, जो लैंगिक समानता सुनिश्चित करने में बैंक की मदद करती हैं।

11. पॉलीहाउस वित्तपोषण

अच्छा स्वास्थ्य एवं कुशलता, कोई भूखा न रहे, संवहनीय उपभोग एवं उत्पादन एवं जलवायु क्रिया के लक्ष्यों को बढ़ावा देने की दिशा में एसबीआई द्वारा उत्पादन बढ़ाने हेतु पॉलीहाउस खेती परियोजनाओं का वित्तपोषण किया जा रहा है।

12. सोलर फोटोवोल्टिक पंप सेट का वित्तपोषण

एसबीआई द्वारा पीएम कुसुम योजना के अनुरूप सोलर वाटर पंपिंग सेट खरीदने हेतु निधि उपलब्ध कराई जाती है, जिससे किसानों को संवहनीय जीविका उपलब्ध कराई जा सके एवं पर्यावरणीय फुटप्रिंट को कम किया जा सके।

13. ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सोलर पीवी प्रोजेक्ट

छोटे छत वाले वाणिज्यिक संस्थानों एवं व्यावसायिक बिल्डिंगों में अक्षय ऊर्जा को लोकप्रिय करने के उद्देश्य से, एसबीआई ने 31 मार्च 2022 तक ₹1089.52 करोड़ के रूफटॉप सोलर पीवी प्रोजेक्ट्स संस्वीकृत किए हैं।

14. हेल्थकेयर बिजनेस ऋण

छोटे शहरों एवं गांवों के निवासियों हेतु बेहतर हेल्थकेयर तक पहुंच की सुविधा हेतु, एसबीआई ने 31 मार्च 2022 तक 39.67 करोड़ रुपए के हेल्थकेयर बिजनेस ऋण संस्वीकृत किए।

15. आवास ऋण

एसबीआई अपने आवास ऋण के माध्यम से लोगों को मकान मालिक बनने के उनके सपने को पूरा करने में मदद करता है। उपलब्ध कराए गए आवास ऋणों में से 58.19% किफायती आवास ऋण होते हैं।

16. ई-रिक्शा योजना

एसबीआई ने ई-रिक्शा हेतु ₹12.06 करोड़ संस्वीकृत किए हैं जिससे स्वच्छ ईंधन के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा सके तथा पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को सुनिश्चित किया जा सके।.

हितधारकों से संवाद एवं प्रभावी विषयों का मूल्यांकन

एसबीआई का मानना है कि अपने हितधारकों के साथ सुदृढ़ दीर्घकालिक संबंध बनाए रखने के लिए उनके साथ नियमित एवं पारदर्शी संवाद बनाए रखना बहुत अहम है। बैंक के कार्यकलापों का असर विभिन्न हितधारकों जैसे कर्मचारी, निवेशक, ग्राहक, नियंत्रक निकाय, उद्योग संघ, विक्रेता, आपूर्तिकर्ता, एनजीओ भागीदार एवं समुदाय के सदस्यों पर पड़ता है।

हितधारकों के संपर्क और संवाद

एसबीआई अपने ग्राहकों के साथ संपर्क में रहने के लिए सक्रिय रूप से सोशल मीडिया का उपयोग करता है तथा विश्व के सभी बैंकों की तुलना में बैंक के फेसबुक में उच्चतम ग्लोबल फैनबेस है तथा ट्विटर पर सबसे अधिक फॉलोअर्स हैं। इसी के साथ भारत के सभी बैंकों की तुलना में बैंक के सबसे अधिक इंस्टाग्राम एवं लिंकडिन फॉलोअर्स हैं।

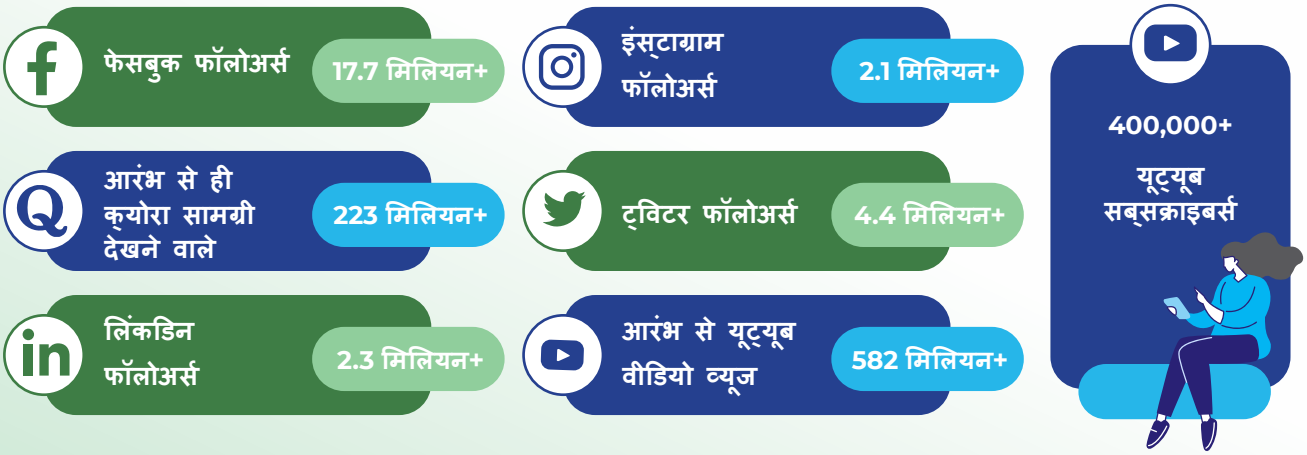

हितधारक जोड़ने की प्रक्रिया

पहचान

कारेपोरेट केंद्र संवहनीयता समिति के साथ चर्चा एवं संवाद के माध्यम से बैंक अपने हितधाकों की पहचान करता है।

प्राथमिकता

बैंक अपने हितधारकों की प्राथमिकता इस आधार पर तय करता है कि उनका एसबीआई के निर्णयों एवं कार्यकलापों पर कितना प्रभाव है।

संपर्क और संवाद

प्रमुख विषयों के निर्धारण हेतु बैंक विभिन्न चैनलों के माध्यम से अपने हितधारकों के साथ संपर्क और संवाद करता है।

अपेक्षाओं का ध्यान रखना

बैंक अपने हितधारकों के सरोकारों एवं अपेक्षाओं का ध्यान रखते हुए हितधारकों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करता है।

हितधारकों के सुझावों का उपयोग:

कर्मचारियों से संपर्क और संवाद, ग्राहक अनुभव, पर्यावरणीय प्रदर्शन एवं समुदाय को जोड़ने जैसे क्षेत्रों में निष्पादन बढ़ाना।

जारी प्रक्रियाओं को बेहतर करना

प्रत्येक हितधारक समूह एवं समाज के साथ संवाद बढ़ाना

निशक एवं शेयरधारक

संवाद का माध्यम

- वेबकास्ट एवं ऑडियो कॉल
- निवेशक कॉन्फ्रेंस

संपर्क/संवाद का अंतराल

- बार-बार

चर्चा के विषय

- लाभांश की घोषणा
- दावा-संबंधी चिंताएं

एसबीआई का जवाब निम्न बिंदु में कवर है

वित्तीय पूंजी प्रबंधन

GRI 102-40, GRI 102-42, GRI 102-43, GRI 102-44

ग्राहक

संपर्क/संवाद का माध्यम

- ऑनलाइन और ऑफलाइन फीडबैक प्रणाली
- डिजिटल समावेशन के लिए कदम
- ग्राहक संतुष्टि सर्वे

संपर्क/संवाद का अंतराल

- बार-बार

चर्चा के विषय

- बेहतर ग्राहक सेवा
- टर्नअराउंड टाइम में कमी
- उत्पाद जागरूकता हेतु ग्राहकों से जुड़ना
- वित्तीय साक्षरता कैंप
- डिजिटल बैंकिंग के बारे में अधिक जागरुकता

एसबीआई का जवाब निम्न बिंदु में कवर है

सामाजिक और संबंध पूंजी प्रबंधन

नियामक निकाय

संपर्क/संवाद का माध्यम

- आदेश या नियमों पर चर्चा हेतु बैठकें

संपर्क/संवाद का अंतराल

- बार-बार

चर्चा के विषय

सार्वजनिक नीति के विकास के लिए परामर्श और प्रतिक्रिया

एसबीआई का जवाब निम्न बिंदु में कवर है

नैतिक आचरण के प्रति प्रतिबद्धता

उद्योग संघ

संपर्क/संवाद का माध्यम

- व्यापार और उद्योग कार्यक्रमों के दौरान भागीदारी और चर्चा
- कार्यक्रमों के लिए उद्योग संघों के साथ साझेदारी
- उद्योग और एसोसिएशन प्रमुखों के साथ नियमित बातचीत

संपर्क/संवाद का अंतराल

- बार-बार

चर्चा के विषय

नीति समर्थन के लिए सहयोग

एसबीआई का जवाब निम्न बिंदु में कवर है

साझा मूल्य सृजन के लिए दृष्टिकोण

GRI 102-40, GRI 102-43, GRI 102-44

एनजीओ एवं समुदाय सदस्य

संपर्क/संवाद का माध्यम

- परियोजना आकलन समीक्षा
- परियोजनाओं का संयुक्त निष्पादन
- समाज कल्याण कार्यक्रम
- समुदाय के नेताओं के साथ बैठक

संपर्क/संवाद का अंतराल

बार-बार

चर्चा के विषय

- हस्तक्षेप के नए क्षेत्र
- कर्मचारियों की सहभागिता में वृद्धि

एसबीआई का जवाब निम्न बिंदु में कवर है

सामाजिक और संबंध पूंजी प्रबंधन

विक्रेता एवं आपूर्तिकर्ता

संपर्क/संवाद का माध्यम

- विक्रेताओं के साथ बैठक
- शिकायत समाधान

संपर्क/संवाद का अंतराल

बार-बार

चर्चा के विषय

- समय-पर भुगतान
- मानक खरीद प्रक्रिया

एसबीआई का जवाब निम्न बिंदु में कवर है

साझा मूल्य सृजन के लिए दृष्टिकोण, सामाजिक और संबंध पूंजी प्रबंधन

कर्मचारी

संपर्क/संवाद का माध्यम

- प्रबंधन के साथ नियमित बैठकें
- मूल्यांकन प्रक्रिया
- ऑनलाइन सर्वेक्षण

संपर्क/संवाद का अंतराल

बार-बार

चर्चा के विषय

- कैरियर में प्रगति
- पेशेवर विकास की संभावनाएं
- कर्मचारी कल्याण योजनाएं
- प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं

एसबीआई का जवाब निम्न बिंदु में कवर है

मानव पूंजी प्रबंधन

जो हितधारक अपनी उम्र, लिंग, वंश, व्यवसाय या योग्यता के कारण कमजोर और वंचित हैं, बैंक द्वारा उनके कल्याण को सुनिश्चित करने हेतु उपाय किए जाते हैं।

GRI 102-40, GRI 102-43, GRI 102-44

8वां बैंकिंग एंड इकनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2021

एसबीआई बैंकिंग एवं इक्नॉमिक कॉन्क्लेव के 8 वें भाग की थीम 'कोविड के बाद की दुनिया में आर्थिक सुधार की रूपरेखा' रखी गई थी। इस दो दिवसीय सम्मेलन में नीति निर्माताओं, नियामकों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के संबोधन और प्रतिष्ठित पैनलिस्टों द्वारा चर्चा की गई।

एसबीआई-पीएचडीसीसीआई उद्योग गोलमेज बैठक

एसबीआई ने कोविड-19 महामारी से प्रभावित लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) की मदद के लिए अमृतसर में एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। व्यापार पारितंत्र के सुदृढ़ीकरण पर विचार-विमर्श हेतु एसबीआई-पीएचडीसीसीआई उद्योग गोलमेज बैठक में विभिन्न प्रमुख नीति-निर्माताओं ने भाग लिया।

ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि हेतु सहभागिता

वित्त वर्ष 2021-22 में, एसबीआई ने ग्राहक सेवा पर विविध दृष्टिकोणों को समझने के लिए 'Customer Centricity - Achieving the Strategic Advantage ' और 'Institutionalisation of Customer Service Excellence' पर दो वर्चुअल पैनल चर्चा भी की। प्रमुख बिंदुओं और निष्कर्षों को बैंक के संबंधित परिचालन अधिकारियों के साथ साझा किया गया, जो निरंतर सुधार के बैंक उद्देश्यों के अनुरूप है।

प्रभावकारी कारकों का मूल्यांकन

यह कार्य बैंक के लिए पक्षपात रहित तरीके से प्रभावी कारकों की पहचान करना एवं प्राथमिकताएं तय करने हेतु किया जाता है। चिन्हित प्रभावी विषय इस रिपोर्ट की सामग्री में परिलक्षित होते हैं, तथा यह जीआरआई मानकों के अनुसार हैं। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान प्रभावी विषयों की निरंतर प्रासंगिकता हेतु सीसीएससी द्वारा उनकी समीक्षा की गई है। रिपोर्टिंग वर्ष में कुछ भी न तो जोड़ा गया है और न ही कोई संशोधन किया गया है।

1. पहचान करना: आंतरिक एवं बाहरी स्रोतों, पीयर बेंचमार्क, जीआरआई मानकों तथा वैश्विक जोखिमों एवं अवसरों पर शोध का प्रयोग कर प्रासंगिक विषयों की पहचान करना।

2. मूल्यांकन: प्रभावी विषयों की रैंकिंग हेतु विकसित व्यापक पद्धति का प्रयोग कर बैंक के प्राथमिक हितधारकों से संवाद/संपर्क के माध्यम से प्राप्त फीडबैक के आधार पर प्रभावी मुद्दों की छंटनी करना।

3. प्राथमिकता तय करना: सीसीएससी द्वारा शीर्ष रैंकिंग वाले प्रभावकारी विषयों का मूल्यांकन करके मंजूरी दी गई।

प्राथमिकता वाले प्रभावकारी विषय

1. ग्राहक संतुष्टि
   - गैर-जीआरआई विषय
   - 103
   - बाहरी

2. कर्मचारी स्वास्थ्य एवं कल्याण
   - व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा
   - 103, 403-8
   - आंतरिक

3. संवहनीय व्यवसाय रणनीति
   - रणनीति, अभिशासन
   - 102-14, 102-15, 102-26
   - आंतरिक और बाहरी

4. डाटा सुरक्षा एवं ग्राहक निजता
   - ग्राहक निजता
   - 103, 418-1
   - आंतरिक और बाहरी

5. प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन
   - उर्जा
   - 103. 302-1, 302-2, 302-4, 302-5
   - आंतरिक और बाहरी

6. नैतिक कारोबारी प्रणालियां
   - नैतिकता एवं सत्यनिष्ठा
   - 103
   - आंतरिक

7. संवहनीयता पर हितधारकों में जागरूकता
   - गैर-जीआरआई विषय
   - 103
   - आंतरिक और बाहरी

8. नवोन्मेषी उत्पाद एवं सेवाएं
   - आर्थिक प्रदर्शन, अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव, ऊर्जा
   - 103, 201-1, 203-2, 302-5
   - आंतरिक और बाहरी

9. ब्रांड एवं प्रतिष्ठा प्रबंधन
   - नैतिकता एवं सत्यनिष्ठा, आर्थिक प्रदर्शन, अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव, स्थानीय समुदाय
   - 103, 102-16, 102-17, 201-1. 203-2. 413-1
   - आंतरिक

10. सकारात्मक पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभाव वाले उत्पाद
    - उर्जा
    - 103, 302-5
    - बाहरी

11. कर्मचारियों से संवाद एवं संपर्क
    - प्रशिक्षण एवं शिक्षा, विविधता एवं समान अवसर, भेदभाव रहित
    - 103, 404-1, 404-2, 405-1, 406-1
    - आंतरिक

GRI 102-44, GRI 102-47, GRI 102-49, GRI 103-1 (All material topics)
GRI 103-3 (All material topics)

आजादी का अमृत महोत्सव (AKAM)

भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष को मनाने के लिए एसबीआई ने राष्ट्र के लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के शानदार इतिहास को दर्शाने वाले समारोह 'आजादी का अमृत महोत्सव' में हिस्सा लिया। इस एतिहासिक उपलब्धि को मनाने के लिए, बैंक ने अपने हितधारकों के साथ मिलकर कई पहल और कार्यकलापों का आरंभ किया है, ताकि भारत 2.0, एक आत्मनिर्भर भारत को आकार देने वाले व्यक्तियों को श्रृद्धांजलि दी जा सके।

एसबीआई द्वारा भी 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के रूप में ग्राहक बैठकें,कर्मचारी भागीदारी कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान और सीएसआर पहल जैसे कई कार्यकलापों का आयोजन किया गया। बैंक द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई, जिससे बैंक के हितधारकों के बीच राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा मिला।

Donated By
STATE BANK OF INDIA

SBI

वित्तीय पूंजी प्रबंधन

अपने परिचालन एवं कार्यकलापों का पर्यावरण एवं समाज पर पड़ने वाले प्रभाव को महसूस करते हुए, एसबीआई के पास समाज के लिए मूल्य सृजन करने एवं संवहनीय विकास सुनिश्चित करने की एक स्पष्ट एवं सुसंगत रणनीति है। बैंक इस तरह से आर्थिक मूल्य प्रदान करने का प्रयास करता है जो जिम्मेदार और समावेशी हो।

एसबीआई का आर्थिक प्रदर्शन (रु करोड़ में)	वित्तवर्ष 2021-22	वित्तवर्ष 2020-21	वित्तवर्ष 2019-20
सृजित आर्थिक मूल्य			
कुल आय	3,16,021	3,08,647	3,02,545
वितरित आर्थिक मूल्य			
परिचालन लागत (कर्मचारी वेतन एवं लाभ के अलावा)	35,836	31,716	29,459
कर्मचारियों का वेतन एवं लाभ	50,144	50,936	45,715
पूंजी प्रदाताओं को भुगतान	6,336	3,570	शून्य
सरकार को भुगतान (कारपोरेट आयकर मद में शुद्ध नकद भुगतान)	3,529	151	12,086
समुदाय पर निवेश	**204**	**145**	**28**
कुल वितरित आर्थिक मूल्य	**96,049**	**86,518**	**87,288**
कुल प्रतिधारित आर्थिक मूल्य	**2,19,972**	**2,22,129**	**2,15,257**

GRI 102-7, GRI 103-1, GRI 103-2 (Economic Performance), GRI 201-1

हमारी पेशकश

एसबीआई की हमेशा यह कोशिश रहती है कि उनके उत्पाद ग्राहक की उम्मीदों के अनुरूप हों, तथा औपचारिक वित्तीय क्षेत्र में जुड़ने वाले लोगों की बढ़ती संख्या की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए बैंक प्रयत्नों के साथ, ऐसे प्रयासों के कारण समय के साथ बैंक के समग्र प्रदर्शन में सुधार हुआ है।

जमाराशियां

कोविड के बाद रिकवरी के साथ-साथ बैंक की ग्राहक केंद्रित पहल के कारण रिपोर्टिंग अवधि में एसबीआई की घरेलू और विदेशी जमाराशियों में आशाजनक वृद्धि दर्ज की गई, जो कि क्रमशः 9.8 प्रतिशत और 18.20 प्रतिशत की वृद्धि रही है।

घरेलू जमाराशियों का तीन वर्ष का प्रदर्शन

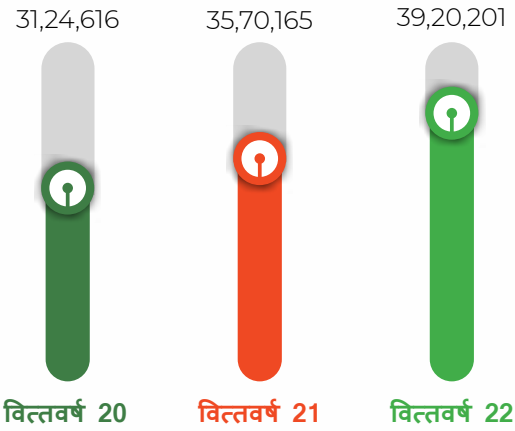

राशि (₹करोड़ में)

विदेश स्थित कार्यालयों की जमाराशियों का तीन वर्ष का प्रदर्शन

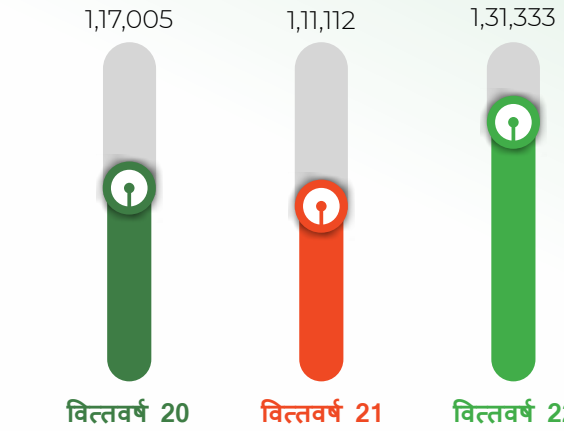

राशि (₹करोड़ में)

अग्रिम

कुछ निश्चित ब्याज के साथ ऋण की भावी अदायगी के बदले में अग्रिम दिया जाता है। एसबीआई ने अपने ग्राहकों को कई प्रकार के ऋण और प्रस्ताव दिए हैं, तथा साथ ही विभिन्न प्रकार के चुकौती विकल्प भी उपलब्ध कराए हैं।

घरेलू अग्रिमों का तीन वर्ष का प्रदर्शन

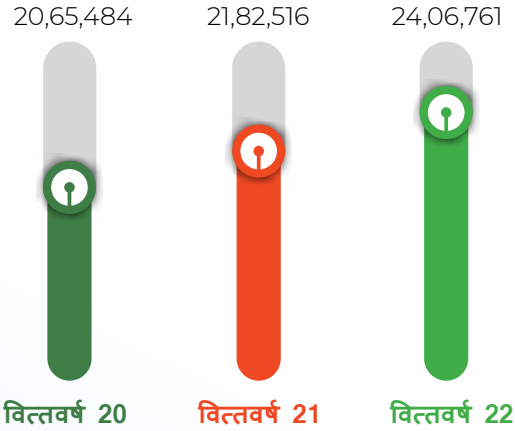

राशि (₹करोड़ में)

विदेश स्थित कार्यालयों के अग्रिमों का तीन वर्ष का प्रदर्शन

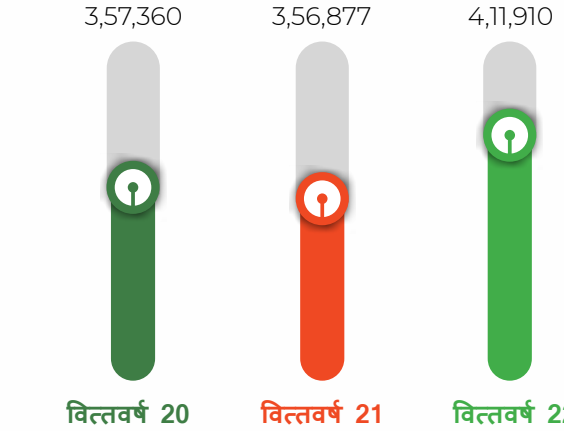

राशि (₹करोड़ में)

ऋण संबंधी प्रमुख पेशकश

बैंक की ऋण वितरण प्रक्रिया, उसे प्राप्त होने वाले आवदेनों को पक्षपात रहित और पारदर्शी तरीके से जांच और समीक्षा पर आधारित है। बैंक निरंतर ग्राहकों की बदलती मांगों और आवश्यकताओं के अनुरूप पेशकश विकसित करके ग्राहक अनुभव में सुधार करने का प्रयास करता है।

वाहन ऋण

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, वाहन ऋण सेग्मेंट में एसबीआई के मार्केट शेयर में 19.46% की वृद्धि दर्ज की गई है।

बैंक द्वारा हरित कार ऋण योजना भी आरंभ की गई है, जिसके माध्यम से ग्राहकों को इलेक्ट्रिक वाहन क्रय करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा इसके लिए कम ब्याज दरों पर 8 वर्षों तक की लंबी चुकौती अवधि का ऋण दिया जा रहा है।

वाहन ऋण का तीन वर्षों का प्रदर्शन

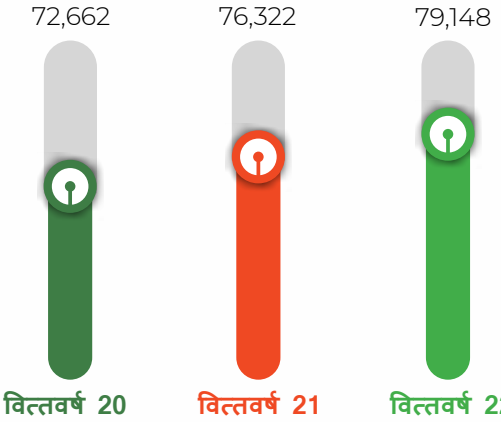

राशि (₹करोड़ में)

एसबीआई का कार ऋण मार्केट शेयर वित्तवर्ष 2020-21 के 16.5% की तुलना में इस वर्ष बढ़कर 19.46% हो गया है।

शिक्षा ऋण

शिक्षा का वित्तपोषण करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सतत विकास लक्ष्य पर प्रगति के साथ-साथ एक समुदाय को उत्पादक एवं संसाधनपूर्ण मानव पूंजी के साथ सशक्त बनाया जा सकता है। मानव पूंजी विकास और आर्थिक विकास के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंच के महत्व को ध्यान में रखते हुए, एसबीआई का मानना है कि युवाओं को आवश्यक शिक्षा के साथ सशक्त बनाने के रास्ते में वित्तीय पूंजी की कमी रुकावट नहीं बननी चाहिए। इस वर्ष बैंक ने 76,301 छात्रों को ₹10,291 करोड़ रुपये का वित्तीय सहयोग प्रदान कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के उनके सपनों को पूरा करने में मदद की है।

शिक्षा ऋण का तीन वर्षों का प्रदर्शन

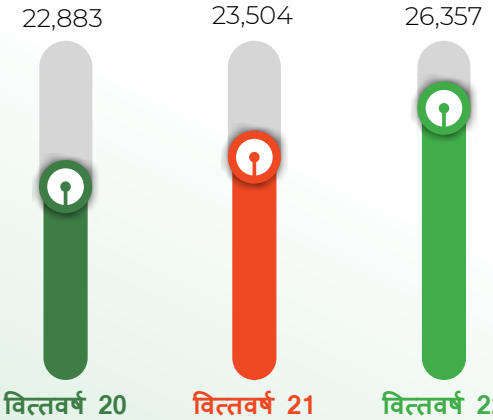

राशि (₹करोड़ में)

शिक्षा ऋण लाभार्थी	वित्तवर्ष 2021-22 में प्रदत्त कुल ऋण का मूल्य (₹ करोड़ में)	वित्तवर्ष 2021-22 में लाभार्थियों की संख्या
छात्राएं	3,834	30,515
अनुसूचित जाति (अजा)	148	1,548
अनुसूचित जनजाति (अजजा)	47	498
अन्य पिछड़ा वर्ग (अपिव)	511	5,606
अल्पसंख्यक	1,174	9,004

वैयक्तिक ऋण

वित्तवर्ष 2021-22 में एसबीआई ने 33.69 लाख ग्राहकों को ₹1,60,689 करोड़ मूल्य का वैयक्तिक ऋण (एक्सप्रेस क्रेडिट एवं वैयक्तिक ऋण) प्रदान किया तथा इससे बैंक का वैयक्तिक ऋण पोर्टफोलियो ₹2,85,998 करोड़ का हो गया है। बैंक ने अपने वैयक्तिक ऋण ग्राहकों को ऋण प्रदान करने हेतु डिजिटल प्लेटफॉर्म, योनो को गति प्रदान की है तथा वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान ₹20,000 करोड़ के ऋण वितरित किए गए।

कोविड-19 महामारी से निपटने में देश का सहयोग करने के लिए, एसबीआई ने कोविड-19 के इलाज को सुविधाजनक बनाने के लिए वित्त वर्ष 2020-21 में कवच वैयक्तिक ऋण शुरू किया।

वैयक्तिक ऋण का तीन वर्षों का प्रदर्शन

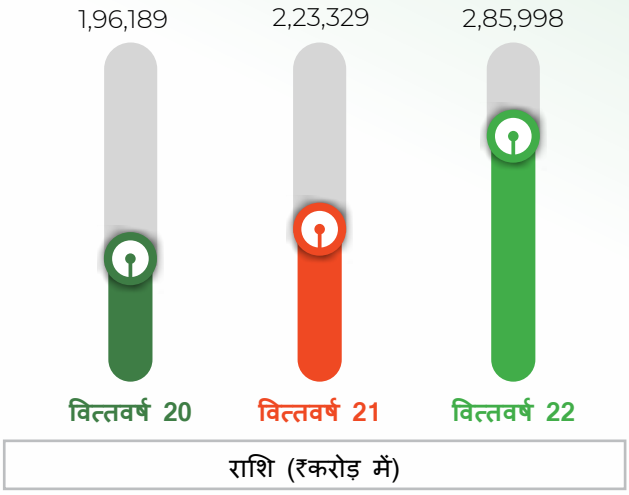

रियल एस्टेट एवं आवास ऋण

किफायती आवास योजनाओं तक आसान पहुंच बनाने और आवास ऋण कारोबार में एसबीआई की बाजार हिस्सेदारी का विस्तार करने के लिए ग्राहकों के बीच व्यापक रूप से इन-हाउस संपर्क रहित डिजिटल प्लेटफार्मों को बढ़ावा दिया गया है। वितरित किए गए आवास ऋण में से 58.19% किफायती आवास ऋण थे।

रियल एस्टेट एवं आवास ऋण का तीन वर्षों का प्रदर्शन

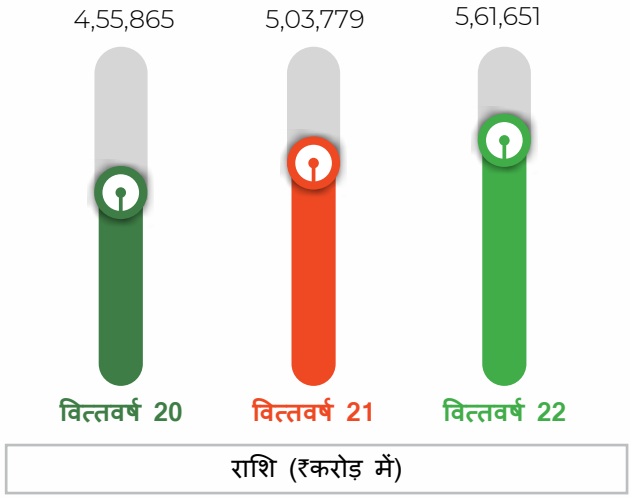

उद्यमिता को प्रोत्साहन

प्राथमिकता क्षेत्र के ऋण पर आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुरूप कवर किए गए क्षेत्रों पर काम करने वाले स्टार्ट-अप्स को एसबीआई द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है। यह भारत सरकार की स्टार्ट-अप कार्य योजना (एसएपी) का समर्थन करता है, जो कि बेरोजगारी और पहली पीढ़ी के उद्यमियों को प्रोत्साहित करने, और एमएसएमई, कृषि एवं इससे संबंधित कार्यकलापों को धन प्रदान करने जैसे मुद्दों से संबंधित है।

स्टैंड-अप इंडिया

एसबीआई का उद्देश्य भारत सरकार की स्टैंड-अप इंडिया पहल के साथ जुड़कर एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना जो महिलाओं और अनुसूचित जाति और जनजातियों जैसे वंचित समूहों द्वारा उद्यमिता के लिए अनुकूल हो।

एसएमई के लिए सहयोग

एसएमई भारत के विनिर्माण, रोजगार सृजन और निर्यात को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, इसीलिए वे बैंक व्यवसाय हेतु महत्वपूर्ण हैं। एसबीआई ने एसएमई अग्रिमों को बढ़ाने एवं सरल उपलब्धता के लिए ई-मुद्रा एप्लीकेशन विकसित किया है। इस एप्लिकेशन से मुद्रा ऋण (शिशु श्रेणी) के सभी मानदंडों का अनुपालन करते हुए ₹ 50,000 तक के ऋणों के मूल्यांकन, मंजूरी और वितरण की सुविधा मिलती है।

एसएमई अग्रिमों का तीन वर्षों का प्रदर्शन

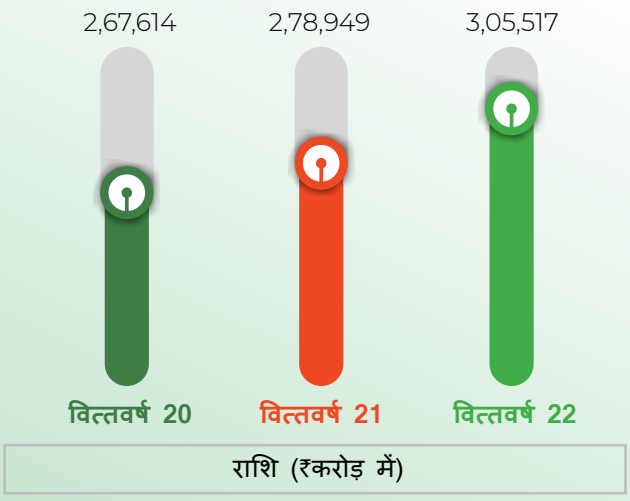

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, सूक्ष्म उद्यमों के वित्तपोषण के लिए ई-मुद्रा योजना के अंतर्गत ₹ 562 करोड़ के कुल 1,24,763 ऋण वितरित किए गए।

ग्रामीण बैंकिंग एवं वित्तीय समावेशन

ग्रामीण बैंकिंग

ग्रामीण उत्थान और सशक्तिकरण देश की प्रगति और विकास के लिए महत्वपूर्ण है। एसबीआई की देश भर में लगभग 8,000 ग्रामीण शाखाएं हैं, साथ ही 14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) का व्यापक नेटवर्क भी है। देश के 217 जिलों में फैले इन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति और उपयोगकर्ता आधार के कारण बैंक को एक शक्तिशाली प्रतिस्पर्धी बढ़त दी है।

कृषि व्यवसाय

एसबीआई ने कृषि उद्योग को ऋण सहायता प्रदान करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, कोविड-19 महामारी से प्रभावित अवधि में उधारकर्ताओं की आपातकालीन मांगों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त ऋण व्यवस्थाओं की सुविधा देते हुए किसानों का समर्थन किया है। इस क्षेत्र की मदद करने के लिए, बैंक ने एक ब्याज आस्थगन सुविधा जारी की और ईएमआई और सावधि ऋण किस्तों पर अधिस्थगन की अवधि बढ़ा दी।

इसके अलावा, एसबीआई कृषि समुदाय के साथ विश्व मृदा दिवस और किसान दिवस मना रहा है और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के उपायों के बारे में जागरूकता फैला रहा है। रिपोर्टिंग अवधि में, इसने 44 किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) को संवहनीय कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए अपने साथ शामिल किया।

एसबीआई के अधिकारियों ने कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, हैदराबाद के छात्रों के साथ विश्व मृदा दिवस मनाया

कृषि अग्रिम

(₹ करोड़ में)	वित्तवर्ष 2021-22	वित्तवर्ष 2020-21	वित्तवर्ष 2019-20
कुल कृषि अग्रिम	2,28,229	2,14,151	2,06,067
वर्षानुवर्ष वृद्धि	14,078	8,084	3,386
% वर्षानुवर्ष वृद्धि	6.57	3.92	1.67

कृषि व्यवसाय में विकास को गति देने हेतु बैंक का 'रूपांतर सम्मेलन' परिवर्तनकारी रणनीतियों को तैयार करने का एक मंच था

वित्तीय समावेशन एवं सरकारी योजनाओं में योगदान

वंचित लोगों को औपचारिक ऋण और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान करना उन्हें शोषण से बचाता है, जिससे वे गरीबी के चक्र से मुक्त हो जाते हैं। एसबीआई समाज की सबसे कमजोर आबादी का उत्थान करके समावेशी विकास और सामाजिक समरसता को बढ़ावा दे रहा है।

एसबीआई के प्रधानमंत्री स्वनिधि ऋणों ने महामारी के दौरान कई स्ट्रीट वेंडरों की आजीविका में मदद की है। वित्त वर्ष 2021-22 में बैंक ने स्ट्रीट वेंडर्स को 406 करोड़ रुपये के 3,48,041 ऋण वितरित किए हैं।

बैंक ने वित्तीय समावेशन (एफआई) पहल की एक श्रृंखला भी आरंभ की है, जो समाज के विभिन्न वर्गों के समावेशी विकास और ग्राहक आउटरीच के अपने बैंक प्रयास को मूर्त रूप देता है। यह प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई), पीएम किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) जैसी राष्ट्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन में भी सक्रिय भूमिका निभाता है।

वर्ष के दौरान एसबीआई ने उत्तोलन नामक एक वित्तीय समावेशन सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मौजूदा उत्पादों में सुधार के क्षेत्रों और वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के लिए नए उत्पादों पर चर्चा की गई।

सरकारी योजनाओं में योगदान (करोड़ में)	31 मार्च 2022 को
पीएमजेडीवाई खाते	13.32
पीएमजेडीवाई जमाराशियां	₹43,222
पीएमजेजेबीवाई नामांकन	2.87
पीएमएसबीवाई नामांकन	7.73
एपीवाई नामांकन	0.88

माइक्रो क्रेडिट (एसएचजी-बैंक लिंकेज)

एसबीआई ने स्वयं सहायता समूहों को ऋण देने के लिए राष्ट्रीय और राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों के साथ मिलकर काम कर रहा है, जिससे सदस्यगण कमाई करके अपनी आवास और शिक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। एसबीआई ने 31 मार्च 2022 तक 8.71 लाख समूहों को जोड़कर बैंकिंग क्षेत्र में एसएचजी-क्रेडिट लिंकेज में सबसे अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। इन समूहों के 85 लाख सदस्य महिला उद्यमी थीं, जो अपने कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही हैं।

एसबीआई को ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एसएचजी बैंक लिंकेज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बैंकों के रूप में चुना गया

GRI 103-1, GRI 103-2 (Indirect Economic Impacts), GRI 203-2

ग्राहक सेवा केंद्र

एसबीआई के पास बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) और ग्राहक सेवा केंद्रों (सीएसपी) का एक विशाल नेटवर्क है, जिसके माध्यम से यह देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करता है। 31 मार्च 2022 तक एसबीआई के पास 68,016 सीएसपी हैं जो 26 से अधिक उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हैं। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान बीसी और सीएसपी से 25 लाख लेनदेन प्रतिदिन की औसत से ₹2,52,470 करोड़ रुपये के 58.78 करोड़ से अधिक लेनदेन दर्ज किए गए।

ग्राहक सेवा को बढ़ाने के उद्देश्य से, शाखा कर्मियों के लिए एक कैप्सूल प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाया गया था। देश भर में अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को सीएसपी खाता सुविधाओं की व्यापक जानकारी प्रदान की गई।

वित्तीय साक्षरता

लोगों को गरीबी से उबारने और समृद्धि लाने हेतु जागरूकता फैलाने के लिए एसबीआई ने 341 वित्तीय साक्षरता केंद्र स्थापित किए हैं, जिसके माध्यम से वित्त वर्ष 2021-22 में 17,869 साक्षरता शिविर आयोजित किए गए एवं 8.11 लाख प्रतिभागी लाभान्वित हुए। एसबीआई के ब्लॉक स्तर पर 230 वित्तीय साक्षरता केंद्र हैं।

ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई)

आरएसईटीआई को कौशल विकास और प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण युवाओं के सशक्तीकरण का काम सौंपा गया है, जिससे स्थायी जीविकोपार्जन का साधन तैयार किया जा सके। 31 मार्च 2022 तक एसबीआई ने 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 152 आरएसईटीआई को प्रायोजित किया है। इनमें से 53 देश भर के महत्वाकांक्षी जिलों के रूप में चिन्हित जिलों में हैं। रिपोर्टिंग अवधि में आरएसईटीआई ने ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित वार्षिक प्रशिक्षण लक्ष्यों का 105 प्रतिशत हासिल कर लिया है।

भारत में बड़ी संख्या में युवा जनसंख्या है, उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाना देश के आर्थिक विकास के लिए सहायक है। बैंक, देश भर में 152 आरएसईटीआई के माध्यम से, बेहतर अवसरों तक पहुंच के लिए क्षमता निर्माण में मदद करने के लिए ग्रामीण गरीबों के बीच रोजगार में सुधार की दिशा में काम करता है। रिपोर्टिंग अवधि में, एसबीआई ने इन संस्थानों में से 29 में बुनियादी ढांचे में सुधार और उन्नयन के लिए ₹27.86 करोड़ की राशि आवंटित की है।

एसबीआई आर-सेटी का असर	वित्त वर्ष 2021-22	31 मार्च 2022 तक संचयी
आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	2,834	35,377
प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या	76,520	9,46,059
प्रशिक्षित महिला उम्मीदवारों की संख्या	62,799	6,31,842
नियोजित उम्मीदवारों की संख्या	62,997	6,81,160

आर.एस.ई.टी.आई. कार्यक्रमों के प्रशिक्षुओं का सम्मान।

आर.एस.ई.टी.आई. की सफलता की कहानियाँ

मुर्गीपालन फार्म

प्रशिक्षु का नाम : सौरभ नेगी

आर.एस.ई.टी.आई. : रुद्रप्रयाग, दिल्ली मंडल

अपने क्षेत्र में मुर्गीपालन फर्म उपलब्ध नहीं होने के कारण, सौरभ ने मुर्गीपालन फार्मिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश लिया और क्षेत्र में एक फर्म शुरू किया। उन्होंने एस.बी.आई. की रुद्रप्रयाग शाखा से ₹5,00,000 की वित्तीय सहायता ली। उन्होंने 650 चूज़ों के साथ अपना व्यवसाय शुरू किया और वर्तमान में उनकी प्रति माह आय ₹40,000 है।

फास्ट फूड

प्रशिक्षु का नाम : विजी जॉय

आर.एस.ई.टी.आई. : पथनमथीट्टा, थिरूववनंथपुरम मंडल

विजी ने मायलाप्रा में अपना व्यवसाय 'ड्रीम स्टार स्नैक्स एंड बेकर्स' शुरू किया। मासिक बिक्री ₹6,00,000 तक पहुँचने के साथ, वे ₹50,000 प्रति माह का लाभ कमाती हैं और पथनमथिट्टा के ज़िला मजिस्ट्रेट द्वारा उन्हें सर्वश्रेष्ठ उद्यमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

एम्ब्रॉयडरी एवं फैब्रिक पेंटिंग

प्रशिक्षु का नाम : सी. नरेंद्रकुमारी

आर.एस.ई.टी.आई. : हसनपर्ती, हैदराबाद मंडल

सी. नरेंद्रकुमारी को आर.एस.ई.टी.आई. के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में जानकारी मिली और उन्होंने स्वयं को नामांकित किया। एस.बी.आई. एटूरूनगरम शाखा से ₹1,00,000 की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के बाद, वे अब अपने चित्रों के माध्यम से लगभग ₹40,000 कमाने में सक्षम हैं और उन्होंने अपने व्यवसाय में दो लोगों को रोज़गार भी दिया है।

प्राकृतिक पूंजी प्रबंधन

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पहले से कहीं अधिक स्पष्ट होते जा रहे हैं, जिससे पर्यावरणीय जोखिम सामने आ रहे हैं। विश्व आर्थिक मंच द्वारा प्रस्तुत वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2022 में पाया गया कि अगले दशक में जलवायु कार्रवाई की विफलता, अतिविषम मौसम की घटनाओं और जैव विविधता हानि की सबसे गंभीर जोखिमों का सामना करने वाली स्थितियाँ होने का अनुमान है।

प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण सदैव एस.बी.आई. की प्राथमिकता रही है, जो कि संवहनीयता के बैंक के मूल मूल्यों में से एक होने के रूप में भी परिलक्षित होता है। तथापि, जलवायु संबंधी जोखिमों और अवसरों के प्रकट होने से बैंक के प्राकृतिक पूंजी प्रबंधन को सुदृढ़ और नियमित करने के प्रयासों को और बल मिला है।

एक उत्तरदायी निवेशक बनने के प्रयासों के अलावा, बैंक डिजिटल पेशकशों को सदृढ़ बनाकर और जलवायु संबंधी जोखिमों का प्रबंधन करके अपने विद्यमान संसाधन संरक्षण प्रयासों को तेज़ी से बढ़ा रहा है।

जलवायु संबंधी वित्तीय प्रकटीकरण

कम कार्बन और जलवायु-अनुकूल भविष्य की ओर मार्गस्थ होने की आवश्यकता तेज़ी से स्पष्ट हो गई है, जिससे कॉरपोरेट कार्रवाई अनिवार्य हो गई है। जलवायु कार्रवाई की तात्कालिकता का संज्ञान लेते हुए, बैंक ने वित्त वर्ष 2021-22 में अपनी जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन नीति बनाई है। इस नीति कथन का उद्देश्य प्रमुख जोखिमों और अवसरों की पहचान करके, एस.बी.आई. के परिचालन में उनके महत्व को एकीकृत करके तथा भविष्य की तैयारी और हितधारक संबंधों को बढ़ाने में सहायता करके जलवायु संबंधी चिंताओं को दूर करना है।

प्रभावी जलवायु जोखिम प्रबंधन को सुगम बनाने के लिए, बैंक ने नीति के भाग के रूप में एक स्पष्ट शासन संरचना और निगरानी तंत्र को परिभाषित किया है। पहचाने गए जलवायु-संबंधी जोखिमों के प्रति इसका एक्सपोज़र, इसके प्रमुख संविभागों के संबद्ध एक्सपोज़र और अनुकूलन व शमन के दृष्टिकोण से उन्हें प्रबंधित करने में हुई प्रगति को एस.बी.आई. के वरिष्ठ प्रबंधन और बोर्ड को नियमित रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

एस.बी.आई. अतिविषम मौसम की घटनाओं और जलवायु के स्वरूपों में दीर्घकालिक परिवर्तनों के कारण उत्पन्न होने वाले भौतिक जोखिमों की पहचान करने के लिए कार्य करेगा। इसी तरह, मार्गस्थ जोखिमों के लिए शमन रणनीतियों की पहचान और विकास भी किया जाएगा, जो व्यापार परिदृश्य के कम-कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तित होने पर हो सकते हैं।

यह जोखिम प्रबंधन रणनीतियाँ तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा, साथ ही उन प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने में भी सहायता करेगा, जहाँ अतिरिक्त ऋण दिया जाना एक बेहतर ग्रह के बैंक के उद्देश्य के साथ संरेखित होगा। बैंक के वित्तीय प्रदर्शन और स्थिति पर इन जोखिमों और अवसरों के प्रभावों को समझने से बैंक को भविष्य में अपनी जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन रणनीति बढ़ाने में मदद मिलेगी।

समय से जुड़ी अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के परिमाण को स्वीकार करते हुए, बैंक भविष्य में परिदृश्य विश्लेषण और तनाव परीक्षण जैसे लीवरेजिंग टूल्स का भी पता लगाएगा। इस अध्याय में बाद में उल्लिखित ग्रीनहाउस गैस (जी.एच.जी.) उत्सर्जन डेटा के अलावा, बैंक की रणनीति और जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं के अनुरूप इन जोखिमों और अवसरों का आकलन करने के लिए मेट्रिक्स भी विकसित किए जाएँगे।

एस.बी.आई. द्वारा वित्तपोषित समूह द्वारा आंध्र प्रदेश में स्थापित पवन चक्कियाँ।

बैंक द्वारा वित्तपोषित कुछ अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के दृश्य।

एस.बी.आई. के पर्यावरणीय प्रभाव का प्रबंधन

किसी भी वित्तीय संस्थान के लिए अपने निवेश के पर्यावरणीय प्रभाव के प्रबंधन के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। हालांकि, स्वामित्व वाली सुविधाओं की दक्षता का प्रबंधन करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से एस.बी.आई. जैसे बड़े स्तर के बैंक के लिए। इसका संज्ञान लेते हुए बैंक ने अपने सभी भवनों में ऊर्जा दक्षता, संसाधन संरक्षण और कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास करने का निर्देश दिया है। एस.बी.आई. को यह उल्लेख करते हुए गर्व हो रहा है कि ये कार्य बैंक के 18 प्रतिष्ठानों में पूर्ण हो चुके हैं और इन्हें भारतीय हरित भवन परिषद द्वारा हरित भवन (ग्रीन बिल्डिंग) के रूप में प्रमाणित किया गया है।

ऊर्जा प्रबंधन

ऊर्जा संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन पर्यावरण पदचिन्ह को कम करने के एस.बी.आई. के प्रयासों का एक प्रमुख स्तंभ है। यह न केवल 2030 तक कार्बन न्यूट्रल बनने की बैंक की प्रतिबद्धता का अभिन्न अंग है, बल्कि जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने, व्यापार में अनुकूलता और लागत दक्षता बढ़ाने में भी मदद कर रहा है।

बैंक ने मुंबई में कॉरपोरेट केंद्र और ग्लोबल आईटी सेंटर और 17 स्थानीय प्रधान कार्यालयों सहित विभिन्न परिसरों में सौर या पवन ऊर्जा का उपयोग करते हुए, अपने ऊर्जा मिश्रण में अक्षय स्रोतों की हिस्सेदारी में लगातार वृद्धि की है। इस बीच, ग्रामीण और अर्ध-शहरी शाखाओं में डीज़ल जनरेटर सेटों को सौर ऊर्जा-समर्थित निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रणालियों से भी बदला जा रहा है। इसके साथ इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का जीवनकाल बढ़ाने का अतिरिक्त लाभ भी आया है, इससे ई-अपशिष्ट भी कम उत्पन्न होता है।

वित्त वर्ष 2021-22 में, एस.बी.आई. ने ऊर्जा खपत पर ₹1,317.86 करोड़ खर्च किए, जिनमें से ₹203 करोड़ डीज़ल की खपत पर खर्च किए गए। नीचे उल्लिखित ऊर्जा और उत्सर्जन डेटा की गणना करने के लिए चार महानगरों में वित्त वर्ष 2021-22 में डीज़ल की औसत लागत के अलावा इन खर्चों पर विचार किया गया है।

एस.बी.आई. नियमित संचार और विभिन्न पहलों के माध्यम से अपने कर्मचारियों को अपनी संवहनीयता यात्रा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करता है।

31 मार्च 2022 को बैंक की कैप्टिव आरई क्षमता >35 एम.डब्ल्यू.पी. है।

वर्ष के दौरान, बैंक के कॉरपोरेट केंद्र कार्यालय और स्थानीय प्रधान कार्यालय, मुंबई 100% आर.ई. में परिवर्तित हुए। यह पहल हर साल अकेले कॉरपोरेट सेंटर से लगभग 52 tCO_2e से बचने में मदद करेगी।

वित्त वर्ष 2021-22 में ग्रिड विद्युत से ऊर्जा की तीव्रता 21.36 जी.जे./एफ.टी.ई. थी।

ऊर्जा की खपत (जी.जे.)

स्रोत	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2020-21	वित्त वर्ष 2019-20
डीज़ल	8,04,365	7,90,806	8,75,022
ग्रिड विद्युत	52,16,088	50,70,995	46,25,287
कुल	60,20,453	58,61,801	55,00,309

स्रोत द्वारा कुल उत्सर्जन (tCO_2e)

स्रोत	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2020-21	वित्त वर्ष 2019-20
डीज़ल	59,799	58,791	65,052
ग्रिड विद्युत	11,44,641	11,69,146	10,66,386
कुल	12,04,440	12,27,937	11,31,438

स्कोप द्वारा जी.एच.जी. उत्सर्जन (tCO_2e)

स्रोत	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2020-21	वित्त वर्ष 2019-20
स्कोप 1	547	553	390
स्कोप 2	11,44,641	11,69,146	10,66,386
स्कोप 3	1,40,044	1,35,811	1,92,459
कुल	12,83,216	13,05,510	12,59,236

उत्सर्जन तीव्रता (tCO_2e/एफ.टी.ई.)

स्रोत	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2020-21	वित्त वर्ष 2019-20
स्कोप 1	0.002	0.002	0.002
स्कोप 2	4.69	4.76	4.27
स्कोप 3	0.57	0.55	0.77
कुल	5.26	5.31	5.05

नोट: स्कोप 3 उत्सर्जन का अनुमान किराये की कार, बस, रेल और हवाई मार्ग के माध्यम से काम से संबंधित यात्रा, अन्य पक्ष के डीज़ल जनरेटर और कागज़ की खपत के आधार पर लगाया गया है।

इस वर्ष भी एस.बी.आई. की ऊर्जा संरक्षण पहलों की निरंतरता देखी गई। इसमें बैंक द्वारा किए गए शाखा सर्वर समेकन प्रयास शामिल हैं, और भौतिक सर्वरों का एक केंद्रीकृत, सुरक्षित और वर्चुअल स्थान पर स्थानांतरण किया गया। इससे बैंक 31 मार्च 2022 तक 24,800+ से अधिक सर्वरों की कूलिंग (ठंडा करने) के लिए उपयोग की जाने वाली ऊर्जा को कम कर पाया है।

GRI 103-1, GRI 103-2 (Energy, Emissions), GRI 302-1, GRI 302-3, GRI 302-4, GRI 305-1, GRI 305-2, GRI 305-3, GRI-305-4, GRI 305-5

इसके अलावा, एस.बी.आई. एक कुशल विद्युत प्रबंधन उपयोगिता सॉफ्टवेयर आई.पी.एम.+ का उपयोग कर रहा है, जिसने समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक को 24.97 जी.डब्ल्यू.एच. ऊर्जा, 9,858.21 एम.टी. जी.एच.जी. उत्सर्जन और 9,36,511.47 एम3 जल बचाने में सहायता की है।

अपशिष्ट प्रबंधन

अपशिष्ट (कचरे) का ज़िम्मेदारीपूर्वक निपटान पर्यावरण पदचिन्ह को कम करने के एस.बी.आई. के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस प्रयास के अनुरूप, बैंक इस मोर्चे पर अपनी नीतियों और व्यवहार को बढ़ाना जारी रखे हुए है। बैंक ने एक इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट (ई-अपशिष्ट) प्रबंधन नीति पेश की है, जो इसके विदेशी कार्यालयों पर भी लागू होती है। वर्ष के दौरान, बैंक ने 15 खाद्य अपशिष्ट खाद संयंत्रों का उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त, अब तक 22 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एस.टी.पी.) लगाए जा चुके हैं। बैंक ने अक्टूबर 2021 से अपने परिचालन के माध्यम से उत्पन्न अपशिष्ट की निगरानी शुरू करने के उपाय किए हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में, कॉरपोरेट केंद्र, 17 स्थानीय प्रधान कार्यालयों और छह ए.टी.आई. से 219.14 मीट्रिक टन से अधिक अपशिष्ट उत्पन्न हुआ था। इसमें से 10.55 मीट्रिक टन कागज के अपशिष्ट से, 84.39 मीट्रिक टन ई-अपशिष्ट और शेष अन्य गैर-खतरनाक अपशिष्ट था। वर्ष के दौरान कुल अपशिष्ट का 64.62 मीट्रिक टन पुनर्चक्रण किया गया।

एस.बी.आई.एच.आर.डी., इंदौर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एस.टी.पी.) का उद्घाटन

एस.बी.आई. ने जनवरी 2022 में भारत में अपने कार्यालयों में सप्ताहभर चलने वाला 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया। इस पहल ने स्टाफ सदस्यों और ग्राहकों से देश को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने में योगदान देने का आग्रह किया। यह सप्ताह केंद्रीय स्वच्छ भारत मिशन के तत्वावधान में और भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया था।

एस.बी.आई.एल., कोलकाता में अपशिष्ट पृथक्करण के प्रयास

कोलकाता स्थित स्टेट बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ लीडरशिप (एसबीआईएल) अपशिष्ट पृथक्करण को प्रोत्साहित करता है और परिसर के सभी निवासी स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण के लिए निर्धारित मानदंडों का सख्ती से पालन करते हैं। संपूर्ण परिसर में सूखे अपशिष्ट और गीले अपशिष्टि के लिए डिब्बे रखे गए हैं। इस परिसर में एक अपशिष्ट खाद मशीन भी है जो बैंक के जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन प्रयासों में और योगदान देती है।

एसबीआईएल, कोलकाता में अपशिष्ट पुनर्चक्रण के लिए कम्पोस्ट खाद गड्ढा और संस्थापित मशीन

इकोब्रिक्स: प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए भावी मार्ग

बैंक ने प्लास्टिक की बोतलों में गैर-पुनर्नवीनीकरण योग्य प्लास्टिक अपशिष्ट को इकट्ठा करके इकोब्रिक्स संग्रह अभियान चलाने के लिए मुंबई स्थित एक गैर-सरकारी संगठन के साथ करार किया है। ये भरी हुई बोतलें इकोब्रिक्स हैं और एक सामान्य ड्रॉप-ऑफ बिंदु पर एकत्र की जाती हैं। बैंक की यह पहल न केवल भराव-क्षेत्र या समुद्र से अपशिष्ट को कम करने में मदद करती है, बल्कि प्लास्टिक के हानिकारक पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने में भी सहायक है। अब तक, प्लास्टिक अपशिष्ट के साथ 75,000 से अधिक पी.ई.टी. बोतलें एकत्र की जा चुकी हैं और संवहनीय निर्माण परियोजनाओं के लिए उपयोग की जा रही हैं।

जल प्रबंधन

साझा संसाधन के रूप में पानी के संरक्षण के महत्व को समझते हुए, बैंक ने हमेशा अपनी सुविधाओं में ज़िम्मेदारीपूर्वक उपभोग को प्रोत्साहित किया है। जल के अधिकाधिक सदुपयोग के लिए एस.बी.आई. की सुविधाओं में वर्षा जल संचयन प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं। वर्ष के दौरान, छह ए.टी.आई., कॉरपोरेट केंद्र और 17 स्थानीय प्रधान कार्यालयों में कुल 5,37,096 के.एल. जल की खपत हुई। इसमें 4,55,101 के.एल. सतही जल की खपत, 53,497 के.एल. भूजल और 28,498 के.एल. अन्य पक्ष जल की खपत शामिल है। इसके अलावा, कॉरपोरेट केंद्र में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एस.टी.पी.) के माध्यम से 8,687 लीटर अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण किया गया।

एस.बी.आई.आर.बी., हैदराबाद ने किया संवहनीयता को आत्मसात

बैंक के प्रशिक्षण संस्थानों में से एक स्टेट बैंक ग्रामीण बैंकिंग संस्थान, हैदराबाद वर्षा जल संचयन प्रणालियों के अलावा, परिसर और आसपास के क्षेत्रों से अतिरिक्त वर्षा जल को एक पुराने कुएं और एक छोटे टैंक में प्रवाहित करने के लिए नालियों का उपयोग कर रहा है। यह प्रणाली संस्थान की बागवानी संबंधी आवश्यकताओं के लिए पानी प्रदान करती है। इसे 50 के.एल. सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के साथ भी जोड़ा गया है। अपव्यय को कम करने के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई विधियों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पानी की खपत को जांचने के लिए विभिन्न ब्लॉकों में वाटर मॉनिटर स्थापित किए गए हैं, सुचारू प्लंबिंग स्थापित की गई है, और अधिकांश नलों के साथ कम-जल प्रवाह वाले फिक्स्चर्स लगाए गए ।

एस.बी.आई.एल., कोलकाता में वर्षा जल का प्राकृतिक संचयन

एस.बी.आई.एल., कोलकाता में जल संरक्षण के लिए परिसर के भीतर दो लिली पूल और एक प्राकृतिक तालाब है। ये जल निकाय परिसर की सुंदरता को बढ़ाते हुए वनस्पतियों और जीवों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। परिसर के विभिन्न भवनों से वर्षा जल को एकत्रित कर एवं छानकर भू-जल के संचयन एवं पुनर्भरण हेतु अतिरिक्त वर्षा जल संचयन प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं।

मेडुरू में योनो हरित ग्राम (ग्रीन विलेज)

एस.बी.आई. ने आंध्र प्रदेश के मेडुरु गांव में स्थानीय लोगों और निवासियों को 'एस.बी.आई. योनो हरित ग्राम' पहल के माध्यम से डिजिटल बैंकिंग सेवाओं और उत्पादों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। योनो उत्पादों और सेवाओं जैसे योनो के.सी.सी., योनो कृषि स्वर्ण ऋण, योनो कैश और योनो शॉपिंग को समुदाय के लिए पेश किया गया। सुगमता के लिए, सार्वजनिक स्थानों पर योनो दिशा बोर्ड लगाए गए हैं। साथ ही, गाँव की मुख्य सड़क के किनारे 300 फलदार पौधे लगाए गए हैं।

संसाधन प्रबंधन

संसाधन खपत कम करने और प्रबंधित करने के लिए परिचालनों का अनुकूलन बैंक का निरंतर प्रयास है। एस.बी.आई. के पदचिन्ह में कमी और उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों को लगातार परिष्कृत किया जाता है। कागज़ की खपत, विशेष रूप से एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ बैंक ने सुधार की संभावना की पहचान की है और जिसमें वह कमी लाने के लिए कार्य कर रहा है।

वित्त वर्ष 2021-22 में योनो से हुई कागज़ की बचत

बैंक का प्रमुख मोबाइल एप्लिकेशन इन प्रयासों का एक प्रमुख चालक रहा है, जिससे विभिन्न प्रक्रियाओं में कागज़ की बचत हुई है:

बचत खाता खोलना	1.4 करोड़ शीटों की बचत
पूर्वानुमोदित वैयक्तिक ऋण	2.4 करोड़ शीटों की बचत
पूर्वानुमोदित दुपहिया वाहन ऋण	25,000 करोड़ शीटों की बचत
इंस्टा होम टॉप-अप ऋण	83,000 शीटों की बचत
योनो कृषि के.सी.सी. समीक्षा	1.1 करोड़ शीटों की बचत
योनो कृषि स्वर्ण ऋण खाता खोलना	1.3 करोड़ शीटों की बचत

अकेले योनो के कारण कागज़ की बचत के परिणामस्वरूप पानी की खपत में 3,78,541 एम^3 की कमी, 2,503.83 एम.टी. से अधिक कागज के अपशिष्ट से बचने और 38,237.81 tCO_2e जी.एच.जी. उत्सर्जन से बचने का अनुमान है।

GRI 305-5

ग्रीन चैनल काउंटर (जी.सी.सी.)

जी.सी.सी. बैंक के देशीय परिचालन के अंतर्गत स्थित खुदरा शाखाओं में नकद आहरण, नकद जमा, आंतरिक निधि अंतरण, शेषराशि पूछताछ, ग्रीन पिन सृजन और परिवर्तन तथा लघु विवरणी सृजन जैसी सेवाएँ डिजिटल रूप से प्रदान करता है।

जी.सी.सी. के माध्यम से 27,81,30,000 से अधिक लेनदेन किए गए, जिससे 4,000 tCO_2e जी.एच.जी. उत्सर्जन के अलावा, 445 एम.टी. कागज़ और 39,746.81 एम^3 जल की बचत हुई।

ई-रजिस्टर

डिजिटलीकरण के दूसरे चरण में, एस.बी.आई. ने 31 ई-रजिस्टर शुरू किए, जिनमें से 26 नव-विकसित हैं और पाँच को आंतरिक उपयोग के लिए नया रूप दिया गया है, ताकि पूरे बैंक में डेटा की मैन्युअल रिकॉर्डिंग और भंडारण को कम किया जा सके। ये ई-रजिस्टर डेटा सुरक्षा के साथ संवहनीयता और डिजिटलीकरण को संतुलित करते हुए, डेटाबेस तक पहुँच के लिए सख़्त गोपनीयता सीमाओं के साथ, डेटा की प्रामाणिकता एवं सत्यता सुनिश्चित करने के लिए जाँच तथा तुलन की एक प्रणाली का पालन करते हैं।

ग्रीन रेमिट कार्ड (जी.आर.सी.)

जी.आर.सी. ग्राहकों को मैगस्ट्रिप-आधारित कार्ड का उपयोग करके जी.सी.सी., सी.डी.एम. या ए.डी.डब्ल्यू.एम. का उपयोग करके लाभार्थी के एस.बी.आई. खाते में नकद जमा करने की अनुमति देता है। जी.आर.सी. के माध्यम से सी.डी.एम. और ए.डी.डब्ल्यू. एम. में 24*7 नकद जमा करने की सुविधा उपलब्ध है। लेनदेन पर ₹1,00,000 की मासिक सीमा है।

ग्रीन पिन

ग्रीन पिन ग्राहकों को बिना किसी शाखा में गए अपने ए.टी.एम. पिन सृजित करने के लिए झंझट-मुक्त और पर्यावरण की दृष्टि से सही तरीका प्रदान करते हैं। इस वर्ष, 6,41,06,135 ग्रीन पिन सृजित किए गए, जिससे कागज़ की खपत 307.71 एम.टी. तक कम करने में मदद मिली और इसके परिणामस्वरूप, पानी की खपत 27,482.08 एम^3 और कार्बन उत्सर्जन लगभग 2,766.91 tCO_2e तक कम हुआ।

धोखाधड़ी कोण जाँच कार्यप्रवाह

यह एप्लिकेशन धोखाधड़ी वाले ऋण खातों और अनर्जक आस्तियों पर नज़र रखने के लिए कार्यप्रवाह प्रक्रिया समय और कागज़ के उपयोग में कमी सुनिश्चित करता है।

ईज़ी -अप्रूवल

जब नोट्स के ऑनलाइन अनुमोदन की बात आती है तो ईजी-अप्रूवल एप्लिकेशन कागज़ की बचत के अतिरिक्त, बैंक की प्रक्रियाओं की उत्पादकता बढ़ाने में सहायता करता है। इस वर्ष इस एप्लिकेशन के माध्यम से 62,389 नोट्स को अनुमोदित किया गया।

लिटमास

मुकदमेबाज़ी से संबंधित जानकारी को सुव्यवस्थित करने के लिए, बैंक ने एक मुकदमा प्रबंधन प्रणाली शुरू की है, जिससे उसे पर्याप्त मात्रा में कागज़ बचाने में भी सहायता मिली है।

एस.बी.आई. की पर्यावरणीय पहल

एस.बी.आई. ने 5 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया और वृक्षारोपण अभियान चलाए, जिसमें बैंक के नेतृत्व की भागीदारी देखी गई। इसके अलावा, मंडल और शाखा स्तर पर कई वृक्षारोपण अभियान चलाए गए और वर्ष के दौरान 6,45,000 से भी अधिक वृक्ष लगाए गए।

बैंक के कॉर्पोरेट केंद्र कार्यालय परिसर में आयुर्वेदिक वाटिका।

अमरावती मंडल में वृहद वृक्षारोपण

एस.बी.आई. के अमरावती मंडल ने 25,000 से अधिक पौधे लगाने के लिए एक वृहद अभियान चलाया। ये पौधे आवासीय परिसरों, सरकारी कार्यालयों, कॉलेजों, स्कूलों और अपार्टमेंट भवनों जैसे सीमित क्षेत्रों में लगाए गए । यह कार्यक्रम बैंक की व्यापक संवहनीयता पहल के अंतर्गत पारिस्थितिक संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्तीय सेवाएँ विभाग और वित्त मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। इसमें माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण भी उपस्थित रही।

माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की उपस्थिति में अमरावती मंडल में वृक्षारोपण अभियान।

बांध सफाई अभियान

एस.बी.आई. के भोपाल मंडल ने कलियासोत बांध, भोपाल में स्वच्छता अभियान चलाया। कर्मचारियों द्वारा अगले तीन महीने तक क्षेत्र की स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प भी लिया गया और स्थानीय आगंतुकों से बांध को स्वच्छ और हरा-भरा रखने की अपील की गई। स्थानीय अधिकारियों की मदद से लगभग 150-200 किलोग्राम अपशिष्ट एकत्र किया गया और ज़िम्मेदारीपूर्वक निपटाया गया।

मानव पूँजी प्रबंधन

एस.बी.आई. का कार्यबल इसकी सबसे सशक्त और सबसे मूल्यवान आस्ति है, जो समाज के लिए साझा मूल्य सृजित करने के बैंक के प्रयासों में एक अभिन्न भूमिका निभा रहा है। तकनीकी विकास और ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं के समक्ष, कर्मचारी देश सेवा का कर्तव्य निभाते हुए एक शक्तिशाली संस्थान बनने की एस.बी.आई. की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बैंक के कर्मचारी एक प्रमुख हितधारक समूह हैं, जिनके कौशल और विशेषज्ञता बैंक के वर्तमान और भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस कारण, एस.बी.आई. कर्मचारियों के रणनीतिक उपयोग और व्यवसाय पर उनके निष्पादन के मापने योग्य प्रभाव पर ज़ोर देते हुए ज्ञान, कौशल और प्रतिभा को विकसित तथा प्रबंधित करने के लिए प्रभावी मानव संसाधन नीतियों, प्रक्रियाओं एवं कार्यक्रमों को लगातार डिज़ाइन व कार्यान्वित कर रहा है। एक सहभागितापूर्ण कार्य संस्कृति और अपने कार्मिकों के बीच गर्व एवं उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए बैंक अपने कर्मचारियों की सदैव बदलती आकांक्षाओं के अनुरूप अपनी मानव संसाधन रणनीतियों को नियमित रूप से संशोधित व संरेखित करता है।

एक सहभागितापूर्ण कार्य संस्कृति और अपने कार्मिकों के बीच गर्व एवं उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए बैंक अपने कर्मचारियों की सदैव बदलती आकांक्षाओं के अनुरूप अपनी मानव संसाधन रणनीतियों को नियमित रूप से संशोधित व संरेखित करता है।

कुल कार्यबल: 2,44,250*

1,11,549	99,259	33,442
अधिकारी	सहयोगी (लिपिकीय स्टाफ)	अधीनस्थ स्टाफ

*इसमें स्थायी कर्मचारियों, अनुबंध कर्मचारियों के साथ-साथ विदेशी स्थानों पर तैनात अधिकारी भी शामिल हैं।

GRI 102-7, GRI 102-8, GRI 103-1, GRI 103-2

(प्रशिक्षण और शिक्षा, विविधता और समान अवसर)

विविधता, समान अवसर और समावेशन को बढ़ावा

एस.बी.आई. एक ऐसा कार्य वातावरण बनाने का प्रयास करता है, जो निष्पक्ष, सुरक्षित और उत्पादकता के अनुकूल हो तथा सुनिश्चित करता है कि आंतरिक या बाहरी रूप से किसी प्रकार का भेदभाव या उत्पीड़न न हो। समावेशिता और विविधता की एक मज़बूत संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध बैंक एक समान अवसर नियोक्ता है और भर्ती, निष्पादन मूल्यांकन और मुआवज़े की अपनी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बनाए रखता है।

वित्त वर्ष 2021-22 में, एस.बी.आई. ने विकलांग व्यक्तियों के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित समान अवसर नीति पेश की है, जो विकलांग अधिकार अधिनियम, 2016 के साथ सामंजस्य सम्पन्न है।

इस दिशा में अपनाई गई कुछ पहले निम्न हैं:

- दृष्टिबाधित और श्रवण बाधित कर्मचारियों को प्रशिक्षण: दृष्टिबाधित रंगरूटों को जॉब एक्सेस विद स्पीच (जे.ए.डब्ल्यू.एस.) के उपयोग में प्रशिक्षित किया जाता है, जबकि श्रवण बाधित कर्मचारियों को सांकेतिक भाषा के उपयोग में प्रशिक्षित किया जाता है।
- ट्रेन द ट्रेनर कार्यक्रम: यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षकों को नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान भिन्न रूप से सक्षम कर्मचारियों की सहायता करने में सक्षम बनाने के लिए आयोजित किया जाता है।
- बाधा-मुक्त वातावरण तैयार करना: बैंक का जे.ए.डब्ल्यू.एस. लाइसेंस मापन योग्य है और आवश्यकता पड़ने पर इसे नवीनीकृत या अपग्रेड किया जाता है। इसके अतिरिक्त, व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लिए रैंप स्थापित किए गए हैं और अधिकांश एस.बी.आई.एल.डी. में ब्रेल स्क्रिप्ट बोर्ड उपलब्ध हैं, ताकि भिन्न रूप से सक्षम कर्मचारियों की सुगम पहुँच को बढ़ाया जा सके।

31 मार्च 2022 तक, एस.बी.आई. के कार्यबल में 26.55% महिलाएँ शामिल थीं। बैंक के सभी कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन से अधिक का भुगतान किया गया।

लिंग और श्रेणी के आधार पर कार्यबल के विवरण

श्रेणी	पुरुष	महिला
अधिकारी	82,268	23,625
सहयोगी (लिपिकीय स्टाफ)	62,278	36,981
अधीनस्थ स्टाफ एवं अन्य	30,301	3,141

पहचाने गए समूह के आधार पर कार्यबल के विवरण

श्रेणी	अधिकारी	सहयोगी (लिपिकीय स्टाफ)	अधीनस्थ स्टाफ एवं अन्य
अ.जा.	20,366	15,750	8,101
अ.ज.जा.	9,419	7,686	2,164
अ.पि.व.	25,764	25,987	8,662
ई.डब्ल्यू.एस.	246	696	0
डी.ए.पी.	2,415	2,475	206

प्रबंधन पदों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व

श्रेणी	अधीनस्थ स्टाफ एवं अन्य
वरिष्ठ प्रबंधन एवं शीर्ष कार्यपालक श्रेणी	2,100
मध्यम प्रबंधन	15,012
कनिष्ठ प्रबंधन	6,513

GRI 102-8, GRI 103-1, GRI 103-2

(विविधता और समान अवसर, गैर-भेदभाव), GRI 405-1

भिन्न रूप से सक्षम कर्मचारी

		पुरुष		महिला	
श्रेणी	कुल (ए)	सं. (बी)	% (बी/ए)	सं. (सी)	% (सी/ए)
स्थाई कर्मचारी (डी)	4,981	3,924	78.78	1,057	21.22
स्थायी कर्मचारियों से इतर (ई)	115	91	79.13	24	20.87
भिन्न रूप से सक्षम कुल कर्मचारी (डी+ई)	5096	4015	78.79	1081	21.21

औसत पारिश्रमिक

श्रेणी		पुरुष		महिला
	संख्या	औसत पारिश्रमिक (₹ में)	संख्या	औसत पारिश्रमिक (₹ में)
सभी स्थायी कर्मचारी	1,74,847	97,647.60	63,747	86,367.25

गरिमा - यौन उत्पीड़न की रोकथाम

एस.बी.आई. मानवाधिकारों के वृहद महत्व को आत्मसात करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो इसके मूल्यों के अनुरूप होने वाली समस्त व्यावसायिक प्रथाओं में परिलक्षित होता है। यह भेदभाव और यौन उत्पीड़न सहित किसी भी प्रकार के कार्यस्थल मानवाधिकार उल्लंघन के प्रति शून्य-सहिष्णुता का दृष्टिकोण अपनाता है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान गरिमा हेल्पलाइन पर 43 शिकायतें प्राप्त हुई। 31 मार्च 2022 तक, इनमें से 38 का समाधान किया जा चुका है, जबकि अन्य समाधान के विभिन्न चरणों में हैं।

एस.बी.आई.सी.बी. की ओर से साम्य - लैंगिक समानता को बढ़ावा

साम्य एस.बी.आई. द्वारा बैंक के भीतर लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए अपनाई गई एक पहल है। इस पहल के हिस्से के रूप में, ऑनलाइन केसलेट्स नियमित रूप से स्टाफ सदस्यों में परिचालित किए जाते हैं, जो उन्हें लैंगिक भेदभावों को प्रतिबिंबित करने वाले सूक्ष्म व्यवहारों एवं भावों के बारे में शिक्षित करते हैं। इन केसलेट्स का उद्देश्य कर्मचारियों को उनके अवचेतन भेदभावों को पहचानने और समाप्त करने में सक्षम बनाना है। तत्पश्चात, वरिष्ठ अधिकारियों के लिए लैंगिक संवेदनशीलता, रोकथाम और निवारण तंत्रों जैसे विषयों पर दो-भाग का वेबिनार है।

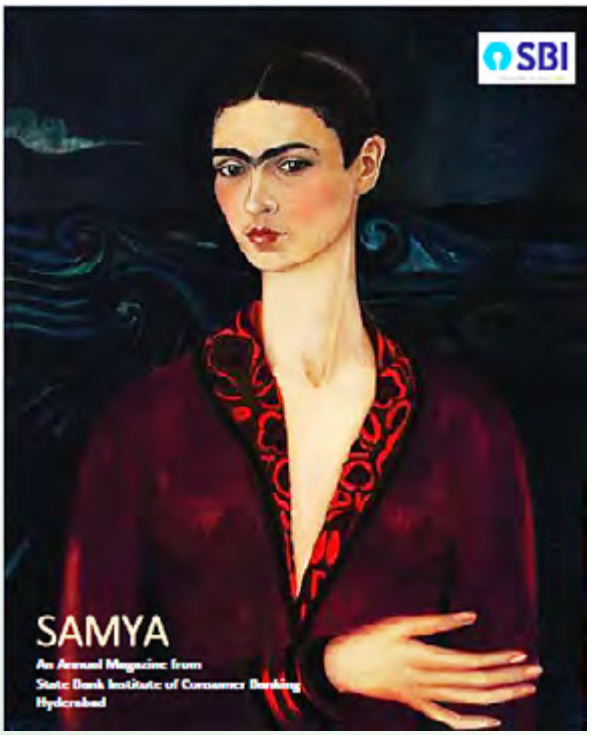

वित्त वर्ष 2021-22 में एक वार्षिक प्रकाशन शुरू किया गया, जिसमें महिला अधिकारियों ने संगठन में विभिन्न स्तरों पर अपने समकक्षों को प्रेरित करने के लिए बैंक में अपने अनुभव साझा किए। इसमें प्रबंधन की ओर से लैंगिक संवेदनशीलता के मुद्दों पर संदेश और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी महिलाओं पर लेख भी शामिल हैं।

- लोगों को सामग्री पर विचार करने में सक्षम बनाने और उनके दिमाग से पूर्वाग्रहों और भेदभावों को जड़ से उखाड़ने के लिए लैंगिक भेदभाव को दर्शाने वाले सूक्ष्म व्यवहारों या भावों को दर्शाते केसलेट्स।
- लैंगिक संवेदनशीलता और शिकायतों की रोकथाम और निवारण के बारे में वेबिनार चर्चा।
- बैंक में अपनी यात्रा के अनुभवों के बारे में महिला अधिकारियों द्वारा लिखे गए लेखों से युक्त संग्रह का विमोचन, जिसमें

महिलाओं को एस.बी.आई. के भीतर और बाहर बेहतर करियर के अवसरों की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित करने के संदेश हैं।

- ई-पैनल चर्चा - जहाँ बैंक की कई सेवानिवृत्त महिला उप प्रबंध निदेशकों को बैंक में अपने अनुभवों पर विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसमें देश भर से कर्मचारियों ने भाग लिया।

एस.बी.आई. में लैंगिक संवेदनशीलता और पी.ओ.एस.एच. पर प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं, जिसमें समीक्षाधीन वर्ष में 1,313 अधिकारियों ने भाग लिया। वित्त वर्ष 2021-22 में 24.55% कर्मचारियों यानी कुल 2,43,796 कर्मचारियों में से 59,871 कर्मचारियों को मानवाधिकारों और संबंधित मामलों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

एस.बी.आई. ने 'मैत्रेयी' भी लॉन्च किया, जो संगठन में युवा महिलाओं का मार्गदर्शन करने और उनके सामने आने वाली किसी भी चुनौती को हल करने में मदद करने के लिए चिन्हित किए गए परामर्शदाताओं की आंतरिक तैयारी के लिए डिज़ाइन किया गया एक परामर्श कार्यक्रम है।

महिला दिवस समारोह

एस.बी.आई. ने बैंक की सफलता में महिलाओं के योगदान को मान्यता देते हुए महिला दिवस मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

महिला सशक्तिकरण पर चर्चा के लिए एस.बी.आई.एल. कोलकाता द्वारा स्वावलंबिनी नाम से एक वर्चुअल पैनल का आयोजन किया गया जिसमें 'कार्य-जीवन समेकन' और 'वर्किंग विमेन एंड ग्लास सालिंग्स' पर चर्चा की गई।

इसके अतिरिक्त, बैंक द्वारा महिला कर्मचारियों और स्टाफ के लिए कई नई पहलों की शुरूआत कर महिला दिवस मनाया गया।

बैंक कर्मचारियों की संतान छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति राशि की अधिकतम सीमा में 25% की वृद्धि की गई।

बैंक के कर्मचारियों की बालिकाओं के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रोत्साहन में वृद्धि।

गर्भवती कर्मचारियों के कल्याण के लिए एक नई पहल शुरू की गई। बैंक इन कर्मचारियों को पोषण भत्ते प्रदान कर रहा है, जिसका लाभ दो गर्भधारण के दौरान एक बार लिया जा सकता है।

प्रतिभा प्रतिधारण और प्रबंधन

बैंक की सेवाओं और उत्पादों में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए उच्च क्षमता वाले कर्मचारियों की पहचान, विकास तथा प्रतिधारण महत्वपूर्ण है। कौशल का विकास, करियर के अवसरों का प्रावधान, सक्रिय और गुणात्मक कार्मिक नियोजन के साथ-साथ कर्मचारियों की पदोन्नति एवं प्रतिधारण बैंक द्वारा एक संवहनीय व्यवसाय मॉडल को प्रोत्साहित किया जाता हैं।

निरंतर बदलती व्यावसायिक आवश्यकताओं और नियामक परिदृश्य की माँग को पूरा करने के लिए एस.बी.आई. अन्य कार्यों के साथ-साथ, लगातार विभिन्न व्यावसायिक कार्यों जैसे आई.टी., संपदा प्रबंधन, सूचना सुरक्षा, जोखिम और ऋण में पार्श्विक व अनुबंध के आधार पर प्रतिभाओं की भर्ती कर रहा है। प्रवेश स्तर के पदों के लिए, बैंक ने समीक्षाधीन अवधि में 2,057 परिवीक्षाधीन अधिकारियों और 5,246 कनिष्ठ सहयोगियों का चयन किया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 1,126 प्रत्याशियों को पार्श्विक आधार पर भर्ती किया गया था, जबकि 14,041 आंतरिक प्रत्याशियों को कार्यकारी और प्रबंधकीय पदों पर पदोन्नत किया गया ।

डिजिटल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों का लाभ उठाकर बैंक भर्ती उद्देश्यों के लिए उम्मीदवारों के व्यापक पूल तक पहुँच बनाने में सफल हो पाया है। विभिन्न जॉब पोर्टल्स और सोशल मीडिया पर विज्ञापन प्रसारित किए जाते हैं, जिससे एस.बी.आई. रोज़गार के इच्छुक तकनीक-प्रेमी उम्मीदवारों तक पहुँच पाता है। बैंक ने विशिष्ट पदों में अपने भर्ती पूल का विस्तार करने के लिए इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आई.सी.ए.आई.) जैसे पेशेवर निकायों के साथ करार भी किया है।

कर्मचारी प्रशिक्षण और विकास

ज्ञानोन्मुखी क्षेत्र में व्यवसाय कर रहे एस.बी.आई. का प्रतिस्पर्धात्मक लाभ अपने कर्मचारियों की कौशल दक्षताओं में निहित है। बैंक का कार्यबल संगठन के दीर्घकालिक व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निर्धारित एक लचीली प्रशिक्षण प्रणाली का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कोविड-19 महामारी के बाद के समय में दूरस्थ और सामाजिक दूरी के मानदंड को देखते हुए, एस.बी.आई. ने ज्ञानार्जन का एक ऑनलाइन मॉडल अपनाया है, जिसके परिणामस्वरूप कम व्यवधान, अधिक लचीलापन और स्वास्थ्य व सुरक्षा सुनिश्चित हो पाई है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान आयोजित किए गए प्रशिक्षणों में बैंक को एक नए उद्देश्य के साथ सशक्त बनाने और संवहनीय मूल्य सृजन हेतु अपने व्यवसाय मॉडल को सुधारने के लिए प्रेरणा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। छह ए.टी.आई. और एल.एंड डी. के 50 क्षेत्रीय संस्थानों में 475 से अधिक आंतरिक शिक्षकों और बैंकिंग विशेषज्ञों की एक टीम के साथ एस.बी.आई. वीडियोज़, प्री-रीड्स, केस स्टडीज़, क्विज़ एवं प्रतिक्रियात्मक तथा रिकॉर्डेड वेबिनारों के माध्यम से सीखने वालों की रुचि और प्रतिभा प्रतिधारण को बढ़ावा देते हुए अपने कार्यबल को उद्देश्यपूर्ण विकास के एक नए मॉडल में ले जाने की अभिलाषा रखता है।

बैंक अपनी आंतरिक स्वचालित केंद्रीकृत प्रशिक्षण कैलेंडर प्रबंधन प्रणाली को निरंतर विकसित कर रहा है, जो कर्मचारियों और संकाय के बीच इंटरफेस को बढ़ावा देता है। इस वर्ष 15,578 ऑनलाइन कार्यक्रमों के अंतर्गत 31,605 वेबिनार आधारित प्रशिक्षण आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2021-22 में सहभागियों को 1,800 कक्षा प्रशिक्षण प्रदान किए गए।

68.19 औसत प्रशिक्षण घंटे प्रति पूर्णकालिक कर्मचारी

74.73 औसत प्रशिक्षण घंटे प्रति महिला कर्मचारी

65.85 औसत प्रशिक्षण घंटे प्रति पुरुष कर्मचारी

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कर्मचारियों की सहभागिता

श्रेणी	प्रशिक्षित कर्मचारी
अधिकारी (सामान्य संवर्ग)	97,789
अधिकारी (विशेषज्ञ संवर्ग)	6,870
सहयोगी	96,026
अधीनस्थ स्टाफ	4,448
अनुबंधात्मक एवं अन्य	277
कुल	**2,05,410**

GRI 103-1, GRI 103-2 (Training and Education), GRI 404-1

श्रेणी		वित्त वर्ष 2021-22			
	कुल कर्मचारी* (ए)	स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उपायों पर प्रशिक्षित कर्मचारी		कौशल उन्नयन पर प्रशिक्षित कर्मचारी	
		सं. (बी)	% (बी/ए)	सं. (सी)	% (सी/ए)
कर्मचारी					
पुरुष	1,78,939	2,709	1.51%	1,47,129	82.2%
महिला	64,857	1,070	1.64%	58,281	89.8%
कुल	2,43,796	3,779	1.55%	2,05,410	84.2%

*विदेशों में तैनात अधिकारियों को छोड़कर

आकांक्षापूर्ण पाठ्यक्रम

एस.बी.आई. अपने कर्मचारियों को निम्नलिखित कार्यबिंदुओं के आधार पर दस आकांक्षापूर्ण पाठ्यक्रम उपलब्ध करा रहा है:

कर्मचारियों के लिए रोल बेस्ड सर्टिफिकेसन (आरबीसी)

एस.बी.आई. ने बैंक में 2 लाख से अधिक कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन रोल बेस्ड सर्टिफिकेसन कार्यक्रमों के लिए एक ई-आर.बी.सी. प्रौद्योगिकी पहल तैयार की है। कहीं भी, कभी भी एक्सेस हेतु ऑनलाइन और मोबाइल प्लेटफॉर्म पर संचालित 42 सर्टिफिकेसन कोर्सों को समाहित करने के लिए कार्यक्रम को संशोधित किया गया है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, 98% अधिकारियों और 97% सहयोगी कर्मचारियों ने ऑनलाइन प्रशिक्षण और मूल्यांकन के माध्यम से अपने आर.बी.सी. सर्टिफिकेसन को पूर्ण किया है।

GRI 403-5, GRI 404-1, GRI 404-2

सामर्थ्य-युवा कर्मचारियों के लिए संपर्क/संवाद कार्यक्रम

एस.बी.आई. ने 35 वर्ष या उससे कम आयु के अपने सभी कर्मचारियों के लिए एक संपर्क/संवाद कार्यक्रम 'सामर्थ्य' लॉन्च किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा कर्मचारियों को सकारात्मक सेवा उन्मुखीकरण (पॉज़िटिव सर्विस ओरिएंटेसन) के साथ-साथ उनसे अपेक्षित नैतिक और पेशेवर मानकों की एक स्पष्ट तस्वीर प्रदान करना है। कार्यक्रम को एक मौलिक नए चैनल - 'स्मार्ट क्लासरूम' के माध्यम से मिश्रित ज्ञानार्जन के लिए डिज़ाइन किया गया है। अधिकारी और लिपिक कर्मचारी दोनों ही एक समूह के रूप में कार्यक्रम में भाग लेते हैं, जो दृष्टिकोणों एवं विचारों के समृद्ध पार-परागण (क्रॉस पॉलीनेसन) को बढ़ावा देते हैं। इस कार्यक्रम के तहत 67,000 से अधिक कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाना है, जिनमें से 72% को समीक्षाधीन वर्ष में कवर किया जा चुका है।

समुन्नति - शाखाओं के लिए सहभागी प्रशिक्षण पहल

अधिक लक्ष्य-संचालित और प्रतिस्पर्धी बनने में शाखाओं का सहयोग करने के लिए कार्रवाई अनुसंधान मॉडल (action research module) आधारित प्रशिक्षण पहल समुन्नति का आयोजन किया गया। इस पहल के अंतर्गत, क्षेत्रीय ज्ञानार्जन और विकास संस्थानों के संकाय सदस्यों ने व्यवहार्य विकास मॉडल और केस स्टडी पूर्ण होने के बाद मार्गदर्शन देने के लिए एक-एक शाखा को अपनाया है। एस.बी.आई.एल.डी. के संकाय सदस्यों ने सार्थक बातचीत के माध्यम से प्रत्येक शाखा के लिए तैयार की गई अनुकूलित कार्य योजना के आधार पर मार्गदर्शन देने के लिए पूरे भारत में मंडल स्तर पर पहचानी गई 691 शाखाओं को अपनाया है।

अन्वेषण - अनुसंधान निष्कर्षों को साझा करने में सुविधा

एस.बी.आई. ने बैंक में जानकारी सम्पन्न निर्णय लेने और बेहतर व्यावसायिक परिणामों के लिए विभिन्न आंतरिक परिचालन अध्ययनों के दौरान उजागर सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रसार के लिए एक ई-प्रकाशन 'अन्वेषण' लॉन्च किया।

नेतृत्व शिक्षण

बैंक ने शीर्ष प्रबंधन और प्रख्यात बाहरी दिग्गजों के साथ नव-पदोन्नत महाप्रबंधकों और उप महाप्रबंधकों के बीच संवादात्मक, वर्चुअल वार्ताओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अनुभव साझा करते हुए नव-पदोन्नत अधिकारियों के नेतृत्व कौशल को तैयार और मज़बूत करना रहा।

अस्तित्व - संवहनीयता पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी

पूरे संगठन में संवहनीयता को प्रोत्साहित करने के लिए एस.बी.आई. ने वर्तमान संवहनीयता मुद्दों, यू.एन. एस.डी.जी. और बैंक में विद्यमान संवहनीयता उपायों पर कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी 'अस्तित्व' लॉन्च की।

स्मार्ट क्लासरूम्स

बैंक के प्रशासनिक, क्षेत्रीय और स्थानीय प्रधान कार्यालयों में स्थापित इस आधारभूत संरचना ने बैंक को नई प्रशिक्षण क्षमताएँ उपलब्ध कराई हैं। वर्तमान में 400 से अधिक स्मार्ट क्लासरूम्स प्रतिदिन 2,000 से अधिक कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रशिक्षण

देश को आत्मनिर्भर बनाने के भारत सरकार के मिशन में योगदान देने के लिए एस.बी.आई. ने 31 मंडल-विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए, जो 1,786 प्रतिभागियों के लिए आयोजित किए गए थे। इनका उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, परिचालन स्टाफ में आत्मविश्वास बढ़ाना और राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ संरेखित योजनाओं का सक्रिय विपणन करने के लिए कार्मिकों को प्रेरित करना था।

ऑडियो ज्ञानार्जन

50 से अधिक एपिसोड के साथ एस.बी.आई.सी.बी.-ऑन-एयर पॉडकास्ट्स के माध्यम से पॉडकास्ट-आधारित ज्ञानार्जन ने 15,000 से अधिक श्रोताओं को आकर्षित किया है । इसी तरह गुरुकुल वाणी - जो ऋण, जोखिम और एन.पी.ए. से संबंधित विषयों को कवर करती है, 54,000 से अधिक श्रोताओं को आकर्षित करने में सफल रही है।

विषय आधारित शुक्रवार

संबन्धित ए.टी.आई. द्वारा साप्ताहिक आधार पर विषय आधारित वेबिनार आयोजित किए जाते हैं। विषय वर्तमान बैंकिंग परिवेश के संबंध में परिचालन स्टाफ की आवश्यकताओं के अनुरूप डिज़ाइन किये गये हैं।

bsi.

Certificate of Registration

QUALITY MANAGEMENT SYSTEM - ISO 9001:2015

This is to certify that:

State Bank Institute of Leadership
Plot No. IIT/2, Street No. 329
Action Area II, New Town, Rajarhat
Kolkata 700 156
West Bengal
India

Holds Certificate No: FS 705186

and operates a Quality Management System which complies with the requirements of ISO 9001:2015 for the following scope:

Providing executive training and services (Non academic program like conferences, seminars, conclaves etc.) for bank's internal employees and external participants of BFSI sector.

For and on behalf of BSI:

Chris Cheung, Head of Compliance & Risk - Asia Pacific

Original Registration Date: 2019-01-01
Latest Revision Date: 2021-11-19

Effective Date: 2022-01-01
Expiry Date: 2024-12-31

Page: 1 of 1

IAF ANAB

...making excellence a habit.

एस.बी.आई.एल., कोलकाता ने वर्ष के दौरान अपना आई.एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणपत्र नवीकृत किया।

GRI 404-2

नेतृत्व एवं उत्तराधिकार योजना

प्रोजेक्ट सक्षम के अधीन एसबीआई की केरियर विकास योजना ने अपने कर्मचारियों के संबंध में डाटा आधारित मूल्यांकनों को सुलभ कराया है। यह प्रणाली विस्तृत वार्षिक सक्षमता मैपिंग फ्रेमवर्क का उपयोग करती है, ताकि सुदृढ़ उत्तरदायित्व , कार्य-निष्पादन दृश्यता और वैयक्तिक एवं संगठनात्मक लक्ष्यों के बीच बेहतर सामंजस्य सुनिश्चित किया जा सके।

बैंक के पास वरिष्ठ नेतृत्व पदों के लिए उत्तराधिकार योजना के संबंध में पूर्व परिभाषित नीति है, जो नई भूमिकाओं में आसान एवं संगठित परिवर्तन सुनिश्चित करती है। उत्तराधिकार योजना के प्रमुख निष्कर्षों का उपयोग बैंक के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को तैयार करने और उन्हे अद्यतन करने के लिए किया जाता है।

कर्मचारियों एवं कामगारों के लिए कार्य निष्पादन और कॅरियर विकास समीक्षाओं के विवरण:

निष्पादन प्रबंधन और पारितोषिक प्रणाली

श्रेणी	वित्त वर्ष 2021 -22			वित्त वर्ष 2020-21		
	कुल कर्मचारी (क)	समीक्षित कार्य निष्पादन (ख)	% (ख/क)	कुल कर्मचारी (ग)	समीक्षित कार्य निष्पादन (घ)	% (घ/ग)
पुरुष	1,79,393	1,35,608	75.59%	1,81,968	1,39,720	76.78%
महिला	64,857	56,907	87.74%	63,684	54,142	85.00%
कुल	2,44,250	1,92,515	78.84%	2,45,652	1,93,862	78.91%

पुरस्कार एवं मान्यता

अध्यक्ष क्लब पुरस्कार

वर्ष के दौरान कई सदस्यों एवं विजेताओं को उनके असाधारण प्रयासों के लिए अध्यक्ष क्लब पुरस्कार प्रदान किए गए

प्रबंध निदेशक क्लब पुरस्कार

कर्मचारियों के उल्लेखनीय कार्य निष्पादन के लिए प्रबंध निदेशक क्लब पुरस्कार

कर्मचारी सहबद्धता

भारतीय स्टेट बैंक अपने कर्मचारियों के लिए सक्रिय सहबद्धता सुनिश्चित करने का प्रयास करता है ताकि अपने कार्य दल में साझा मूल्य प्रणाली एवं उत्पादकता , सृजनशीलता और संतुष्टि को बढ़ावा दे सके।

एसबीआई विज़ार्ड - सकारात्मकता और भावनात्मक स्वस्थता को बढ़ावा देना

कोविड-19 महामारी के दौरान 'एसबीआई विजार्ड्स' नामक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह क्विज एसबीआई की रोमांचक पहल बनी हुई है, जिसमें सहभागी अपने परिवार के एक सदस्य को अपनी टीम में शामिल कर सकते हैं।

अंतर-मंडल खेलकूद प्रतियोगिता

अपने कर्मचारियों में स्वास्थ्य तथा स्वस्थ-स्नेही प्रतियोगी भावना को जागृत करने के लिए एसबीआई ने अंतर मंडल खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जिसमें विभिन्न वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति एवं सहभागिता देखने को मिली।

समावेशन को निर्मित करना

कर्मचारियों के लिए कुछ सहयोगात्मक वेबिनार आयोजित किए गए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दूरस्थ स्थानों से काम करते समय कर्मचारी बैंक के साथ जुड़े रहें। एच आर प्रबन्धकों, आई टी आधिकारियों की विशेष आवश्यकताओं और कोविड-19 के कारण जन्मी मानसिक वेदना को ध्यान में रखते हुए दिव्यांग कर्मचारियों की सहायता के लिए सुग्राहीकरण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

जी हाँ मैं पारिवर्तन ला सकता/सकती हूँ

एसबीआई कर्मचारियों की सफलता की कहानियाँ अन्य कर्मचारियों को नई समस्याओं के नवोन्मेषी एवं व्यावहारिक समाधान ढूँढने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। वार्षिक सफलता की कहानी अभियान 'जी हाँ मैं परिवर्तन ला सकता/सकती हूँ' वित वर्ष 21-22 में आरंभ किया गया ताकि एसबीआई कर्मचारियों से परिवर्तन की प्रेरणास्पद कहानियाँ संग्रहीत की जा सके।

वित्तीय साक्षारता को बढ़ावा देना

एसबीआई ने आवश्यक जीवन कौशल के रूप में वित्तीय साक्षारता को बढ़ावा देने के लिए एनएसई अकादमी के साथ भागीदारी की है। एनएसई नॉलेज हब प्लैटफ़ार्म पर एसबीआई के पाँच व्यापक ऑनलाइन ओपेन कोर्स (एमओओसी) के लिए वित्त वर्ष 2021-22 के लिए शिक्षार्थियों ने नामांकन आरंभ कर दिया है।

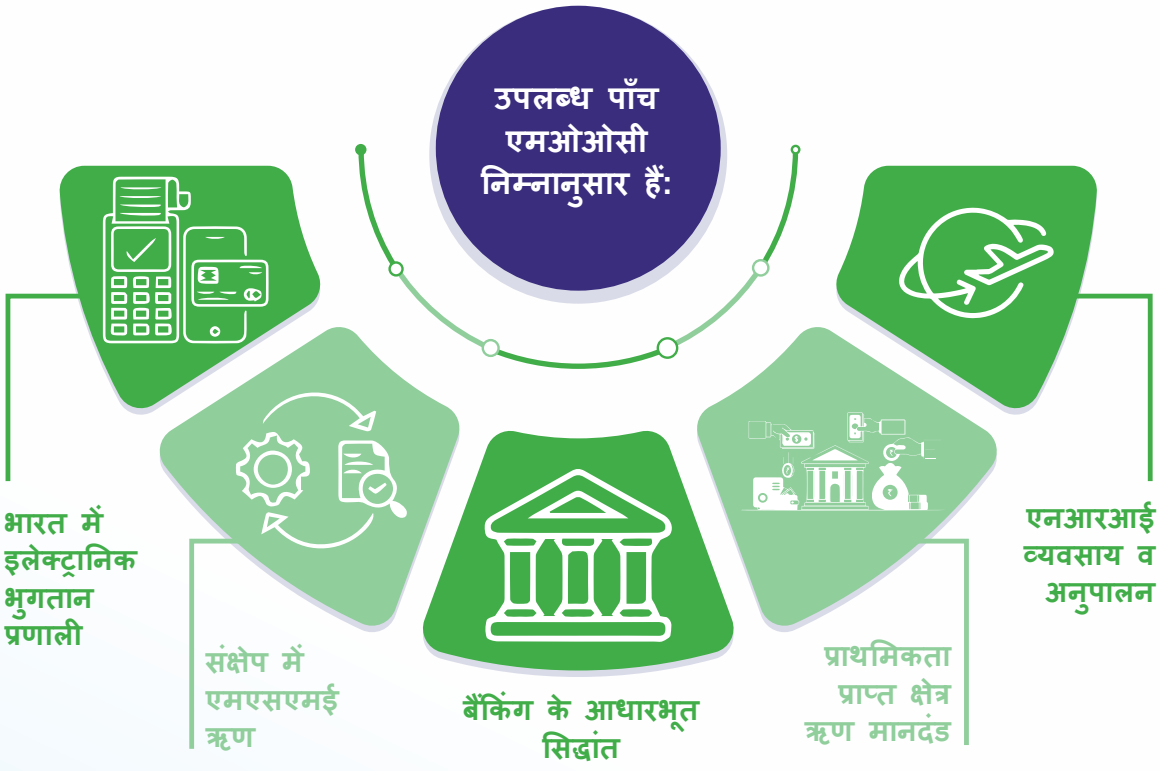

कर्मचारी निबंध प्रतियोगिता

वर्ष 1994 से स्टेट बैंक दिवस समारोह के भाग के रूप में एसबीआई अपने कर्मचारियों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित करता रहा है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए जाते हैं , अँग्रेजी या हिंदी में प्रविष्टियाँ स्वीकार की जाती हैं। इस वर्ष के विषय निम्नानुसार थे:

- सभी श्रेणियों के अधिकारियों के लिए : बैंक कर्मचारियों द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग के लिए सदाचार
- सहयोगियों के लिए : मिल्लेनियल्स के लिए बैंकिंग का भविष्य

विश्व पर्यावरण दिवस पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता

5 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के लिए एसबीआई ने ' पारिस्थितिकी तंत्र के पुनरुद्धार और खराब हो चुके पारिस्थितिकी तंत्र को पुन: जीवंत करना' विषय पर अपने कर्मचारियों के लिए पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की थी।

एसबीआई कर्मचारियों द्वारा बनाए गए कुछ पुरस्कृत पोस्टर

कर्मचारी स्वास्थ्य एवं कल्याण

एसबीआई अप्रत्याशित घटनाओं को ध्यान में रखते हुए अपने कर्मचारियों की सुरक्षा एवं सेहत को सुनिश्चित करने के लिए नीतियों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं को सुदृद करने हेतु बहुत बड़ी मात्रा में संसाधन उपलब्ध कराता है। हालांकि, बीएफएसआई क्षेत्र में प्रमुख स्वास्थ्य एवं सुरक्षा घटनाओं का जोखिम नगण्य है, फिर भी बैंक ऐसी घटनाओं के घटित होने के जोखिम को न्यूनतम करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि पेशाजनित विपत्तियों को घटने ही न दिया जाए ।

आग, इलेक्ट्रिकल शॉक जैसे काम से जुड़े जोखिम और सुरक्षा संबंधी अन्य मुद्दों के अलावा बैंक, श्रमदक्षता तनाव, जीवनशैली संबंधी रोग और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को अपने कर्मचारियों के लिए पेशाजनित स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जोखिमों के रूप में मान्यता प्रदान करता है। एसबीआई ऐसे विभिन्न समस्याओं से निपटने के लिए प्रभावी तरीकों सहित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है, जिनका बैंक के कर्मचारी कार्य करते समय या घर पर सामना कर सकते हैं। वह अपने कर्मचारियों और प्रबंधन के साथ बहुत ही घनिष्ठता से काम करता है ताकि पेशाजनित स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली को सुदृद किया जा सके। इस नीति का सामंजस्य अपेक्षित विधिक मानकों के साथ बिठाया गया है और यह संगठन के भी स्थायी कर्मचारियों के लिए लागू हैं। वर्ष के दौरान न तो कोई बैंक कर्मचारी चोटिल हुआ और न ही किसी की मृत्यु हुई ।

GRI 103-1, GRI 103-2 (Occupational Health and Safety)
GRI 403-1, GRI 403-2, GRI 403-3, GRI 403-4

मातृत्व-पितृत्व अवकाश- 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार काम पर वापस लौटने और स्थायी कर्मचारियों की प्रतिधारण दर

लिंग	काम पर वापस लौटने की दर (%)	प्रतिधारण दर
पुरुष	99.94	100
महिला	99.96	100

बैंक के सभी स्थायी कर्मचारियों को स्वास्थ्य सुविधाओं, मातृत्व एवं पितृत्व सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे बैंक के कर्मचारियों की अच्छी सेहत को सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है ।

सेवानिवृत्ति लाभों के विवरण

श्रेणी	वित्त वर्ष 2021-22		वित्त वर्ष 2020-21	
	लाभ उठाने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत	क्या कटौती की गई और जमा किया गया	लाभ उठाने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत	क्या कटौती की गई और जमा किया गया
पी एफ	100%	हाँ	99.33%	हाँ
ग्रैचुइटी	100%	हाँ	100%	हाँ
ईएसआई	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
एनपीएस	54.92%	हाँ	50.28%	हाँ

एसबीआई कर्मचारियों के लिए कोविड- 19 टीकाकरण ड्राइव

एसबीआई में फिट इंडिया मुहिम

योग दिवस समारोह

एसबीआई ने स्वास्थ्य, प्राणायाम, योग और तनाव प्रबंधन विषयों पर अच्छी सेहत, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर योगक्षेम नामक ऑनलाइन साप्ताहिक वेबिनार शृंखला को चलाया। साथ ही, कर्मचारियों को 21 जून, 2021 को योग दिवस मनाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

साइकल चलाने और दौड़ प्रतियोगिता

फिट इंडिया अभियान के भाग के रूप में एसबीआई ने अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच स्वस्थ और सक्रिय जीवन पद्धति को बढ़ावा देने के लिए साइकल चलाने और दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

GRI 403-6

बचाव और सुरक्षा

एसबीआई में बचाव और सुरक्षा का अत्यधिक महत्व है। बैंक ने अपने कर्मचारियों, अधिकारियों और संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। इस वर्ष बैंक ने एक नई त्रैमासिक सुरक्षा न्यूज़ लेटर आरंभ किया है, जिसे सभी स्टाफ सदस्यों को ई मेल किया जाता है। 'सुरक्षा संदेश' का उद्देश्य अनिवार्य सुरक्षा जोखिमो के बारे में जागरूकता पैदा करना और बैंक में सुरक्षा उपायों के बारे में कार्मिकों को सूचना देना है।

एसबीआई नियमित रूप से अपने सुरक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। इस वर्ष आंतरिक सुरक्षा तथा आंतरिक आपातसमय में बैंक और स्टाफ की भूमिका पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सुरक्षा अधिकारियों को अभिप्रेरित करने, प्रशिक्षित करने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं ताकि वे अपने कार्य को प्रभावशाली तरीके से एवं समुचित सावधानी से कर सकें। एसबीआई ने कार्यालय में लाकिंग व्यवस्था, सुरक्षा उपकरण उपयोग और कुछ अन्य विषयों पर सुरक्षा अधिकारियों के लिए वेबिनार और विडियो कॉल आयोजित किए। 18 से 22 जनवरी, 2022 तक बैंक में सुरक्षा सप्ताह आयोजित की गई।

सुरक्षा नीति, दिशानिर्देश और प्रक्रियायों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एसबीआईएलडी , रांची में सीएसओ वार्षिक सम्मेलन आयोजित की गई।

कर्मचारी परिवाद

एसबीआई ने कार्य के लिए सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक नीतियों के सेट को आरंभ किया है। संजीवनी वेब पोर्टल हेल्पलाइन के जरिए कर्मचारी परिवाद संगृहीत किए जाते हैं। इसमें सेवानिवृत्त कर्मचारियों से भी परिवाद प्राप्त किए जाते हैं। कर्मचारी के मनोबल को बढ़ाने और उनको अपेक्षित सहायता प्रदान करने के लिए यह हेल्पलाइन सलाहकार समर्थन भी प्रदान करता है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान संजीवनी हेल्पलाइन पर 8,156 परिवाद प्राप्त किए गए थे। 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार इनमें से 8014 का समाधान कर दिया गया जबकि 142 समाधान के विभिन्न चरणों में हैं।

श्रेणी	वित्त वर्ष 2021 -22			वित्त वर्ष 2020-21		
	वर्ष के दौरान दायर मामले	वर्ष के अंत तक समाधान लंबित	टिप्पणियाँ	वर्ष के दौरान दायर	वर्ष के अंत तक समाधान लंबित	टिप्पणियाँ
लैंगिक प्रताड़ना	43	05	31 मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार उक्त 5 लंबित मामले समाधान के विभिन्न चरणों में हैं	45	06	वि व 2020-21 के अंत तक लंबित सभी मामलों का समाधान चालू वि व 2021-22 में कर दिया गया।
कार्यस्थल पर भेदभाव	निरंक	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
बाल श्रमिक	निरंक	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
बलात श्रमिक /गैर स्वैच्छिक श्रमिक	निरंक	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
मजदूरी	निरंक	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

एसोसियन की स्वतन्त्रता

एसबीआई एसोसियन की स्वतन्त्रता के अधिकार को मान्यता देता है और उसका सम्मान करता है जिससे कर्मचारियों को प्रबंधन के साथ अपनी आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को शेयर करने मदद मिलती है ।

श्रेणी	वित्त वर्ष 2021 -22			वित्त वर्ष 2020-21		
	कर्मचारी (ए)	संगठन या संघ द्वारा प्रतिनिधित्व किए जा रहे कुल कर्मचारी	% (बी/ए)	कर्मचारी (सी)	संगठन या संघ द्वारा प्रतिनिधित्व किए जा रहे कुल कर्मचारी (डी)	% (डी/सी)
पुरुष	174847	162967	93.21	178640	165188	92.47%
महिला	63747	58833	92.29	63497	57353	90.32%
कुल स्थायी कर्मचारी	238594*	221800	92.96	242137	222541	91.91%

*संविदा पर लिए गए कर्मचारियों और विदेश में पदस्थ अधिकारियों को छोड़कर

GRI 102-41, GRI 406-1

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की देखभाल एवं सहायता

ई-फार्मेसी

एस.बी.आई. ने यू.आर. वर्ल्ड एप्लिकेशन के ज़रिये सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ प्रदान करने के लिए ई-फार्मेसी नामक योजना आरंभ की है। अग्रणी बीमा प्रदाता के साथ बैंक उन कर्मचारियों को औषधि सेवाएँ प्रदान करता है, जो वार्षिक भुगतान योजना का चयन करते हैं। इसके ज़रिये सदस्य पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा जारी वैध प्रिस्क्रिप्शन को अपलोड करके यू.आर. वर्ल्ड के ज़रिये औषधियाँ खरीद सकते हैं।

माय एच.आर.एम.एस.

माय एच.आर.एम.एस. एक एप्लिकेशन है, जिसके ज़रिये एस.बी.आई. के कर्मचारी अपनी पेंशन पर नज़र रख सकते हैं। यह एप्लिकेशन उनके खाते में जमा किए गए पेंशन भुगतानों का अभिलेख रखता है और सेवानिवृत्त कर्मचारी को यह सूचना प्रदान करता है। इसके ज़रिए वे बिना शाखा का दौरा किए वीडियो आधारित पहचान द्वारा अपना जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

सामाजिक एवं संबंध पूंजी का प्रबंधन

बैंक अपने हितधारकों की सफलता सुनिश्चित करता है और अपने कार्यों में उनके हितों को केंद्र में रखता है। एस.बी.आई. अपने उन ग्राहकों, भागीदारों और समुदायों के लिए मूल्य सृजन और उनकी बेहतरी की दिशा में काम करता है, जो बैंक के साथ बने रहे हैं और जिन्होने बैंक को निष्ठावान ग्राहक आधार एवं विविधिकृत व्यवसाय प्रदान किया है, जो तेज़ी से बदलते व्यवसाय परिप्रेक्ष्य के बावजूद एस.बी.आई. की प्रगति में सहायक रहे हैं।

ग्राहक केन्द्रता

एस.बी.आई. की सफलता उसके ग्राहकों के विश्वास एवं निष्ठा पर टिकी हुई है, जिससे बैंक के लिए आवश्यक हो जाता है कि वह ग्राहकों की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए अपने उत्पादों में सुधार करते रहें। बैंक ने स्टाफ प्रशिक्षण एवं विकास, नवोन्मेषन, उत्पाद विकास और वित्तीय साक्षरता अभियानों के रूप में इस दिशा में कदम उठाए हैं।

वर्ष के दौरान ग्राहकों की समस्याओं वाले विषयों का समाधान करने के लिए शाखाओं हेतु व्यापक जागरूकता लाने के लिए प्रॉजेक्ट उत्कर्ष आरंभ किया गया। यह ऐसी पहल थी, जिसका उद्देश्य कर्मचारी ज्ञान में कमी को दूर करना और ग्राहक अनुभव में सुधार करना है। इस परियोजना के भाग के रूप में 11,840 शाखाओं और 54,578 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

GRI 103-1, GRI 103-2 (Customer Satisfaction)

ग्राहकों के साथ सही संसूचना सुनिश्चित करने के लिए एस.बी.आई. विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म, जिनमें से कुछ - ग्राहक सेवा सर्वेक्षण, वृहद ग्राहक बैठक और टाउन हॉल मीटिंग हैं, का उपयोग करता है। एस.बी.आई. की ग्राहक अनुभव उत्कृष्टता परियोजना बैंकिंग अनुभव में सुधार लाने के उसके प्रयासों की आधारशिला है और वह वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य अत्यधिक ज़रूरतमंद ग्राहकों को प्राथमिकता प्रदान करके क्यू प्रबंधन प्रणाली को सरलीकृत करती है। बैंक ने ग्राहक सेवा में सुधार लाने के लिए सामाजिक मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर विभिन्न अभियान आरंभ किए हैं। इस बीच, शाखा कार्य निष्पादन ट्रैकिंग प्रणाली का उपयोग विभिन्न शाखाओं के कार्य निष्पादन की निगरानी एवं प्रबंधन करने, भीड़ न जुटने देने और सेवा गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए किया जाता है। शाखाओं में द्विवार्षिक आधार पर फीडबैक सर्वेक्षण किया जाता है ताकि परियोजना की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने और उसकी दक्षता में सुधार लाने में सहायता मिल सके।

ग्राहकों के पास संपर्क केंद्र, वेबसाइट, एस.एम.एस., ईमेल और शाखाओं या कार्यालयों जैसे माध्यमों के ज़रिए शिकायत करने का विकल्प भी उपलब्ध है। बैंक के संपर्क केंद्र दिन-रात काम करते हैं और हिन्दी और अंग्रेज़ी के साथ-साथ 10 क्षेत्रीय भाषाओं में सेवाएँ प्रदान करते हैं।

इस वर्ष एस.बी.आई. ने ग्राहक सेवा और संतुष्टि में सुधार लाने के लिए 13 विभिन्न भारतीय भाषाओं में एस.एम.एस. भेजने की पहल को आरंभ किया। यह बैंक की विद्यमान टोल-फ्री संख्याओं और पंजीकृत मोबाइल नंबर आधारित सेवाओं के अलावा हैं।

रिपोर्टिंग अवधि में ग्राहकों ने 34,52,782 शिकायतें की। बैंक ने वर्ष के दौरान इनमें से 32,70,570 शिकायतों का समाधान किया, जबकि 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार 1,82,212 शिकायतों का समाधान प्रक्रियाधीन है।

बैंक की अपनी क्षतिपूर्ति नीति भी है, जिसके अंतर्गत बैंक की ओर से सेवा में खामी के कारण हुई हानि या असुविधा के लिए ग्राहक को क्षतिपूर्ति करने की व्यवस्था है। यह नीति भारत में लागू है और ए.टी.एम. एवं डेबिट कार्ड, भारत में देय चेकों का संग्रहण और पेंशन भुगतान में देरी जैसी घटनाएँ इसमें सम्मिलित हैं।

> वर्ष के दौरान प्राप्त ग्राहक शिकायतों में से 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार 95% का समाधान किया गया।

मूल्य शृंखला प्रबंधन

एस.बी.आई., प्रौद्योगिकी और मूलभूत संरचना विकास, डिजिटल सेवाएँ, लेखन सामग्री और उपयोगी सेवाओं तथा मानव पूंजी की प्राप्ति के लिए अपनी मूल्य शृंखला में विभिन्न भागीदारों के साथ काम करता है। बैंक के भागीदार बड़े ग्राहक आधार तक अपने उत्पादों और सेवाओं को व्यापक रूप में ले जाना सुनिश्चित करने में उसकी सहायता करते हैं। इसके अलावा, बैंक के ज्ञान भागीदार नवोन्मेषन और व्यवसाय की श्रेष्ठ प्रथाओं के ज़रिये उसकी प्रस्तुतियों में सुधार लाने में सहायता करते हैं। 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार एस.बी.आई. कॉरपोरेट केंद्र में 5,977 विक्रेता पंजीकृत थे।

एस.बी.आई. समस्त मूल्य शृंखला में अनुपालन की संस्कृति, पारदर्शिता और ज़िम्मेदारी को सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। बैंक अपने सभी विक्रेताओं को ऑनबोर्ड करते समय सरकार द्वारा स्वीकृत चयन प्रक्रिया का पालन करता है। एटीएम, चेकबुक प्रिंटिंग, वसूली तथा समाधान, दस्तावेजों के अरकाइव्स और संपार्श्विक (कोलैटरल) प्रबंधन जैसी आउटसोर्स्ड गैर-आईटी सेवाओं के वेंडरों के लिए भी नियमित लेखापरीक्षा (ऑडिट) की जाती है। वर्ष के दौरान 36196 बी.सी. और सी.एस.पी. और बाहरी स्रोत कार्य से संबंधित 639 विक्रेताओं की लेखापरीक्षा की गई।

सशक्त समुदायों का निर्माण

सर्वहित एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में काम करना एस.बी.आई. की संस्कृति का हिस्सा है। एस.बी.आई. अपनी व्यापक भौगोलिक उपस्थिति और जिन समुदायों को सेवा प्रदान करता है, उनके प्रति अपने दायित्वों का निर्वाह करता है। बैंक पूरे देश में सी.एस.आर. कार्यकलाप करता है और इसके परिणामस्वरूप संपूर्ण भारत में करोड़ों ज़िंदगियों पर छाप छोड़ रहा है।

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए रु. 204.10 करोड़ आबंटित किए गए थे, जिनमें से बैंक के सी.एस.आर. प्रकोष्ठ, एस.बी.आई. फाउंडेशन को रु. 102.56 करोड़ दिए गए। शेष रु. 101.54 करोड़ आर.एस.ई.टी.आई. के कैपेक्स व्यय सहित अन्य प्रत्यक्ष कार्यकलाप हेतु उपयोग में लाए गए।

इस वर्ष बैंक का एक मुख्य लक्ष्य लाभार्थियों को सशक्त करना था, तथा इसी क्रम में बैंक ने अपना पूरा ध्यान स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कौशल विकास, जीविका और पर्यावरण संवहनीयता की दिशा में लगाया। उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं के उन्नयन और सशक्तीकरण पर भी विशेष ज़ोर दिया गया।

इस वर्ष बैंक ने अपनी सी.एस.आर. कार्यों पर रु. 204.10 करोड़ की राशि खर्च की।

एस.बी.आई. ने वित्त वर्ष 2021-22 में 380 सी.एस.आर. कार्यकलापों के ज़रिये 3,886 ग्रामों में 1,97,550 लाभार्थियों की ज़िंदगियों पर प्रभाव छोड़ा।

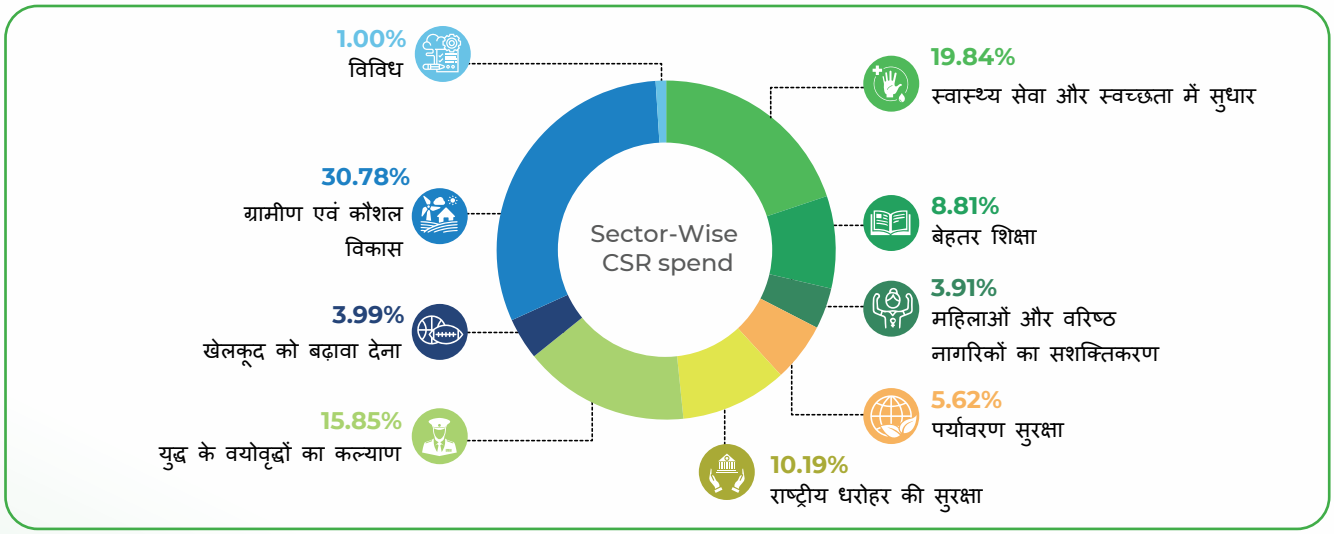

राष्ट्रीय परियोजनाओं में सहयोग

वर्ष के दौरान, एस.बी.आई. ने राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए बहुत बड़ा अनुदान देकर सहयोग किया, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

1. **स्वच्छ गंगा निधि**: बैंक ने करनवास घाट, बुलंदशहर के विकास में सहायता की और इसके लिए रु. 3.21 करोड़ आबंटित किए

2. **राष्ट्रीय संस्कृति निधि**: एस.बी.आई. ने आत्मनिर्भर भारत डिज़ाइन सेंटर, लाल किला के विकास के लिए रु.10 करोड़ आबंटित किए। इस निधि का उपयोग भारतीय हस्तकला और कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है

3. **सांप्रदायिक सौहार्द के लिए राष्ट्रीय फाउंडेशन:** बैंक ने ऐसे बच्चों की शिक्षा के लिए रु. 2 करोड़ आबंटित किए, जिन्होंने दंगों और हिंसा में अपने माता-पिता को खो दिया

National Mission for Clean Ganga
नमामि गंगे

NCF
National Culture Fund

राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान
National Foundation For Communal Harmony

8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH

10 REDUCED INEQUALITIES

14 LIFE BELOW WATER

GRI 103-1, GRI 103-2 (Indirect Economic Impacts, Local Communities), GRI 413-1

सशस्त्र बलों को सहयोग

एस.बी.आई. ने राष्ट्र के रक्षा बलों को सहयोग जारी रखा और इस प्रयोजन हेतु वर्ष के दौरान कई परियोजनाओं की शुरुआत की गई। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं, पर ये केवल इन तक सीमित नहीं हैं:

शिक्षा अनुदान: केंद्रीय सैनिक बोर्ड के ज़रिये भूत पूर्व सैनिकों की संतानों और युद्ध के वयोवृद्धों के आश्रितों को कुल रु. 10 करोड़ दिए गए।

मूलभूत संरचना सहयोग: वर्ष के दौरान एस.बी.आई. ने भारतीय सेना के युद्ध वयोवृद्धों के लिए भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ई.सी.एच.एस.) शेल्टर शेड सृजित करके सहायता की, इससे चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँच आसान हुई। इसके अलावा, बैंक ने रक्षा बलों के सतत समर्थन हेतु अपने सी.एस.आर. कार्यक्रम के अंतर्गत कैंटीन स्टोर विभाग (सी.एस.डी.) की मूलभूत संरचना भी प्रदान की।

दिव्यांगों के लिए केंद्र: मार्च 2022 में बैंक ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एन.एस.जी.) मानेसर को निधियाँ दान दीं, ताकि दिव्यांग बच्चों के लिए पुनर्वास उपकरण सहित प्रेरणा विकास केंद्र को समर्थित किया जा सके।

खेलकूद एवं प्रौद्योगिकी उपकरण: एस.बी.आई. ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.), मुंबई को साइकल, कंप्यूटर एवं प्रॉजेक्टर सहित खेलकूद एवं प्रौद्योगिकी उपकरण दान दिए। यह अंशदान फिट इंडिया मुहिम के अंतर्गत दिया गया और इसका उद्देश्य सी.आई.एस.एफ. कार्मिकों के डिजिटल कौशल में सुधार लाना है।

विशेषीकृत उपकरण दान में देना: बैंक ने एम.ई.जी. केंद्र, बेंगलुरु में दिव्यांग बच्चों के लिए बैटरी चालित वाहन और विशेषीकृत उपकरण दान में दिया।

पक्षाघात सैनिकों के लिए सुविधाएँ: बैंक ने सेना केंद्रीय कल्याण निधि में रु. 4.70 करोड़ का दान दिया, जिसका उपयोग मोहाली में पक्षाघात के शिकार रक्षा कार्मिकों के लिए केंद्र संस्थापित करने के लिए किया गया।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.), मुंबई को सहयोग

सशस्त्र बल फ्लैग डे : रु. 10 करोड़

GRI 413-1

स्वास्थ्य सेवा

स्वास्थ्य सेवा प्रत्येक सुदृढ़ और सशक्त अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। बैंक ने भारत में बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए अस्पतालों, एन.जी.ओ. और इस क्षेत्र में कार्यरत न्यासों को अपेक्षित मूलभूत संरचना प्रदान करने जैसी अनेक पहलें की है।

वर्ष के दौरान इस क्षेत्र में एस.बी.आई. की प्रमुख पहल निम्नानुसार हैं:

- पाँच नियोनेटल वेंटिलेटर, पीडियाट्रिक एडल्ट वेंटिलेटर और एक अनेस्थेसिया मशीन की खरीदी के लिए श्री सत्य साई हार्ट हॉस्पिटल की सहायता की।
- चिकित्सा उपकरण की खरीदी के लिए कोवेल ट्रस्ट की सहायता, कोवेल ट्रस्ट अरविंद नेत्र अस्पताल शृंखला चलाता है, जो बड़ी मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती नेत्र सेवा प्रदान करता है।
- अति-गंभीर रूप से बीमार कैंसर रोगियों के लिए दान द्वारा स्पर्श होसपिस, सेंटर ऑफ पेलिएटिव केयर, हैदराबाद की सहायता की।
- धनवंतरी चैरिटेबल हॉस्पिटल-बेंगलुरु, षन्मुखप्रिय ट्रस्ट मुंबई, षन्मुखनंदा ट्रस्ट-मुंबई, प्रशांति मेडिकल सर्विसेस एंड रिसर्च फाउंडेशन-अहमदाबाद जैसे विभिन न्यासों की सहायता की ताकि वे हॉस्पिटल और उनके द्वारा संचालित स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए अपेक्षित विभिन्न चिकित्सा उपकरणों की खरीदी कर सकें।

प्रशांति मेडिकल सर्विसेस एंड रिसर्च फाउंडेशन, अहमदाबाद को दान

बैंक के तिरुवनन्तपुरम मण्डल द्वारा एंबुलेंस का दान

इंडियन असोसिएशन ऑफ ब्लड कैंसर एंड एलीड डिसीसेज़ को मेडिकल वैन दान दी गई।

GRI 413-1

शिक्षा

राष्ट्र के आर्थिक-सामाजिक ताने-बाने में शिक्षा महत्वपूर्ण एवं सुधारात्मक भूमिका निभाती है और आत्मनिर्भर जीवन सृजित करने में सहायता करती है। इस उद्देश्य के साथ, एस.बी.आई. अल्पसुविधा एवं दूरदराज़ के क्षेत्रों सहित सामाजिक रूप से कमज़ोर समूहों की शिक्षा में सहायता के प्रयास करता है।

वर्ष के दौरान एस.बी.आई. ने निम्नलिखित क्षेत्रों में सहायता प्रदान की:

- ओडिशा और झारखंड के दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के लिए डिजिटल आधारित क्लासरूम स्थापित करने में टाटा स्टील फाउंडेशन की सहायता की।
- "विद्याकिरणम" योजना के अधीन तिरुवनन्तपुरम में वंचित छात्रों को लैपटॉप दान दिया।
- मोबाइल साइंस और मैथ लैब को निर्मित करने में मातृभान सोसाइटी, भुबनेश्वर की सहायता की। ओडिशा के गाँवों और आदिवासी क्षेत्रों में श्री अरबिंदो केंद्रों के छात्रों के लिए यह मोबाइल लैब उपयोग में लाया जाएगा।
- उत्तर प्रदेश की छात्राओं के लिए विभिन्न कस्तूरबा स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूप स्थापित करने के लिए सहायता।
- स्कूल बस की खरीदी के लिए सेल्फ रिलायंस एंडोवर फॉर एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट को दान दिया। इस बस का उपयोग कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की सीमाओं में स्थित गाँवों से छात्रों को कॉलेज तक पहुँचाने में किया जाएगा।
- 100 से अधिक वंचित स्कूली बच्चों को नए कपड़े एवं लेखन सामग्री दान में दी गई। एस.बी.आई. के स्टाफ सदस्यों ने भी इस नेक काम में स्वैच्छिक रूप से अंश दान दिया।

स्मार्ट क्लासरूम्स की स्थापना हेतु उत्तर प्रदेश के कस्तूरबा गर्ल्स स्कूल को सहायता।

GRI 413-1

महिला सशक्तीकरण

अपने समुदायों को सशक्त करने के लिए प्रशिक्षण के ज़रिए एस.बी.आई. द्वारा व्यावसायिक कौशल प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जाता है, जो कि महिलाओं को वित्तीय रूप से स्वतंत्र होने में सहायता करता है। वर्ष के दौरान बैंक ने निम्नलिखित पहल की -

- करीमनगर, तेलंगाना में भरोसा केंद्र स्थापित करने के लिए रु. 1.70 करोड़ का दान दिया। भरोसा हिंसा द्वारा प्रभावित महिलाओं और बच्चों को एकीकृत समर्थन एवं सहायता प्रदान करने के लिए तेलंगाना राज्य पुलिस द्वारा स्थापित पंजीकृत सोसायटी है। यह केंद्र चिकित्सा, विधिक, मनोचिकित्सकीय और परामर्श सहायता सहित सेवाओं की श्रेणी तक तुरंत पहुँच सुलभ कराते हैं। विभिन्न कार्यक्रमों के ज़रिए भरोसा केंद्रों की संस्थापना से अब तक 10,000 से ज़्यादा प्रभावितों को सहायता प्रदान की गई है।
- सच्ची सहेली, समाज शक्ति सोसायटी और सिल्वर लाइनिंग जैसे एन.जी.ओ. को सहायता प्रदान की। इस सहायता में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सशक्तिकरण, आजीविका और शिक्षा जैसे कुछेक पहलू शामिल हैं।
- हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला, रैत और नाग्रोटा में सीमांत परिवारों की महिलाओं और बच्चों को पोषक किट और चिकित्सा सामग्रियाँ उपलब्ध करवाई गईं।

एस.बी.आई. के हैदराबाद मंडल ने तेलंगाना राज्य में भरोसा केंद्र (महिला समर्थन कक्ष) की स्थापना के लिए दान दिया।

एस.बी.आई. के पटना मंडल ने नेतरहाट ओल्ड बॉयज़ असोसिएशन, ग्लोबल सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (एन.ओ.बी.ए.जी.एस.आर.) को 50 सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन दान दिए।

GRI 413-1

खेलकूद को बढ़ावा देना

एस.बी.आई. ने जूडो मैट, स्ट्रेन्थ एंड कंडीशिनंग इक्विप्मेंट और चार बहुविध वाहनों की खरीदी के लिए इन्स्पायर इंस्टिट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, बेंगलुरु की सहायता की।

बैंक ने दिव्यांग खिलाड़ियों को विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए व्हीलचेयरों की खरीदी हेतु प्रॉजेक्ट मुंबई को दान दिया, ताकि वह व्हीलचेयर बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं में भाग ले सके। यह पहल प्रतियोगी प्रशिक्षण और ऐसी प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने के लिए लक्षित है जो इच्छुक खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए है और राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने के उनके सपने को समर्थन प्रदान करती है।

दिव्यांग छात्रों को व्हीलचेयर का दान।

दिव्यांग व्यक्तियों का कल्याण

बैंक दिव्यांग व्यक्तियों की बेहतरी सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत है। इस क्षेत्र में एस.बी.आई. द्वारा वर्ष के दौरान की गई पहल निम्नानुसार हैं:

- मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए स्कूल बस की खरीदी के लिए लक्ष्य साधना सोसायटी की सहायता।
- राजस्थान महिला कल्याण मंडल, अजमेर को 25 सीटों वाली बस उपलब्ध करवाने के लिए सहायता प्रदान की, ताकि मानसिक रूप से विकलांग बच्चे स्कूल तक जा सकें।
- दिव्यांग और वंचित बच्चों के लिए आस्था, कालकाजी दिल्ली को उसके द्वारा चलाए जा रहे 6 केंद्रों के लिए विभिन्न फिक्सचर, फर्नीचर, कंप्यूटर और एक वैन की खरीदी के लिए दान दिया गया।

मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए लक्ष्य साधना सोसायटी को स्कूल बस दान में दिया जाना।

स्वच्छ भारत, पर्यावरणीय संवहनीयता और स्वच्छता

बैंक इस बात को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सुरक्षित, स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण प्रत्येक व्यक्ति की पहुँच में हो। इस दिशा में बैंक द्वारा किया गया प्रयास है- सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और बिन उपलब्ध कराना। साथ ही, बैंक ने लेप्रसी मिशन ट्रस्ट में आसान पहुँच वाले शौचालयों के निर्माण एवं नवोन्मेषन में सहायता की है।

इस क्षेत्र में प्रमुख पहलें निम्नलिखित हैं:

- तिरुवनन्तपुरम स्थित विभिन्न अनाथालयों में सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम की स्थापना एवं संस्थापना में सहायता।
- डेल्ही काउंसिल फॉर चाइल्ड वेल्फेयर को उक्त कल्याण ट्रस्ट द्वारा स्थापित व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों के लिए तीन सोलर पावर प्लांटों की संस्थापना के लिए दान।
- सुगम जागृति, पटना को शहर के इर्द-गिर्द 240 स्टेनलेस स्टील वेस्ट बिन की संस्थापना हेतु सहायता।
- खुर्दा ज़िला, ओडिशा की 27 ग्राम पंचायतों में हाई मास्ट सोलर लाइटों की खरीदी एवं संस्थापन हेतु सहायता।
- नल्लामला जंगल (नागार्जुनसागर श्रीशैलम टाइगर रिज़र्व) में वन्यजीवों को जल उपलब्ध करने हेतु सोलर बेस्ड डीप वेल पंपिंग सिस्टम की स्थापना हेतु वर्ल्ड वाइड फ़ंड में सहायता।
- एस.बी.आई. ने इस वर्ष प्लास्टिक रिसाइक्लिंग मशीनें भी दान दीं।

नेचर इंडिया के लिए वर्ल्ड वाइड फ़ंड को 15 लाख रुपये का दान

पशु कल्याण

एस.बी.आई. ने पशु कल्याण के क्षेत्र में भी कई कदम उठाए हैं, जिनमें से कुछ विभिन्न चिड़ियाघर, पार्कों और पशु विश्राम गृहों के ज़रिये बाघों और अन्य विलुप्त प्राय जंतुओं को गोद लेना है। बैंक ने एक पशु एंबुलेंस के लिए हेल्प इन सफरिंग को दान दिया, जो आवारा पशुओं को चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान कर सकते हैं, यह अन्य पहल में से है।

एस.बी.आई. बाल कल्याण निधि

बैंक ने अपने कर्मचारियों के स्वैच्छिक योगदान का उपयोग करते हुए 1983 में एस.बी.आई. बाल कल्याण निधि की स्थापना की। कॉर्पस पर प्राप्त ब्याज राशि का उपयोग वंचित और अनाथ बच्चों का कल्याण करने की दिशा में काम करने वाले संस्थानों की सहायता करने के लिए किया जाता है। वित्त वर्ष 2021-22 में, एस.बी.आई. ने इस निधि के माध्यम से देशभर के सात संस्थानों को ₹65.81 लाख से अधिक का योगदान दिया। इसमें प्रेरोणा प्रतिबंधि शिशु बिकास केंद्र, ज्योति सरूप कन्या आसरा सोसायटी, परिचय फाउंडेशन और पाणिनी कन्या महाविद्यालय जैसी अन्य संस्थाओं को दिया गया दान शामिल था।

दान उत्सव

एस.बी.आई. ने 2 अक्तूबर 2021 से 8 अक्तूबर 2021 तक दान उत्सव मनाया। कर्मचारियों ने स्वेच्छा से कपड़े, खाद्य सामग्री, लेखन सामग्री और अन्य उपयोगी वस्तुओं का दान किया, जिसे बाद में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों को दान कर दिया गया। इस कार्यक्रम में सभी मंडलों और शाखा कार्यालयों के कर्मचारियों ने भाग लिया।

संग्रहित सामग्री कॉरपोरेट केंद्र से झंडी दिखाकर रवाना किए जाने का दृश्य।

विदेश स्थित कार्यालयों द्वारा सी.एस.आर. कार्यकलाप

एस.बी.आई. ने प्रथम यू.के. के शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में भारत में लगभग 3,000 बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं के लिए दान के माध्यम से सहयोग किया। इसके अतिरिक्त, बैंक के यू.के. परिचालन ने वैश्विक सेवा संस्था सेव द चिल्ड्रन के लिए 2000 पौंड जुटाए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, एस.बी.आई. यू.के. ने स्तन कैंसर के उपचाराधीन महिलाओं की सहायता के नेटवर्क सकून को 1,500 पौंड का चेक दान किया और कर्मचारियों के लिए स्तन कैंसर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया।

शताब्दी समारोह के अंतर्गत बैंक के यू.के. परिचालन ने 100 वृक्ष लगाकर कर्मचारियों को स्थानीय परिषद के वृक्षारोपण अभियान का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

GRI 413-1

एस.बी.आई. के शंघाई परिचालन ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अधिक समावेशी ज्ञानार्जन, शैक्षिक और सामाजिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए शंघाई सूंग चिंग लिंग फाउंडेशन को 5,000 आर.एम.बी. की राशि का दान दिया।

एस.बी.आई. के ऑस्ट्रेलिया परिचालन ने 22,000 सेवारत और सेवानिवृत्त एन.एस.डब्ल्यू. पुलिस अधिकारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले द पुलिस एसोसिएशन ऑफ न्यू साउथ वेल्स (एन.एस.डब्ल्यू.) की वार्षिक पत्रिका को प्रायोजित किया। इसके अलावा, इसने ऑस्ट्रेलिया इंडिया बिज़नेस एंड ट्रेड फाउंडेशन (ए.आई.बी.टी.एफ.) द्वारा आयोजित कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत का समर्थन करने वाले एक कार्यक्रम को प्रायोजित किया। एस.बी.आई. के सिडनी कार्यालय ने महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास की दिशा में काम कर रहे सिडनी स्थित गैर-लाभकारी समूह तमिल वालाराची मनरम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को प्रायोजित किया।

एस.बी.आई. के बांग्लादेश परिचालन ने वर्ष के दौरान एक विशेष सी.एस.आर. निधि के रूप में बी.डी.टी. 1.01 करोड़ आबंटित किए और बांग्लादेश के कोविड प्रभावित शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों, स्वास्थ्य सुरक्षा वस्तुओं और चिकित्सा उपकरणों के वितरण के लिए बांग्लादेश में विभिन्न स्थानों पर सी.एस.आर. गतिविधियों का संचालन किया।

एस.बी.आई. फाउंडेशन

वर्ष 2015 में बैंक और उसकी अनुषंगियों की सी.एस.आर. पहलों को युक्तिसंगत बनाने के उद्देश्य से धारा VIII कंपनी के रूप में एस.बी.आई. फाउंडेशन की स्थापना की गई। उक्त फाउंडेशन बैंक की लोकनीति "बैंकिंग से आगे सेवा" के अनुरूप और समवेशी वातावरण सृजित करने की दिशा में यह फाउंडेशन सामाजिक और विकासात्मक क्षेत्रो में प्रभावकारी संस्थाओं के साथ रणनीतिक भागीदारियों के ज़रिए मूल्य की प्राप्ति के लिए देशभर में काम करता है।

प्रॉजेक्ट गिफ्ट होप, गिफ्ट लाइफ

एस.बी.आई. फाउंडेशन ने मोहन फाउंडेशन के साथ भागीदारी में एस.बी.आई. कार्ड की सहायता से भारत में अंगदान करने के लिए पंजीकरण हेतु डिजिटल प्लेटफॉर्म आरंभ किया है। बैंक ने दिसंबर, 2021 से फरवरी, 2022 तक सभी एस.बी.आई. मंडलों के लिए अंगदान पर राष्ट्रीय जागरूकता अभियान आयोजित किया। एस.बी.आई. के स्टाफ सदस्यों और उनके परिवारों, मित्रों एवं रिश्तेदारों को जागरूक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए कार्यशालाओं की शृंखला आरंभ की गई।

महामारी रोकथाम का निधीयन

एस.बी.आई. ने सी.एस.आई.आर. - कोशिकीय और आणविक जीवविज्ञान केंद्र के साथ सहभागिता में 'एस.बी.आई फाउंडेशन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर जीनोमिक्स-गाइडेड पैंडेमिक प्रिवेन्शन' का शुभारंभ किया और इस परियोजना के लिए रु. 9.94 करोड़ का अनुदान दिया।

रक्त आधान की सुरक्षा बढ़ाना

एस.बी.आई. ने टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ सहभागिता में और डिस्काउंट एंड फाइनान्स हाउस ऑफ इंडिया (डी.एफ.एच.आई.) की सहायता से प्रॉजेक्ट एन.ए.टी. (न्यूक्लीक एसिड एंप्लीफिकेशन टेस्ट) आरंभ किया। इसका उद्देश्य उपचार में इन्फेक्शन का प्रारंभिक चरण में पता लगाकर रक्त आधान को सुरक्षित बनाना है। ऐसी उम्मीद है कि इस परियोजना से 50,000 कैंसर रोगियों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

GRI 413-1

नवोन्मेषन और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना

एस.बी.आई. फाउंडेशन ने सोशेल अल्फा के साथ सहभागिता में एस.बी. आई. फाउंडेशन द्वारा असिस्टिव टेक्नोलॉजी चैलेंज में टेक्टोनिक इन्नोवेशन को आरंभ किया। इस पहल के अधीन एस.बी.आई. ने ऐसे उत्पादों और सेवाओं पर कार्य कर रहे नवोन्मेषकों और उद्यमियों की सहायता की, जो दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा झेली जा रही मुसीबतों का समाधान करते हैं। इसका उद्देश्य आरंभिक चरण की असिस्टिव टेक्नोलॉजी स्टार्ट अप की अनुदान के ज़रिये सहायता करना है, जो आइडिएटिंग, प्रोटोटाइपिंग और वृद्धि को सुलभ कराते हैं।

फ्लैगशिप कार्यक्रम

यूथ फॉर इंडिया (वाई.एफ.आई.)

यह 13 माह की फेलोशिप है, जो भारत के होनहार युवा मस्तिष्कों को ग्रामीण समुदायों के साथ जुड़ने और उनके उत्थान के लिए कार्य करने हेतु एक ढांचा प्रदान करता है। चयनित अभ्यर्थियों को 12 सहभागी एन.जी.ओ. के साथ चुनौतीपूर्ण विकास परियोजनाओं पर कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है। इससे युवा के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म सृजित होता है, जिससे वे ज़मीनी हकीकत से अवगत होते हैं और उन्हें सशक्त समुदायों को निर्मित करने में योगदान देने का अवसर भी मिलता है। वाई. एफ.आई. अल्यूमनी में 452 जोशीले सदस्य हैं, जिनमें से 70 प्रतिशत फेलोशिप उपरांत विकासात्मक क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। 80 सदस्यों वाला नौवां समूह 15 राज्यों में 45 विविध भौगोलिक स्थानों में समुदायों की सेवा में लगा हुआ है।

ग्राम सेवा

ग्राम सेवा, जो कि बैंक का फ्लैगशिप कार्यक्रम है, समावेशी ग्रामीण विकास और आय असमानताओं को कम करने के लिए वर्ष 2017 में आरंभ की गई। इस पहल का उद्देश्य डिजिटिकरण, मूलभूत संरचना सुधार और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच के ज़रिए गाँव में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना, संवहनीय आजीविका प्रथाओं को बढ़ावा देना और ग्रामीण महिला और युवा का सशक्तीकरण है।

एस.बी.आई. ग्राम सेवा का कार्यान्वयन लगभग 100 गाँवों में हुआ है और इसकी भागीदारी देशभर के कई एन.जी.ओ. के साथ है।

वित्त वर्ष 2021-22 में इस कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन किया गया, जिसमें ग्राम सेवा को व्यापक रणनीति, प्रभावी कार्यान्यवन, निवेश पर सामाजिक प्रतिलाभ और संवहनीयता की दृष्टि से काफी ऊँचा आंका गया है। ग्राम सेवा ने अपने आरंभ से ही विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर प्रशंसा और पुरस्कार प्राप्त किए।

विगत 3 वर्षों से ए.बी.आई. फाउंडेशन ने गाँवों में प्रशंसनीय प्रभाव छोड़ा है, 16 राज्यों में 20,322 परिवारों, और 1,13,010 लाभार्थियों की ज़िंदगियों पर छाप छोड़ी है।

GRI 413-1

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र

उत्कृष्टता केंद्र (सी.ओ.ई.) का लक्ष्य दिव्यांग व्यक्तियों के कौशल को बढ़ावा देकर उनको सशक्त बनाना है और उनके ज्ञान संबंधी कौशल, भौतिक, सामाजिक और व्यावसायिक कार्य को अनुकूलतम बनाकर उनके जीवन में सुधार लाना है। वित्त वर्ष के दौरान सी.ओ.ई. ने सामूहिक रूप से पी.एस.बी. और आर.आर.बी. में 712 कर्मचारियों के लिए 29 प्रशिक्षण कार्यक्रम, पी.एस.बी. से 168 सहभागियों के लिए 6 वेबिनार और पी.एस.बी. के एच.आर. अधिकारियों के लिए 4 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

भुवनेश्वर, ओडिशा में वृद्धि प्रशिक्षण-सह-उत्पादन केंद्र: बौद्धिक दिव्यांग व्यक्ति साबुन और अगरबत्ती बनाते हुए

एस.बी.आई. फाउंडेशन के ज़रिए बैंक द्वारा निधिकृत अन्य कार्यक्रम निम्नानुसार हैं। इनका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों का समावेशन और सशक्तिकरण है:

- **ए.एम.बी.ए. द्वारा सशक्तीकरण:**

  एस.बी.आई. फाउंडेशन और ए.एम.बी.ए. ने दो साल के लिए वैकल्पिक शिक्षण विधियों के माध्यम से बौद्धिक विकलांग 1,200 व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने और रोज़गार देने के लिए हाथ मिलाया। इस सहायता का उपयोग 10 नए ए.सी.पी.सी. (ए.एम.बी.ए. प्रमाणित भागीदार केंद्र) स्थापित करने और 50 मौजूदा ए.सी.पी.सी. को फिर से शुरू करने के लिए आवर्ती व्यय के लिए किया जाएगा।

- **एस.बी.आई. फाउंडेशन टेकटोनिक - सहायक प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप के लिए बड़ी चुनौती:**

  फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड सोशल एंटरप्रेन्योरशिप (एफ.आई.एस.ई.) के साथ साझेदारी में, एस.बी.आई. फाउंडेशन चार प्रारंभिक चरण के सहायक प्रौद्योगिकी नवोन्मेषन का सहयोग कर रहा है, जो विकलांगता क्षेत्रों जैसे कि लोकोमोटर विकलांगता, भाषण और श्रवण, दृष्टि हानि और विकास संबंधी विकारों पर काम कर रहे हैं। इससे 200 दिव्यांगों को तुरंत और 2000 दिव्यांगों को 3 वर्षों की अवधि में लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है।

- **वृद्धि प्रशिक्षण-सह-उत्पादन केंद्र:**

  वृद्धि उत्पादन-सह-प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए एस.बी.आई. फाउंडेशन ने ग्राम विकास का सहयोग किया। केंद्र का उपयोग दिव्यांग को प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें आंतरिक निर्माण केंद्र में काम के अवसरों तक पहुँच प्रदान करने के लिए किया जाएगा।

- **दिव्यांगों का पुनर्वास:**

  मस्तिष्क आघात और रीढ़ की गंभीर चोटों से पीड़ित 2000 दिव्यांगों को 7000 पुनर्वास सत्रों के माध्यम से पुनर्वास सेवा देने की पहल, चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ- वन-टु-वन परामर्श और मस्तिष्काघात जैसे अभिशाप के बारे में शिक्षित करने के लिए जागरुकता कार्यकर्मो का आयोजन।

- **डॉ. एस.आर.चंद्रशेखर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग की क्लिनिकल सेवाओं का उन्नयन:**

  एस.बी.आई. फाउंडेशन ने बैंगलोर स्पीच एंड हियरिंग ट्रस्ट के साथ भागीदारी की है ताकि संस्थान को भाषण, श्रवण, भाषा और संचार की दृष्टि से दिव्यांग व्यक्तियों को उन्नत सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम बनाया जा सके। इस परियोजना से बेंगलुरु शहरी क्षेत्र के आर्थिक रूप से पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों के 4,700 से अधिक लाभार्थी लाभान्वित होंगे।

- **स्कूल फॉर पोटेंशियल एडवांसमेंट एंड रिस्टोरेशन ऑफ कॉन्फिडेंस (स्पार्क):**

  एस.बी.आई.एफ. ने लखनऊ के सरकारी प्राथमिक स्कूलों में समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्पार्क इंडिया के साथ साझेदारी की है। कार्यक्रम का उद्देश्य 20 प्राथमिक स्कूलों को दिव्यांग बच्चों के लिए समावेशी स्कूलों में विकसित करना, क्षमता निर्माण करना, वकालत करना और दो साल की अवधि के लिए संबंधित हितधारकों को संवेदनशील बनाना है।

GRI 413-1

हेल्थकेयर फ्लैगशिप प्रोग्राम

फाउंडेशन ने कोविड-19 महामारी की प्रतिक्रिया के रूप में एक नया प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रम आरंभ किया, जिसका उद्देश्य सभी के लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के लिए समान विचारधारा वाले संगठनों के साथ साझेदारी करना है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, फाउंडेशन ने अंग दान, मोबाइल चिकित्सा इकाइयों की स्थापना और न्यूक्लीक एसिड एम्प्लिफिकेशन टेस्ट जैसी विभिन्न पहलों की सहायता करने के लिए 14 परियोजनाओं को संस्वीकृति दी। कोविड-19 महामारी से लड़ने के अलावा, भारत स्वास्थ्य गठबंधन अभिनव वित्त के साथ-साथ नवोन्मेषनों और अत्याधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है, जो देश में स्वास्थ्य प्रणालियों को सशक्त बना सकते हैं।

कोविड-19 राहत गतिविधियों के लिए रु. 71 करोड़ आबंटित किए गए। की गई पहलों में कोविड-19 देखभाल केंद्रों और आई.सी.यू. सुविधाओं में बिस्तरों की व्यवस्था, वेंटिलेटर और स्वास्थ्य उपकरण, पी.पी.ई. किट का प्रावधान और महामारी के दौरान छह लाख से अधिक लोगों को भोजन का वितरण शामिल है।

अन्य परियोजनाएँ

इस वर्ष, महाराष्ट्र के ठाणे ज़िले में तस्करी और हिंसा से बचे लोगों को प्रासंगिक प्रशिक्षण, शिक्षा और स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करके समाज के साथ फिर से जोड़ने के लिए एक विशेष पहल की गई थी।

इसके अतिरिक्त, फाउंडेशन ने अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट और कर्णम मल्लेश्वरी फाउंडेशन के साथ साझेदारी में तेरह एथलीटों की सहायता करने वाली दो परियोजनाओं का सहयोग किया। 30 पैरा-एथलीटों को सहायता दी गई, जो अंतर्राष्ट्रीय बहु-खेल आयोजनों में पदक की संभावनाएँ पैदा कर सकते हैं।

फाउंडेशन ने फलदार वृक्ष लगाने और मेलघाट तथा सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व के बीच एक महत्वपूर्ण टाइगर कॉरिडोर को सुरक्षित करने के लिए ₹1 करोड़ की दो परियोजनाओं को भी मंज़ूरी दी। वर्ष के दौरान, सिक्किम और खांगचेंदज़ोंगा राष्ट्रीय उद्यान के दार्जिलिंग-कालिम्पोंग क्षेत्र में लाल पांडा प्रजातियों के संरक्षण को सहयोग और मज़बूती प्रदान करने के लिए एक पहल भी आरंभ की गई थी।

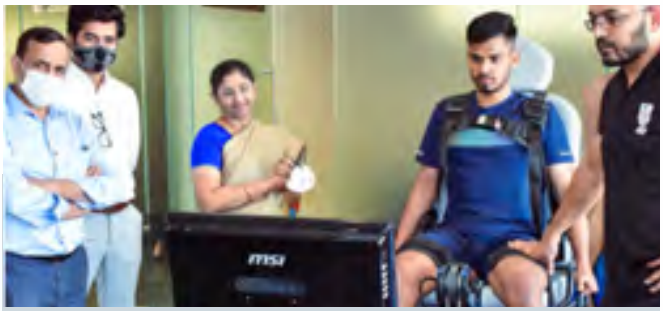

स्टीम स्कॉलरशिप (अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन) के माध्यम से, विभिन्न एथलीटों को अपने कोचों के परामर्श से अपने लक्ष्यों के आधार पर खेल विज्ञान सुविधाओं और अनुकूलित खेल-विशिष्ट दिनचर्या तक पूर्ण पहुँच प्राप्त है।

एस.बी.आई. फाउंडेशन और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (आई.आई.बी.एफ.) ने समाज में तस्करी और हिंसा से बचे 40 लोगों को समाज से फिर से जोड़ने के लिए क्षमता एन.जी.ओ. के साथ भागीदारी की।

GRI 413-1

बौद्धिक पूंजी प्रबंधन

बौद्धिक पूंजी प्रबंधन के प्रति एस.बी.आई. का दृष्टिकोण अपने ग्राहकों के लिए उत्पादों में सुरक्षित तरीके से क्रांति लाना है। बी.एफ.एस.आई. क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकी और नवोन्मेषन को अपनाने से एस.बी.आई. को सबसे आगे रहने में सहायता मिली है और बैंक को निरंतर विकसित हो रहे व्यवसाय परिदृश्य के साथ गति बनाए रखने में सहयोग मिला है।

डेटा गोपनीयता

28 जनवरी 2022 को, एस.बी.आई. ने डेटा गोपनीयता दिवस मनाया, जिसके उपलक्ष्य में कर्मचारियों ने गोपनीयता की शपथ ली। उन्होंने डेटा गोपनीयता और जी.डी.पी.आर. पर एक पखवाड़े तक चली ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी में भी भाग लिया। यह डेटा सुरक्षा उपायों और डेटा गोपनीयता पर मौजूदा विधियों और विनियमों की आवश्यकता पर कर्मचारियों की व्यापक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था।

बैंक के पास एक बोर्ड-अनुमोदित सूचना और साइबर सुरक्षा नीति तथा मानक हैं, जो किसी भी सुरक्षा व्यवधान या उसी के बारे में चिंताओं के मामले में उन्हें अगले उच्च अधिकारियों के ध्यान में लाने की प्रक्रियाओं का विवरण देते हैं। बैंक में एक मज़बूत व्यवसाय स्थिरता और आकस्मिक योजना व घटना प्रतिक्रिया पद्धति है, जिसे आवधिक रूप से सत्यापित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, एस.बी.आई. की आई.टी. रणनीति समिति व्यवसाय में बाधा और प्रणाली के बाधित होने के प्रतिकूल परिणामों को कम करने के लिए एक त्रैमासिक एकीकृत व्यवसाय निरंतरता अभ्यास का आयोजन करती है।

बैंक द्वारा संभाले जाने वाले डेटा की मात्रा में वृद्धि भंडारण और प्रसंस्करण को एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बना देती है। यह, वर्तमान व्यापक आर्थिक परिदृश्य के अलावा, एक अच्छी तरह से तैयार डेटा प्रबंधन प्रणाली की माँग करता है, जो डिजिटल परिवर्तन और व्यावसायिक नवोन्मेषन का एक प्रमुख वाहक बन गया है।

डेटा प्रबंधन में कई सुरक्षा जोखिम भी होते हैं जो हाल के दिनों में बहुत महत्वपूर्ण हो गए हैं। अत्यधिक विनियमित क्षेत्र में इसके संचालन के कारण कई निवेशक समूहों ने डेटा गोपनीयता और सुरक्षा जोखिमों, अनुपालन और विधिक मुद्दों पर एस.बी.आई. का परीक्षण किया है। एस.बी.आई. ने लाभों को भुनाने और जोखिमों को कम करने के लिए एक मज़बूत डेटा गोपनीयता और सुरक्षा रणनीति बनाई है। भारतीय बी.एफ.एस.आई. क्षेत्र में अग्रणी के रूप में, इसने एक मजबूत डेटा शासन संरचना की स्थापना की है और मुख्य डेटा प्रबंधन अधिकारी की अध्यक्षता में एक डेटा प्रबंधन कार्यालय की स्थापना की है। एक एपेक्स-लेवल डेटा गवर्नेंस काउंसिल (ए.डी.जी.सी.) डेटा गवर्नेंस काउंसिल (डी.जी.सी.) के समर्थन से डेटा गवर्नेंस के लिए फ्रेमवर्क चलाती है। इस दृष्टिकोण के माध्यम से बैंक जटिलता को कम करने, डेटा गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा अपनी डेटा आस्तियों के समग्र उपयोग में सुधार करने में सक्षम है।

आईटी से संबंधित जोखिम का आकलन करने के लिए शाखाओं का जोखिम केन्द्रित आंतरिक लेखा परीक्षा(RFIA) के तहत आईएस ऑडिट किया जाता है । केंद्रीकृत आईटी प्रतिष्ठानों का आईएस ऑडिट योग्य अधिकारियों की एक ऐसी टीम द्वारा किया जाता है,जिनमे लेटरल भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्त ऑडिटर शामिल होते हैं। इसके अलावा, बैंक की साइबर सुरक्षा नीति के अनुसार वार्षिक आधार पर साइबर सुरक्षा लेखा परीक्षा की जाती है ।

एसबीएसओसी और आईएसडी

बैंक ने रियल टाइम निगरानी, विश्लेषण, सामंजस्य और घटना प्रबंधन के लिए स्टेट बैंक सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (एसबीएससी) की स्थापना की है। यह एसबीएससी सिस्टम पर वायरस संक्रमण, गलत लॉगिन प्रयासों और अन्य अनधिकृत गतिविधियों का पता लगा सकता है। आईटी सुरक्षा में सुधार के लिए नियमित अंतराल पर आंतरिक लेखा परीक्षा किए जाते हैं।

बैंक के सूचना सुरक्षा विभाग के प्रमुख मुख्य महाप्रबंधक और समूह सीआईएसओ हैं। इस विभाग का कार्य अनधिकृत पहुंच, प्रकटीकरण, व्यवधान, संशोधन, निरीक्षण, रिकॉर्डिंग या सूचना को नष्ट होने से रोकना है। प्रभावी रूप से कामकाज करने के लिए इस विभाग को तीन अलग-अलग खंडों में बांटा गया है:

- **सूचना सुरक्षा परिचालन** सभी आईटी गतिविधियों के लिए 'टोल-गेट' के रूप में कार्य करता है। यह जोखिमों की निगरानी और मूल्यांकन कर संभावित नकारात्मक प्रभावों का शमन सुनिश्चित करता है।
- **सुरक्षा परिचालन** केंद्र आईएसओ 27001:2013 प्रमाणित है। यह मजबूत प्रक्रियाओं और तकनीकी समाधानों के माध्यम से साइबर सुरक्षा घटनाओं का पता लगाने, विश्लेषण करने, बचाव करने तथा जांच कर उसकी रिपोर्ट करने में मदद करता है।
- **साइबर सुरक्षा विंग** आंतरिक नैतिक हैकिंग और रेड टीमिंग अभ्यासों का संचालन करता है।

साइबर अपराधों से निपटने के लिए गृह मंत्रालय ने एक साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल शुरू किया है। इस नई पहल के लिए बैंक का सहयोग सुनिश्चित करने के लिए 17 सर्किलों में साइबर क्राइम सेल स्थापित किए गए हैं। ये चौबीसों घंटे काम करते हैं, जो साइबर धोखाधड़ी पर ग्राहकों की शिकायतों को संभालते हैं। 31 मार्च 2022 तक कुल 89,871 शिकायतों पर विचार किया जा चुका है।

बैंक के कर्मचारियों, समूह इकाइयों और विक्रेता भागीदारों के लिए आईएस सुरक्षा जागरूकता सत्र नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाते हैं। वर्तमान वर्ष के दौरान आयोजित की गई इन गतिविधियों में विभिन्न वेबिनार, हैकिंग डेमो और जानकारी साझा करने वाले सत्र शामिल थे।

Alcumus ISOQAR

Certificate of Registration

This is to certify that the Management System of:

State Bank of India- Security Operations Centre (SBI SOC)

State Bank of India:
Security Operations Centre, Information Security Department, First Floor Global IT Centre,
Sector-11, CBD Belapur, Navi Mumbai-400 614, Maharashtra, India

And as detailed on the Annex to this certificate

has been approved by Alcumus ISOQAR and is compliant with the requirements of:

ISO 27001: 2013

Certificate Number:	13518-ISN-001
Initial Registration Date:	31 July 2015
Previous Expiry Date:	31 July 2021
Recertification Date:	08 July 2021
Re-issue Date:	20 August 2021
Current Expiry Date:	31 July 2024

गोपनीयता अभिशासन

बैंक के साइबर सुरक्षा ढांचे का उद्देश्य इंटरनेट एप्लीकेसंस पर एथिकल हैकिंग करना है। कर्मचारियों को बैंक के बुनियादी ढांचे पर आंतरिक एथिकल हैकिंग करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए बैंक के पास एक अनुमोदित मानक परिचालन कार्यविधि (SOP) है।

बोर्ड के आईटी उप-समिति के अध्यक्ष, कार्यकारी प्रबंधन टीम के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) के साथ साइबर सुरक्षा रणनीति प्रक्रिया में लगे हुए हैं।

वर्तमान में फ़िशिंग, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, इंटरनेट बैंकिंग धोखाधड़ी, मोबाइल बैंकिंग धोखाधड़ी का मुकाबला करने के लिए बैंक के पास एक निवारक जोखिम प्रबंधन (PRM) समाधान प्रणाली भी है। निवारक जोखिम प्रबंधन (PRM) मजबूत डेटा एनालिटिक्स, AI और ML से लैस है। यह प्रभावी निवारक उपायों की सुविधा प्रदान करते हुए धोखाधड़ी, संदिग्ध खाते और लेनदेन गतिविधि का पता लगाने और सचेत करने में सक्षम है।संभावित सुरक्षा जोखिमों की पहचान करने के लिए संज्ञानात्मक कंप्यूटिंग पर आधारित सुरक्षा अनुकूलित सुरक्षा उपकरणों और साइबर जोखिम की निरंतर निगरानी करने वाले सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है।

बैंक स्विफ्ट (SWIFT) द्वारा निर्धारित सभी 21 अनिवार्य नियंत्रणों और 10 सलाहकार नियंत्रणों का पूरी तरह से अनुपालन करता है। इसके अलावा, आईटी जोखिम प्रबंधन विभाग की व्यापार निरंतरता प्रबंधन प्रणाली आईएसओ 22301: 2012 द्वारा निर्धारित दायित्वों का पालन करती है।

तिमाही आधार पर भेद्यता मूल्यांकन और रिपोर्टिंग अभ्यास आयोजित किए जाते है। इस कार्य के बाद, बैंक में आंतरिक सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक अंतरिम रिपोर्ट जारी की जाती है जिसमें शमन और निवारक कार्रवाईयों की सिफारिश की जाती है।

वित्त वर्ष 2021-22 में, भारतीय स्टेट बैंक ने कुल 8 सूचना सुरक्षा उल्लंघनों या अन्य साइबर सुरक्षा घटनाओं को दर्ज किया, जिनमें से 3 में ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी शामिल थी। इन घटनाओं के संबंध में कोई जुर्माना या दंड का भुगतान नहीं किया जाना था।

GRI 418-1

ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए नई पहल

डिजिटल बैंकिंग

बैंक अपने ग्राहकों के लिए डिजिटल बैंकिंग डोमेन में कई प्रकार के प्रौद्योगिकी केंद्रित नए उत्पाद उपलब्ध कराता रहा है। बैंक का मल्टी-चैनल डिलीवरी मॉडल ग्राहकों को किसी भी समय और स्थान पर लेनदेन को पूरा करने के लिए व्यापक विकल्प प्रदान करता है जिसमें डिजिटल, मोबाइल, एटीएम, इंटरनेट, सोशल मीडिया और शाखा जैसी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध है।

योनो, बैंक का प्रमुख मोबाइल बैंकिंग और लाइफस्टाइल ऐप है। यह अन्य बैंकिंग समाधानों के साथ-साथ वित्तीय सेवाओं की पेशकश करने वाली वन-स्टॉप शॉप है। इसके अतिरिक्त, बैंक के पास अपने कृषि खंड के ग्राहकों के लिए योनो कृषि और ग्राहकों की पहुंच बढ़ाने के लिए योनो क्विक पे है। 31 मार्च 2022 तक योनो के 110.74 मिलियन डाउनलोड और 48.35 मिलियन से अधिक पंजीकरण हैं।

एटीएम और स्वचालित जमा निकासी मशीनें (AWDMs)

31 मार्च 2022 तक एसबीआई के पास दुनिया के सबसे बड़े एटीएम नेटवर्क में से एक उपलब्ध है, जिसमें 65,030 एटीएम और एडब्ल्यूडीएम है। स्किमिंग, क्लोनिंग और कार्ड चोरी के खिलाफ एटीएम सुरक्षा को मजबूत करने तथा अपने ग्राहकों के लिए सुगम्यता और सुरक्षित बैंकिंग सुनिश्चित करने के लिए बैंक ने 10,000 रुपये से अधिक के लेनदेन के लिए 24x7 ओटीपी-आधारित नकद निकासी सुविधा शुरू की है।

बैंक ने 31 मार्च 2022 तक लगभग 46,182 एटीएम में लेनदेन को सुरक्षित करने के लिए ई-निगरानी व्यवस्था में वृद्धि की है और आने वाले वर्ष में सभी एटीएम को इस योजना के अंतर्गत कवर करने की दिशा में काम कर रहा है।

प्रेसीडेंट्स एस्टेट शाखा का उद्घाटन भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद और प्रथम महिला श्रीमती सविता कोविंद ने माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की उपस्थिति में किया।

बैंक डल झील और खारदुंगला दर्रे पर एटीएम सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिससे वित्तीय सेवाओं तक लोगों की पहुंच बढ़ रही है।

भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति एस्टेट शाखा का उद्घाटन।

इंटरनेट बैंकिंग

एसबीआई के पास 918 लाख रिटेल इंटरनेट बैंकिंग उपयोगकर्ता और 31.37 लाख कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग उपयोगकर्ता हैं। उन्हें एक निर्बाध और सुरक्षित सुविधा प्रदान करने के लिए लॉगिन ओटीपी, सकारात्मक भुगतान प्रणाली, ई-कॉमर्स लेनदेन के लिए रियल टाइम एकाधिक मांग ऋण और SARAL लेनदेन की सीमा में संवर्द्धन जैसी कई नई सेवाएं शुरू की गई हैं । 31 मार्च 2022 तक, कुल 68,714 उप-व्यापारियों को भुगतान गेटवे के साथ एकीकृत किया गया था।

स्वयम

31 मार्च 2022 तक, SBI ने 16,927 शाखाओं में 19,500 SWAYAM (बारकोड-आधारित, सेल्फ-पासबुक प्रिंटिंग कियोस्क) स्थापित किए हैं। इनमें एटीएम रूम या ई-लॉबी में 9,139 कियोस्क स्थापित हैं और 1,601 कियोस्क को विस्तारित घंटों के लिए उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शाखा बैंकिंग हॉल के बाहर "थ्रू द वॉल्स" के रूप में तैनात किया गया है। इन स्वयम कियोस्कों के माध्यम से प्रतिमास अनुमानत: 4.17 करोड़ पासबुकों का मुद्रण होता है।

गैर-व्यक्तिगत के लिए सी-केवाईसी और FI-Legacy के लिए सी-केवाईसी

अगस्त 2021 में एसबीआई ने सी-केवाईसी दस्तावेज़ वर्गीकरण और अपलोड (CDCU) के रूप में एक बेहतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)-आधारित स्कैनिंग समाधान लॉन्च किया। एसबीआई ने सी-केवाईसी के तहत व्यक्तिगत, गैर-व्यक्तिगत और FI को शामिल किया है। यह स्कैनिंग के विकल्प के रूप में डिजिटलीकरण की बढ़ी हुई मात्रा को देखते हुए किया गया।

पेंशन सेवा पोर्टल

बैंक ने अपने पेंशन सेवा पोर्टल में सुधार किया है और आधार से जुड़े मोबाइल नंबरों पर ओटीपी के माध्यम से नियमित पेंशनरों के लिए वीडियो लाइफ सर्टिफिकेट (एलसी) जैसे फीचर्स जोड़े हैं। इसके अतिरिक्त, यह पोर्टल मोबाइल रिस्पान्सिव और उपयोगकर्ता के लिए काफी सुविधाजनक है।

एफ़एक्सआउट (Fxout)

Fxout खुदरा प्रेषण के लिए एक केंद्रीकृत प्लेटफॉर्म है, जो 24*7 ग्राहकों के लिए सुलभ है और इसके लिए किसी विदेशी मुद्रा विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है। बैंक ने एक Fxout हैंडबुक भी जारी की है, जो सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।

एसबीआई फास्ट टेग

SBI ने PhonePe के माध्यम से रिचार्ज करने के लिए बिलडेस्क के साथ फास्टैग एप्लिकेशन का एकीकरण पूरा कर लिया है। ग्राहक अब फास्टैग रिचार्ज विकल्प में अपना वाहन नंबर दर्ज करके एप्लीकेसन से सीधे अपने एसबीआई फास्टैग को रिचार्ज कर सकते हैं।

ईज़ीकलेक्ट

ईज़ीकलेक्ट एप्लिकेशन को एडलवाइस टोकियो लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ एकीकरण में शुरू किया गया है । पॉलिसीधारक अब इस एप्लिकेशन का उपयोग करके एसबीआई शाखाओं के माध्यम से नवीनीकरण प्रीमियम जमा कर सकते हैं।

एसबीआई Unipay

एसबीआई ने बिल भुगतान के लिए एसबीआई Unipay नाम से भारत बिल भुगतान प्रणाली (BBPS) एप्लिकेशन विकसित किया है, जो जुलाई 2021 से प्रारम्भ हो गया है।

पेमेंट एग्रीगेटर और पेमेंट गेटवे (e-Pay and PG)

एसबीआई पेमेंट एग्रीगेटर और पेमेंट गेटवे दोनों के रूप में काम करता है, जो व्यापारियों के ग्राहकों और वित्तीय संस्थानों के बीच निर्बाध ई-कामर्स लेनदेन की सुविधा के लिए अद्वितीय PCIDSS प्रमाणित सुरक्षित प्लेटफॉर्म है। एक तरफ हजारों

GRI 203-2, GRI 103-1, GRI 103-2 (Customer Satisfaction)

व्यापारियों और दूसरी तरफ भुगतान चैनलों को एकीकृत करके भुगतान एग्रीगेटर (एसबीआई ई-पे) और भुगतान गेटवे (एसबीआईपीजी) अनुप्रयोगों के माध्यम से प्लेटफॉर्म प्रदान किया जाता है ।

31 मार्च 2022 तक, एसबीआई ई-पे में 343 नए व्यापारियों को शामिल किया गया, जिनमें केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल निगम और कानपुर मेट्रो जैसे प्रतिष्ठित मर्चेन्ट शामिल हैं । अब तक कुल 1,502 व्यापारियों को एसबीआई ई-पे के साथ जोड़ा गया है।

व्हाट्सएप बैंकिंग

व्हाट्सएप बैंकिंग सेवाएं घर बैठे व्यक्तिगत बैंकिंग खातों और सेवाओं तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करती हैं। बैंक बैलेंस पूछताछ, मिनी स्टेटमेंट और कई अन्य कार्यों को करने के लिए एक वर्चुअल चैटबॉट भी प्रदान करता है।

हमारी प्रक्रियाओं में नवीनता

खुदरा ऋण

एसबीआई लोन ओरिजिनेटिंग सिस्टम (LOS), पर्सनल बैंकिंग, एलओएस(एग्री) और खुदरा ऋण प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से आईटी-रिटेल ऋणों को स्रोत, प्रक्रिया, अंडरराइट और ऋण वितरित करने के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग करता है। वर्ष के दौरान, बैंक ने ऋण संग्रह के लिए ऋण खाता प्रबंधन प्रणाली (LAMS) शुरू किया है।

वित्तीय समावेशन और सरकारी योजनाओं(FI&GS) तक पहुंच बढ़ाना

वित्तीय समावेशन और सरकारी योजनाओं (एफआई एंड जीएस) के क्षेत्र में, एसबीआई ने पीएम किसान सम्मान निधि की नौवीं और दसवीं किश्तों के तहत एक ही दिन में गंतव्य बैंक के रूप में क्रमशः 2.45 करोड़ और 2.50 करोड़ लेनदेन सम्पन्न किए ।

डेटा वेयरहाउस

बैंक का लक्ष्य नेक्स्ट-gen डेटा वेयरहाउस के माध्यम से बेस्ट इन-क्लास डेटा आर्किटेक्चर बनाना है। इससे डेटा की बढ़ती मात्रा को समायोजित करने में मदद मिलेगी, जिससे यह सभी डेटा उद्देश्यों के लिए सत्य का एकल स्रोत बन जाएगा।

विश्लेषण

एसबीआई बढ़ी हुई दक्षता, कम जोखिम और बढ़ते व्यापार के लिए एआई / एमएल का उपयोग कर अपनी विश्लेषण क्षमताओं को बढ़ा रहा है। विश्लेषण का उपयोग करते हुए वर्ष में शुरू की गई कुछ परियोजनाओं में एंड-टु- एंड तक डिजिटल ऋण और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए कॉस्ट-टू-इनकम रेसीओ टूल विश्लेषण को अपनाना शामिल है।

इसके अतिरिक्त, बैंक के नए बुनियादी ढांचे का लक्ष्य पिछले सेटअप की कमियों को पूरा करना है। नए इन्फ्रा का उद्देश्य अपने अत्याधुनिक कार्यान्वयन और ऑडियो / वीडियो /टेक्स्ट एनालिटिक्स के लिए अस्थिर डेटा के उपयोग में सुधार लाना है।

> वर्ष के दौरान विश्लेषण -आधारित उत्पादों के माध्यम से ₹21,898 करोड़ के ऋण डिजिटल रूप से जारी किए गए।

अपने कर्मचारियों के लिए नयी पहल

ऑनलाइन मूल्यांकन केंद्र

यह संगठनात्मक योग्यता ढांचे के परिप्रेक्ष्य में वरिष्ठ नेतृत्व की दक्षताओं का आकलन और मूल्यांकन करने के उद्देश्य से विकसित किया गया था। इसके बाद निर्देशित विकास यात्रा के साथ व्यक्तिगत विकास योजनाएं (आईडीपी) साझा की जाती हैं।

विकास यात्रा में प्रत्येक भागीदार को विकास और क्षमताओं के क्षेत्रों से अवगत कराने के लिए रोमांचक कहानियों, विचारों, पढ़ने के उद्धरण और केस स्टडी की एक रोमांचक श्रृंखला शामिल होती है। इस प्रकार व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास की सुविधा प्रदान की जाती है। वित्त वर्ष 2021-22 में 2,233 मूल्यांकन पूरे हुए।

आस्क एसबीआई (askSBI)

AskSBI बैंक की शाखाओं द्वारा उपयोग किया जाने वाला इन-हाउस सर्च इंजन है।

पुरस्कार और मान्यता

कीर्ति पुरस्कार

हिंदी दिवस समारोह में हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए एसबीआई को कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

बेस्ट एयरपोर्ट फाइनेंसिंग बैंक अवार्ड 2021

28 फरवरी 2022 को आयोजित नागरिक उड्डयन और कार्गो समारोह पर 13 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-पुरस्कार में एसबीआई को सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा वित्तपोषण पुरस्कार 2021 मिला।

DIGIXX 2022 पुरस्कार

बैंक ने COVID-19 लॉकडाउन(BFSI) के दौरान मार्केटिंग उत्कृष्टता की श्रेणी में स्वर्ण प्राप्त किया।

वर्ष 2021 का उत्कृष्ट सार्वजनिक उपक्रम

अखिल भारतीय प्रबंधन संघ द्वारा आयोजित 11वें मैनेजिंग इंडिया अवार्ड्स में एसबीआई को आउटस्टैंडिंग पीएसयू ऑफ द ईयर 2021 अवार्ड से सम्मानित किया गया।

ईटी ह्यूमन कैपिटल अवार्ड्स

एसबीआई ने ईटी ह्यूमन कैपिटल अवार्ड्स में 'एक्सीलेंस इन क्रिएटिंग ए कल्चर ऑफ कंटीन्यूअस लर्निंग एंड अपस्किलिंग' श्रेणी के तहत स्वर्ण जीता।

प्रतिबद्धता का प्रमाण पत्र

सत्यनिष्ठा और सुशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता के लिए एसबीआई को केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा प्रतिबद्धता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

फिक्की सीएसआर पुरस्कार

बैंक को फिक्की विशेष श्रेणी - फाइट अगेंस्ट COVID-19 अवार्ड से सम्मानित किया गया.

ऑस्ट्रेलिया इंडिया इम्पैक्ट अवार्ड 2021

एसबीआई को इंडिया ऑस्ट्रेलिया बिजनेस एंड कम्युनिटी अवार्ड्स गाला 2021 में 'ऑस्ट्रेलिया इंडिया इम्पैक्ट अवार्ड 2021 (संगठन)' से सम्मानित किया गया.

DIGIXX 2022 अवार्ड

एसबीआई ने अपने ICC T-20 मार्केटिंग के लिए 'इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग कैंपेन (BFSI)' की श्रेणी में स्वर्ण प्राप्त किया.

DIGIXX 2022 अवार्ड

बैंक ने अपने लीड जनरेशन अभियान के लिए कार्यक्रम संबंधी और प्रदर्शन विपणन (बीएफएसआई) श्रेणी में रजत पदक हासिल किया

2021 के सर्वश्रेष्ठ ब्रांड

एसबीआई वेल्थ को इकोनॉमिक टाइम्स द्वारा 2021 के सर्वश्रेष्ठ ब्रांडों में से एक के रूप में चुना गया है।

आइकॉनिक ब्रांड ऑफ इंडिया अवार्ड 2021

एसबीआई ने COVID-19 के दौरान लचीली और निर्बाध बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए इकोनॉमिक टाइम्स 'आइकॉनिक ब्रांड्स ऑफ इंडिया' पुरस्कार जीता।

मार्केटर ऑफ द ईयर-अवार्ड

एसबीआई को इंटरनेशनल एडवरटाइजिंग एसोसिएशन द्वारा मार्केटिंग में उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए 'मार्केटर ऑफ द ईयर' का पुरस्कार दिया गया।

भारत का अग्रणी सार्वजनिक बैंक

एसबीआई को डन एंड ब्रैडस्ट्रीट बीएफएसआई और फिनटेक शिखर सम्मेलन 2022 में 'इंडियाज लीडिंग बैंक - पब्लिक अवार्ड' से सम्मानित किया गया

आईडीसी इंडस्ट्री इनोवैशन पुरस्कार

व्यक्तिगत विज़िट को कम करने के लिए शाखा स्तर पर चैनल मिक्स ऑप्टिमाइजेशन प्रदान करने के लिए एसबीआई को ग्रीन टेक/ सस्टेनेबिलिटी अवार्ड से सम्मानित किया गया

आईडीसी इंडस्ट्री इनोवैशन पुरस्कार

एसबीआई को उसके पूर्व-अनुमोदित व्यावसायिक ऋण उत्पाद के लिए डेटा इंटेलिजेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पीपुल्स च्वाइस अवार्ड में स्वर्ण

योनो एसबीआई को मोबाइल मार्केटिंग अवार्ड्स के 7वें संस्करण में- #TheMaddies 2020 फॉर पीपुल्स च्वाइस स्वर्ण से सम्मानित किया गया।

एसएचजी बैंक लिंकेज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला बैंक

एसबीआई को वित्त वर्ष 2020-21 और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एसएचजी लिंकेज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बैंक से सम्मानित किया गया।

IAMAI-इंडिया डिजिटल अवार्ड और DIGIXX अवार्ड

एसबीआई को ट्विटर के उत्कृष्ट उपयोग के लिए रजत तथा 'सोशल मीडिया (बीएफएसआई और फिनटेक)' श्रेणी में 'काइंडनेस इज कूल' अभियान के लिए कांस्य से सम्मानित किया गया।

ट्रांजेक्शन फाइनेंस अवार्ड्स: 2021

एसबीआई को ट्रांजेक्शन फाइनेंस अवार्ड्स 2021 में एशियन बैंकर मैगज़ीन, सिंगापुर द्वारा 'भारत में सर्वश्रेष्ठ नकद प्रबंधन' और 'भारत में सर्वश्रेष्ठ लेनदेन बैंक' के रूप में मान्यता दी गई थी।

सर्वश्रेष्ठ व्यापार वित्त प्रदाता

ग्लोबल फाइनेंस मैगज़ीन द्वारा एसबीआई को लगातार दसवें वर्ष 'सर्वश्रेष्ठ व्यापार वित्त प्रदाता (भारत) 2022' से सम्मानित किया गया है।

बैंक के सीएसआर फोकस क्षेत्रों में एसबीआई फाउंडेशन का योगदान

एसबीआई फाउंडेशन ने 'सीएसआर फाउंडेशन ऑफ द ईयर' (वृहद) के लिए पुरस्कार जीते और पर्यावरण (लघु) श्रेणी के तहत एसबीआई को वेस्ट नो मोर पहल की प्रशंसा की गई।

आश्वासन वक्तव्य

आश्वासन वक्तव्य

Sustainability Assurance Service

सेवा में निदेशक गण और प्रबंधन

भारतीय स्टेट बैंक,

मुंबई, भारत

भारतीय स्टेट बैंक (इसके बाद 'एसबीआई') ने 1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 की अवधि के लिए एसबीआई की संवहनीयता रिपोर्ट (इसके बाद 'रिपोर्ट') में गैर-वित्तीय सूचना और प्रमुख निष्पादन सूचकों (केपीआई) के स्वतंत्र बाह्य आश्वासन का संचालन करने के लिए टीयूवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टीयूवीआई) को नियुक्त किया है। रिपोर्ट ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव (जीआरआई) मानकों के सिद्धांतों पर आधारित है। यह आश्वासन संवाद ISAE 3000 (संशोधित)- "सीमित स्तर" के अनुसार किया गया था।

प्रबंधन की ज़िम्मेदारी

इस रिपोर्ट की सामग्री एसबीआई ने तैयार की है। एसबीआई प्रबंधन इस हेतु महत्वपूर्ण विषयों की पहचान और इस रिपोर्ट (वेब -आधारित और प्रिंट) में प्रस्तुत सूचना के संग्रह, विश्लेषण और प्रकटीकरण के साथ वेबसाइट रखरखाव व सत्यता के लिए तथा जीआरआई मानकों : मुख्य विकल्प में बताए गए मानदंडों के अनुसार इसकी गुणवत्ता व सटीकता सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी है जैसे कि यह जाने या अनजाने तथ्यतः/तात्विक रूप से गलत विवरणों से मुक्त हो ।

कार्यक्षेत्र और सीमा

कार्य के दायरे में निम्नलिखित गैर-वित्तीय निष्पादन /केपीआई का आश्वासन शामिल है। विशेष रूप से, आश्वासन संवाद में निम्नलिखित शामिल थे::

- एसबीआई द्वारा प्रस्तुत प्रकटीकरण की समीक्षा
- सूचना की गुणवत्ता की समीक्षा
- पहचान किए गए गैर-वित्तीय संकेतकों के लिए साक्ष्य (एक नमूना आधार पर)की समीक्षा

TUV ने रिपोर्ट में निम्न केपीआई के प्रकटीकरण की पुष्टि की है

अभिशासन	102-18, 102-20, 103-01 to 103-3
GRI 302: ऊर्जा	302-1, 302-3 to 302-5
GRI 305:उत्सर्जन	305-1 to 305-5
GRI 404: प्रशिक्षण और शिक्षा	404-1 to 404-2
GRI 405: विविधता और समान अवसर	405-1
GRI 406: गैर भेदभाव	406-1
GRI 413: स्थानीय समुदाय	413-1
Disclosure 418: ग्राहक गोपनीयता	418-1

मई 2022 के दौरान एसबीआई कॉर्पोरेट टीम में रिमोट सत्यापन किया गया था। रिपोर्टिंग सीमा के तहत डेस्क समीक्षा के साथ आश्वासन गतिविधियों को एक साथ किया गया था। प्रकटीकरण के लिए लागू सीमाओं को रिपोर्ट में समझाया गया है

सीमाएं

TUVI ने रिपोर्ट में प्रकट किए गए लक्ष्यों, अपेक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं जैसी संभावित सूचनाओं पर कोई आश्वासन प्रतिक्रिया नहीं की। नतीजतन, TUVI संभावित जानकारी पर कोई निष्कर्ष नहीं निकालता है।आश्वासन प्रक्रिया के दौरान, TUVI ने आश्वासन कथन के सहमत दायरे में किसी भी सीमा को पार नहीं किया। TUVI, इस आश्वासन कथन के आधार पर किसी भी एक व्यक्ति या संस्था द्वारा लिए जाने वाले किसी निर्णय के लिए किसी भी दायित्व या सह-जिम्मेदारी को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है।

हमारी ज़िम्मेदारी

इस अनुबंध के संबंध में TUVI की जिम्मेदारी एक सीमित स्तर के आश्वासन को पूरा करने और निष्पादन के आधार पर एक निष्कर्ष तैयार करने की थी। इस अनुबंध में आश्वासन की व्यापकता में उल्लिखित बातों को छोड़ कर पर्याप्तता या एसबीआई की रणनीति की प्रभावशीलता, संवहनीयता से संबंधित मुद्दों का प्रबंधन या GRI मानकों: कोर विकल्प, और आईएसएई 3000 (संशोधित), के अनुसार रिपोर्ट की पर्याप्तता का आकलन शामिल नहीं है।

1 | TÜV

इस सत्यापन के संबंध में TUVI की जिम्मेदारी कार्य के सहमत दायरे के अनुसार है जिसमें एसबीआई द्वारा प्रकट की गई गैर-वित्तीय मात्रात्मक और गुणात्मक जानकारी शामिल है। आश्वासन अनुबंध का मानना है कि एसबीआई द्वारा हमें प्रदान किया गया डेटा और जानकारी पूर्ण और सत्य है।

सत्यापन पद्धति

आश्वासन अनुबंध के दौरान TUVI ने प्रकटीकरण के संबंध में सत्यापन प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जोखिम-आधारित दृष्टिकोण अपनाया। TUVI ने खुलासे की पुष्टि की है और अंतर्निहित डेटा प्रबंधन प्रणाली, सूचना प्रवाह और नियंत्रण व्यवस्थाओं की मजबूती का आकलन किया गया है। ऐसा करने में:

- TUVI ने गैर-वित्तीय KPI (गैर-वित्तीय प्रकटीकरण) के लिए SBI द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेज़ों, डेटा और अन्य सूचनाओं की जांच की और उनकी समीक्षा की;
- TUVI ने SBI के विभिन्न कार्यों के डेटा मालिकों और निर्णय लेने वालों सहित प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ साक्षात्कार किया
- TUVI ने स्थिरता से संबंधित नीतियों और डेटा प्रबंधन (गुणात्मक और गुणात्मक) को लागू करने के लिए विभिन्न तंत्र की नमूना-आधारित समीक्षा की।
- TUVI ने जीआरआई मानकों के सिद्धांतों के पालन: मुख्य विकल्प के स्तर की समीक्षा की

सुधार के अवसर

एसबीआई को रिपोर्ट किए गए सुधार के अवसर निम्नलिखित हैं।हालांकि, वे आम तौर पर एसबीआई प्रबंधन के उद्देश्यों और कार्यक्रमों के अनुरूप होते हैं।

- SBI ऊर्जा, अपशिष्ट और जल डेटा की निगरानी करने के लिए मासिक आधार पर संवहनीयता निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए ऑनलाइन टूल विकसित कर सकता है;
- SBI सीएसआर परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के लिए एसआरओआई परिणामों का मूल्यांकन कर सकता है;
- SBI प्रबंधन प्रणाली को मजबूत कर सकता है;
- SBI अप्रत्यक्ष जीएचजी उत्सर्जन की सभी श्रेणियों का खुलासा कर सकता है (आईएसओ 14064-1 का नवीनतम संस्करण देखें)

हमारा निष्कर्ष

हमारी राय में, इस आश्वासन अनुबंध के दायरे के आधार पर, "संवहनीयता निष्पादन पर जोखिम" और संदर्भ सूचना सामग्री विषयों, संबंधित रणनीतियों का एक उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करती है, और जीआरआई मानक:मुख्य विकल्प के सामान्य प्रकरण और गुणवत्ता आवश्यकताओं को पूरा करती है।

प्रकटीकरण: TUVI की राय है कि रिपोर्ट किए गए खुलासे आम तौर पर जीआरआई मानकों: मुख्य विकल्प की रिपोर्टिंग आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। SBI ने SBI के बारे में प्रासंगिक जानकारी देने के लिए सामान्य प्रकटीकरण को संदर्भित किया है, जबकि 'प्रबंधन दृष्टिकोण' पर चर्चा प्रत्येक सामग्री विषय के लिए प्रबंधन दृष्टिकोण की रिपोर्ट करने के लिए की जाती है। रिपोर्ट जीआरआई मानकों: मुख्य विकल्प के अनुसार तैयार की गई है।

यूनिवर्सल मानक: एसबीआई ने सामग्री और गुणवत्ता को परिभाषित करने के लिए GRI 101:रिपोर्टिंग सिद्धांतों का अनुपालन किया तथा एक संगठन की प्रोफाइल, रणनीति, सदाचार और सत्यनिष्ठा, शासन, हितधारक भागीदारी प्रथाओं और रिपोर्टिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते समय GRI 102: सामान्य खुलासों का अनुपालन किया गया। इसके अलावा, GRI 103 को प्रबंधन के दृष्टिकोण के लिए चुना गया था कि कैसे एक संगठन एक महत्वपूर्ण विषयों का प्रबंधन करता है। TUVI का मानना है कि यह रिपोर्ट GRI मानकों :मुख्य विकल्प के अनुसार तैयार की गई है।

विषय विशिष्ट मानक: 200 श्रृंखला (आर्थिक विषय), 300 श्रृंखला (पर्यावरण विषय), और 400 श्रृंखला (सामाजिक विषय); इन विषय-विशिष्ट मानकों का उपयोग पर्यावरण और सामाजिक विषयों से संबंधित संगठन के प्रभावों की जानकारी की रिपोर्ट करने के लिए किया गया था। TUVI का मानना है कि एसबीआई द्वारा अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सामग्री विषयों और विषय-विशिष्ट मानकों की उचित पहचान की जाती है और उन्हें संबोधित किया जाता है।

सीमित आश्वासन निष्कर्ष: हमारे द्वारा निष्पादित प्रक्रियाओं के आधार पर, हमारे सज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमे विश्वास हो कि सभी महत्वपूर्ण मामलों में सीमित आश्वासन अनुबंध के अधीन जानकारी तैयार नहीं की गई थी। TUVI ने GRI मानकों :मुख्य विकल्प, के रिपोर्टिंग मानदंड के संबंध में सभी महत्वपूर्ण मामलों में संवहनीयता की जानकारी को विश्वसनीय पाया।

आश्वासन के संदर्भ में, निम्नलिखित समकालीन सिद्धांतों का पालन किया गया है:

अन्य समकालीन सिद्धांतों के पालन का मूल्यांकन

समावेशिता: महत्वपूर्ण हितधारकों के महत्वपूर्ण विषयों के रूप में प्रमुख हितधारक की चिंताओं को सामने लाने के लिए एसबीआई द्वारा समय-समय पर हितधारकों की पहचान और जुड़ाव का कार्य किया जाता है। हमारे विचार में यह रिपोर्ट आवश्यकताओं को पूरा करती है।

महत्व: जीआरआई मानकों की आवश्यकताओं के आधार पर प्रभावकारी कारक आकलन प्रक्रिया को एसबीआई के व्यवसायों के आंतरिक और वाह्य विषयों पर विचार करते हुए किया गया है। रिपोर्ट एसबीआई के विविध कार्यों के पहलुओं और विषयों और इससे संबंधित सीमाओं को निष्पक्ष रूप से सामने लाती है। हमारे विचार में, रिपोर्ट आवश्यकताओं को पूरा करती है।

प्रतिउत्तर: TUVI का मानना है कि रिपोर्ट में महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रतिक्रियाएं काफी स्पष्ट रूप से व्यक्त की गई हैं, यानी एसबीआई की नीतियों और प्रबंधन सहित प्रबंधन प्रणालियों पर खुलासे। हमारे विचार में, रिपोर्ट आवश्यकताओं को पूरा करती है।

प्रभाव: एसबीआई जीआरआई मानकों के अनुसार पूरे वर्ष नियमित, पारदर्शी आंतरिक और बाहरी रिपोर्टिंग के माध्यम से पर्यावरण, सामाजिक, नैतिक और अन्य नीतियों को शामिल करते हुए अपने नीतिगत ढांचे के माध्यम से अपने संवहनीयता निष्पादन को संप्रेषित करता है। एसबीआई शीर्ष प्रबंधन को स्थिरता के प्रदर्शन पर रिपोर्ट करता है, जो उद्देश्यों के कार्यान्वयन और निष्पादन की देखरेख तथा संवहनीयता से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के लिए लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुसार प्रगति की निगरानी करता है।

यह आश्वासन अनुबंध आईएसएई 3000 (संशोधित) आवश्यकताओं के अनुरूप हमारी सहभागिता की शर्तों के अनुसार तैयार किया गया है।

स्वतंत्रता:

TUVI, आईईएसबीए (लेखाकारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नैतिकता मानक बोर्ड) कोड का पालन करता है, जो स्वावलंबन के लिए खतरे से निपटने और सुरक्षा उपायों की व्यवस्था करके रखने की कार्यप्रणाली को अपनाता है। यह पुष्टि की जाती है कि आश्वासन टीम का चयन स्व-हित, आत्म-समीक्षा, सिफारिश और मेल-जोल की स्थितियों से बचने के लिए किया गया है। मूल्यांकन टीम को किसी भी प्रकार की धमकी से बचाया गया था।

गुणवत्ता नियंत्रण:

आश्वासन टीम आईईएसबीए द्वारा जारी पेशेवर लेखाकारों के लिए आचार संहिता का अनुपालन करती है, जिसमें सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, पेशेवर क्षमता और उचित देखभाल, गोपनीयता और पेशेवर व्यवहार के मौलिक सिद्धांतों पर स्थापित स्वतंत्रता और अन्य आवश्यकताएं शामिल हैं। गुणवत्ता नियंत्रण पर अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुसार, TUVI ने गुणवत्ता नियंत्रण की एक व्यापक प्रणाली का अनुरक्षण किया है जिसमें नैतिक आवश्यकताओं, पेशेवर मानकों और लागू कानूनी और नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन के संबंध में प्रलेखित नीतियों और प्रक्रियाओं को शामिल किया गया है।

हमारी आश्वासन टीम और स्वतंत्रता

TUVI एक स्वतंत्र, तटस्थ अन्य पक्ष है जो योग्य पर्यावरणीय और सामाजिक विशेषज्ञों द्वारा संवहनीयता सेवाएं प्रदान करता है। TUVI अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता बताता है और पुष्टि करता है कि इस आश्वासन अनुबंध में "हितों का कोई टकराव नहीं" है। रिपोर्टिंग वर्ष में, TUVI ने एसबीआई के साथ किसी भी सहभागिता पर काम नहीं किया जो हमारे निष्कर्षों, निष्कर्षों और सिफारिशों की स्वतंत्रता या निष्पक्षता से समझौता कर सकता हो। इस आश्वासन कथन को छोड़कर, TUVI इस रिपोर्ट में शामिल किसी भी सामग्री या डेटा की तैयारी में शामिल नहीं था। TUVI आश्वासन अनुबंध के दौरान साक्षात्कार किए गए किसी भी व्यक्ति के प्रति पूर्ण निष्पक्षता का पालन करता है।

TUVI इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए और उसकी ओर से

मनोज कुमार बोरेकर
परियोजना प्रबंधक और समीक्षक
प्रमुख- संवहनीयता आश्वासन सेवा

दिनांक : 31-05-2022
स्थान: मुंबई, भारत
परियोजना संदर्भ संख्या: 8118941704
www.tuv-nord.com/in

जीआरआई विषय वस्तु की विषय सूची

GRI CONTENT INDEX SERVICE 2022

GRI सामग्री सूचकांक सेवा के लिए, GRI सेवाओं ने समीक्षा की और यह पाया कि GRI विषय वस्तु कि विषय-सूची को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया गया है और सभी प्रकार कि जानकारी के लिए, रिपोर्ट के उपयुक्त खंडों के हिसाब से संदर्भ शामिल किए गए हैं।

जीआरआई मानक	प्रकटीकरण	पृष्ठ संख्या / डायरेक्ट रिस्पान्स
	GRI 101: फाउंडेशन 2016	
	GRI 102: सामान्य जानकारी 2016	
	संगठनात्मक प्रोफ़ाइल	
102-1	संगठन का नाम	12
102-2	गतिविधियां, ब्रांड, उत्पाद और सेवाएं	12
102-3	मुख्यालयों का स्थान	12
102-4	कारोबार का स्थान	12, 15
102-5	मालिकाना हक और कानूनी रूप	12
102-6	बाजार, जिसे सेवा देते हैं	12, 15
102-7	संगठन का स्तर	12, 42
102-8	कर्मचारियों और अन्य श्रमिकों से जुड़ी जानकारी	65
102-9	आपूर्ति श्रृंखला	83
102-10	संगठन और उसकी आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण परिवर्तन	11
102-11	निवारक सिद्धांत या दृष्टिकोण	11
102-12	बाहरी पहल	29
102-13	संस्थाओं की सदस्यता	13
	कार्यनीति	
102-14	वरिष्ठ नीति-निर्माता का वक्तव्य	6, 7
102-15	प्रमुख प्रभाव, जोखिम और अवसर	22, 23
	सदाचार और सत्यनिष्ठा	
102-16	मूल्य, सिद्धांत, मानक और व्यवहार के मानदंड	13
102-17	सदाचार के बारे में सलाह देने और चिंताएँ जाहीर करने की व्यवस्था	17
	शासन - विधि	
102-18	शासन संरचना	16, 20
102-19	प्रतिनिधित्व करने वाले प्राधिकारी	16
102-20	आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक विषयों के लिए कार्यकारी स्तर की जिम्मेदारी	16
	हितधारकों से संवाद/ संपर्क	
102-40	हितधारक समूह की सूची	35-37
102-41	सामूहिक सौदेबाजी अनुबंध	80
102-42	हितधारकों की पहचान करना और उनका चयन करना	35
102-43	हितधारक जुड़ाव के लिए दृष्टिकोण	35-37
102-44	प्रमुख विषय और उठाए गए मुद्दे	35-37

जीआरआई मानक	प्रकटीकरण	पृष्ठ संख्या / डायरेक्ट रिस्पान्स
रिपोर्टिंग का तरीका		
102-45	समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल संस्थाएं	12
102-46	रिपोर्ट सामग्री और विषय की सीमाओं को परिभाषित करना	11
102-47	प्रभावकारी विषयों की सूची	39
102-48	सूचना का पुनर्कथन	11
102-49	रिपोर्टिंग के तरीके में बदलाव	39
102-50	रिपोर्टिंग की अवधि	11
102-51	सबसे नई रिपोर्ट की तारीख	11
102-52	रिपोर्टिंग की समयावधि	11
102-53	रिपोर्ट से जुड़े सवालों के लिए संपर्क बिन्दु	बैक कवर
102-54	जीआरआई मानकों के अनुसार रिपोर्टिंग के दावे	11
102-55	जीआरआई विषय वस्तु की विषय-सूची	110-113
102-56	बाहरी आश्वासन	107-109
प्रभावकारी विषय		
जीआरआई 201: आर्थिक प्रदर्शन 2016		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 42
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	42
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39
जीआरआई 201: आर्थिक प्रदर्शन 2016	201-1 तैयार और वितरित किया गया प्रत्यक्ष आर्थिक मूल्य	42
जीआरआई 203: अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव 2016		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 48, 49
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	48, 49
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39
जीआरआई 203: अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव 2016	203-2 महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	48, 49
जीआरआई 302: ऊर्जा 2016		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 56
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	56
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39
जीआरआई 302: ऊर्जा 2016	302-1 संगठन के भीतर ऊर्जा की खपत	56
	302-3 ऊर्जा की इन्टेन्सटी	56
	302-4 ऊर्जा की खपत में कमी	56
	302-5 उत्पादों और सेवाओं की ऊर्जा जरूरतों में कमी	27, 28
जीआरआई 302: ऊर्जा 2016		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 56
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	56
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39

जीआरआई मानक	प्रकटीकरण	पृष्ठ संख्या / डायरेक्ट रिस्पान्स
	305-1 प्रत्यक्ष (स्कोप 1) जीएचजी उत्सर्जन	39, 56
	305-2 अप्रत्यक्ष ऊर्जा (स्कोप 2) जीएचजी उत्सर्जन	56
जीआरआई 305: उत्सर्जन 2016	305-3 अन्य अप्रत्यक्ष(स्कोप 3) जीएचजी उत्सर्जन	56
	305-4 जीएचजी उत्सर्जन तीव्रता	56
	305-5 जीएचजी उत्सर्जन में कमी	27, 28, 56, 60, 61
जीआरआई 403: पेशाजनित स्वास्थ्य और सुरक्षा 2018		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 76
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	76
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39
जीआरआई 403: पेशाजनित स्वास्थ्य और सुरक्षा 2018	403-1 पेशाजनित स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली	39, 76
	403-2 खतरे की पहचान, जोखिम मूल्यांकन और घटना की जांच	76
	403-3 पेशाजनित स्वास्थ्य सेवाएं	76
	403-4 पेशाजनित स्वास्थ्य और सुरक्षा पर श्रमिकों की भागीदारी, परामर्श और संवाद	76
	403-5 पेशाजनित स्वास्थ्य और सुरक्षा पर श्रमिकों के लिए प्रशिक्षण	70
	403-6 श्रमिकों के स्वास्थ्य का संवर्धन	77, 78, 81
	403-7 व्यावसायिक संबंधों से प्रत्यक्ष जुड़े पेशाजनित स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों की रोकथाम और शमन	77
	403-8 पेशाजनित स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के दायरे में आने वाले श्रमिक	77
जीआरआई 404: प्रशिक्षण और शिक्षा 2016		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 69
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	69
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39
जीआरआई 404: प्रशिक्षण और शिक्षा 2016	404-1 प्रत्येक वर्ष प्रति कर्मचारी प्रशिक्षण के औसत घंटे	69
	404-2 कर्मचारियों के कौशल उन्नयन के कार्यक्रम और बदलाव में सहायक कार्यक्रम	70-72
जीआरआई 405: विविधता एवं समान अवसर 2016		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 65
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	65
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39
जीआरआई 405: विविधता और समान अवसर 2016	405-1 गवर्ननेंस संस्था और कर्मचारियों की विविधता	65, 66
जीआरआई 406: गैर- भेदभाव 2016		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 65
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	65
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39

जीआरआई मानक	प्रकटीकरण	पृष्ठ संख्या / डायरेक्ट रिस्पान्स
जीआरआई 406: गैर भेदभाव 2016	406-1 भेदभाव की घटनाएं और सुधार के लिए उठाए गए कदम	80
जीआरआई 413: स्थानीय समुदाय 2016		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 84
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	84
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39
जीआरआई 413: स्थानीय समुदाय 2016	413-1 कारोबार में स्थानीय समुदाय को भागीदार बनना और प्रभाव मूल्यांकन, विकास कार्यक्रम	84-97
जीआरआई 418: ग्राहक निजता 2016		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 99
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	99
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39
जीआरआई 418: ग्राहक निजता 2016	418-1 ग्राहक निजता के उल्लंघन और ग्राहक डेटा के नुकसान से जुड़ी पुख्ता शिकायतें	99,100
गैर-जीआरआई: संवहनीयता पर हितधारक जागरूकता		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 71
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	71
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39
गैर-जीआरआई: ग्राहक संतुष्टि		
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103-1 प्रभावकारी विषय और इसकी सीमा की व्याख्या	39, 82
	103-2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	82
	103-3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	39

बीआरआर मैपिंग

भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियम 34 के उप-नियम (2) के खंड (एफ) की आवश्यक शर्तों के अनुरूप वित्त वर्ष 2021-22 के लिए संवहनीयता रिपोर्ट, राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशा-निर्देशों (एनवीजी) के नौ सिद्धांतों के अनुरूप तैयार की गई है। ये दिशानिर्देश भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा अधिसूचित सामाजिक, पर्यावरण और आर्थिक जिम्मेदारियों के संबंध में जारी किए गए हैं।

खंड ए: एसबीआई के बारे में सामान्य जानकारी

बैंक की गतिविधियों को सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (सभी आर्थिक गतिविधियां)-2008 की 'ग्रुप के : वित्तीय एवं बीमा गतिविधियां' के अंतर्गत कवर किया गया है। बैंक की गतिविधियां निम्नलिखित औद्योगिक गतिविधि संहिता के तहत आती हैं:

ग्रुप	वर्ग	विवरण
641	6419	वित्तीय मध्यस्थता - अन्य वित्तीय मध्यस्थता

सीआईएन	लागू नहीं
पता	भारतीय स्टेट बैंक, स्टेट बैंक भवन, कॉरपोरेट केंद्र, मैडम कामा रोड, नरीमन पॉइंट, मुंबई- 400 021, भारत
वेबसाईट	https://www.sbi.co.in, https://bank.sbi
ई-मेल आईडी	gm.snb@sbi.co.in
वित्तीय वर्ष जिसकी रिपोर्ट तैयार की गई है	वित्त वर्ष 2021-22
कंपनी द्वारा प्रदान की जाने वाली तीन सेवाएं (जैसा कि तुलन-पत्र में उल्लेख किया गया है)	जमा, ऋण और अग्रिम, प्रेषण और उगाही
ऐसे स्थानों की कुल संख्या जहां कंपनी व्यावसायिक गतिविधि करती है	राष्ट्रीय: 31 मार्च 2022 तक भारत में 22,266 शाखाएं अन्तर्राष्ट्रीय: बैंक का 30 देशों में 35 विदेशी शाखाओं, 5 जेवी / निवेश / प्रबंधित कंपनियों, 20 अन्य कार्यालयों, 8 सहायक कंपनियों की 161 शाखाओं और 6 प्रतिनिधि कार्यालयों के माध्यम से परिचालन है।
कंपनी द्वारा सेवित बाजार	राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय

खंड बी: कंपनी की वित्तीय जानकारी

वित्त वर्ष 2020-21 का बैंक का वित्तीय निष्पादन देखने के लिए कृपया वित्तीय पूंजी प्रबंधन अध्याय में वित्तीय निष्पादन पर दिया गया खंड देखें।

खंड(सी): अन्य जानकारी

व्यावसायिक जिम्मेवारी (बीआर) पहल में सहायक कंपनियों और व्यापार भागीदारों की भागीदारी:

सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों का विवरण बैंक की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2021-22 में "सहायक कंपनियों" शीर्षक के तहत प्रदान किया गया है। एसबीआई को संवहनीयता और व्यापारिक उत्तरदायित्व संबंधी पहलों में सहयोगी कंपनियों का सक्रिय सहयोग मिलता है। हालांकि, सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर पहल और कार्यक्रम सहायक कंपनियों के स्वतंत्र बोर्डों द्वारा डिजाइन और निष्पादित किए जाते हैं। अपनी आपूर्ति श्रृंखला के संबंध में, एसबीआई इस बात की उम्मीद करता है कि उसके आपूर्तिकर्ता, विक्रेता और अन्य व्यावसायिक भागीदार अपना कारोबार जिम्मेदार तरीके से करें और इसके लिए एसबीआई उन्हें प्रोत्साहित भी करता है।

खंड(डी): व्यावसायिक उत्तरदायित्व से जुड़ी जानकारी

सेबी की शर्तों के अनुसार बैंक की व्यावसायिक जिम्मेदारी (बीआर) रिपोर्ट वित्त वर्ष 2012-13 से प्रकाशित की जा रही है। यह दसवीं रिपोर्ट है और इसे वित्त वर्ष 2021-22 के लिए एसबीआई की संवहनीयता रिपोर्ट में शामिल किया गया है। रिपोर्ट को बैंक की वेबसाइट https://www.sbi.co.in या https://bank.sbi पर देखा जा सकता है।

व्यावसायिक जिम्मेदारी (बीआर) के लिए जिम्मेदार निदेशक/निदेशकों का विवरण:

अ) बीआर नीति/नीतियों के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार निदेशक/निदेशकों का विवरण
डीआईएन नंबर: 08335249
नाम: श्री चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी

ब) बीआर प्रमुख की जानकारी:

क्रम संख्या	विवरण	जानकारी
1	डीआईएन नंबर(यदि लागू हो)	08335249
2	नाम	श्री चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी
3	पदनाम	प्रबंध निदेशक(रिटेल और डिजिटल बैंकिंग)
4	टेलीफोन नंबर	022-22028713
5	Email ID	md.rdb@sbi.co.in

सिद्धांत-वार (एनवीजी के अनुसार) बीआर नीति/नीतियां (हाँ/नहीं में उत्तर दें)

क्रम संख्या	सवाल	सिद्धांत पी 1 - पी 9
1	क्या सेबी द्वारा निर्धारित 9 सिद्धांतों में से प्रत्येक के लिए बैंक की कोई नीति/नीतियाँ है?	हाँ
2	क्या संबंधित हितधारकों के परामर्श से नीति तैयार की गई है?	हाँ
3	क्या नीति किसी राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हां, तो उल्लेख करें? (50 शब्द)	एसबीआई की संवहनीयता और व्यावसायिक जिम्मेदारी (बीआर) नीति, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 में प्रकाशित, जिम्मेदार व्यवसाय आचरण पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों और व्यवसाय की सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक जिम्मेदारियों पर 2011 में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशानिर्देशों पर आधारित है।
4	क्या नीति को केंद्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? यदि हां, तो क्या इस पर निदेशक / मालिक / सीईओ/ उपयुक्त बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं?	हाँ, बैंक की संवहनीयता और व्यावसायिक जिम्मेदारी (बीआर) नीति को केन्द्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है।
5	क्या कंपनी के पास नीति के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए बोर्ड/निदेशक/अधिकारी की एक निर्दिष्ट समिति है?	नीति के कार्यान्वयन की निगरानी कॉरपोरेट केंद्र संवहनीयता समिति (सीसीएससी) करती है। इस समिति की अध्यक्षता उप प्रबंध निदेशक द्वारा की जाती है, जिसे मुख्य स्थिरता अधिकारी के रूप में भी नामित किया गया है
6	पॉलिसी ऑनलाइन देखने लिए लिंक बताएं?	https://www.sbi.co.in or https://bank.sbi under the link, Corporate Governance / Sustainability and BR Policy.
7	क्या नीति को औपचारिक रूप से सभी प्रासंगिक आंतरिक और बाहरी हितधारकों को सूचित कर दिया गया है?	हाँ
8	क्या कंपनी के पास नीति/नीतियों को लागू करने के लिए आंतरिक संरचना है?	हाँ
9	क्या कंपनी के पास नीति/नीतियों से संबंधित हितधारकों की शिकायतों को दूर करने के लिए नीति/ नीतियों से संबंधित शिकायत निवारण तंत्र है।	हाँ
10	क्या कंपनी ने किसी आंतरिक या बाहरी एजेंसी द्वारा इस नीति के कामकाज का स्वतंत्र ऑडिट / मूल्यांकन किया है?	संवहनीयता और व्यावसायिक जिम्मेदारी (बीआर) नीति के निष्पादन का मूल्यांकन आंतरिक रूप से किया जाता है। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए प्रकाशित संवहनीयता रिपोर्ट में रिपोर्टिंग अवधि के लिए बैंक के आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रदर्शन के बारे में जानकारी का प्रकटीकरण व्यापक तरीके से समीक्षा तथा मिलान किया गया है।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशानिर्देश (एनवीजी) मैपिंग

सिद्धांत	विवरण	पृष्ठ संख्या
सिद्धांत 1	व्यवसाय को नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ संचालित और नियंत्रित करना चाहिए,	16-19, 24
सिद्धांत 2	व्यवसायों को वस्तुओं और सेवाओं को इस प्रकार प्रदान करना चाहिए कि वे टिकाऊ और सुरक्षित हों	26-33
सिद्धांत 3	व्यवसाय में सभी कर्मचारियों एवं मूल्य शृंखला में शामिल सभी का सम्मान और संवर्धन करना चाहिए	74-78, 80, 81, 83
सिद्धांत 4	व्यवसाय को सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करनी चाहिए और उसके प्रति उत्तरदायी होना चाहिए	34, 35, 80, 83, 84
सिद्धांत 5	व्यवसायों को मानवाधिकारों का सम्मान और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए	66, 80
सिद्धांत 6	व्यवसायों को पर्यावरण की रक्षा और उचित सम्मान देना चाहिए तथा उसे पुनर्स्थापित करने के लिए प्रयास करना चाहिए	52-63
सिद्धांत 7	सामान्य जन और नियामक को प्रभावित करने वाले व्यवसाय को जिम्मेदार और पारदर्शी होना चाहिए	13, 24
सिद्धांत 8	व्यवसायों को समावेशी संवृद्धि और समतापूर्ण विकास को बढ़ावा देना चाहिए	46-49, 84-97
सिद्धांत 9	व्यवसाय को जिम्मेदार तरीके से अपने ग्राहकों और उपभोक्ताओं से जुड़ना चाहिए और उन्हें महत्व प्रदान कारण चाहिए	82, 83

बिआरएसआर मैपिंग

खंड ए: सामान्य प्रकटीकरण

I. सूचीबद्ध इकाई का विवरण

क्र.सं	विवरण	उत्तर
1	सूचीबद्ध इकाई की कॉर्पोरेट पहचान संख्या (CIN)	लागू नहीं
2	सूचीबद्ध इकाई का नाम	भारतीय स्टेट बैंक
3	संस्थापना वर्ष	1955
4	पंजीकृत कार्यालय का पता	भारतीय स्टेट बैंक, स्टेट बैंक भवन, कॉरपोरेट केंद्र, मैडम कामा रोड, नरीमन पॉइंट , मुंबई- 400 021, भारत
5	कॉरपोरेट पता	भारतीय स्टेट बैंक, स्टेट बैंक भवन, कॉरपोरेट केंद्र, मैडम कामा रोड, नरीमन पॉइंट , मुंबई- 400 021, भारत
6	ई-मेल	gm.snb@sbi.co.in
7	टेलीफोन नंबर	022-22740840
8	वेबसाइट	https://www.sbi.co.in, https://bank.sbi
9	वित्तीय वर्ष जिसके लिए रिपोर्टिंग की जा रही है	वित्तीय वर्ष 2021-22
10	स्टॉक एक्सचेंज का नाम जहां शेयर सूचीबद्ध हैं	बीएसई लिमिटेड, मुंबई तथा नेशनल स्टॉक, एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुंबई
11	प्रदत्त पूंजी	31 मार्च 2022 तक ₹892.46 करोड़
12	उस व्यक्ति का नाम और संपर्क विवरण (टेलीफोन, ईमेल पता) जिससे बीआरएसआर रिपोर्ट पर किसी भी प्रश्न के मामले में संपर्क किया जा सकता है	श्री राजीव कुमार सिंघल, उप. महाप्रबंधक (सीएसआर और संवहनीयता) फोन नंबर: +91-22-22740977 ईमेल आईडी: dgm.csr@sbi.co.in
13	रिपोर्टिंग सीमा - क्या इस रिपोर्ट के तहत खुलासे स्टैंडअलोन आधार पर (अर्थात केवल इकाई के लिए) या समेकित आधार (अर्थात, इकाई और सभी संस्थाओं को एक साथ लिया जाता है जो इसके समेकित वित्तीय विवरणों का एक हिस्सा हैं) पर किए गए हैं	स्टैंडअलोन आधार पर

II. उत्पाद और सेवाएं

बैंक द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पादों और सेवाओं में जमा, ऋण और अग्रिम, धन- प्रेषण और संग्रह शामिल हैं।

III. परिचालन

31 मार्च 2022 तक भारत में बैंक की 22,266 शाखाएँ हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक की 35 विदेशी शाखाओं, 5 संयुक्त उद्यम / निवेश / प्रबंधित कंपनियों, 20 अन्य कार्यालयों, 8 सहायक कंपनियों की 161 शाखाओं और 6 प्रतिनिधि कार्यालयों के माध्यम से 30 देशों में परिचालन है।

IV. कर्मचारी

कर्मचारियों का विवरण बैंक की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2021-22 में, "रिजिलियंस पीपल टेक्नोलॉजी" शीर्षक के तहत और संवहनीयता रिपोर्ट वित्त वर्ष 2021-22 में "मूल्य निर्माण के लिए दृष्टिकोण" और "मानव पूंजी प्रबंधन" के तहत प्रदान किया गया है।

V. होल्डिंग, सहायक और सहयोगी कंपनियाँ (संयुक्त उद्यम सहित)

कर्मचारियों का विवरण बैंक की वार्षिक रिपोर्ट FY2021-22 में, "समेकित वित्तीय" शीर्षक के तहत और संवहनीयता रिपोर्ट FY 2021-22 में "इस रिपोर्ट के बारे में" और "मूल्य निर्माण के लिए दृष्टिकोण" के तहत प्रदान किया गया है।

VI. कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी(सीएसआर) विवरण

सीएसआर गतिविधियों का विवरण बैंक की वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2021-22 में, "कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व" शीर्षक के तहत और संवहनीयता रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2021-22 में "सामाजिक और संबंध पूंजी प्रबंधन" के तहत उल्लिखित है।

VII. पारदर्शिता और प्रकटीकरण अनुपालन

"हितधारक संवाद और महत्वपूर्ण कारकों का मूल्यांकन" के तहत संवहनीयता रिपोर्ट वित्त वर्ष 2021-22 में इसका विवरण है।

खंड बी:प्रबंधन और प्रक्रिया का प्रकटीकरण

इस खंड का उद्देश्य व्यवसायों को एनजीआरबीसी सिद्धांतों और मूल तत्वों को अपनाने की दिशा में स्थापित संरचनाओं, नीतियों और प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने में मदद करना है।

प्रकटीकरण प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
नीति और प्रबंधन प्रक्रियाएं									
1. ए. क्या आपकी इकाई की नीति/नीतियां एनजीआरबीसी के प्रत्येक सिद्धांत और उसके मूल तत्वों को कवर करती हैं। (हाँ/ना)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
बी. क्या नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? (हाँ/ना)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
सी. नीतियों का वेब लिंक, यदि उपलब्ध हो	1) संवहनीयता और व्यावसायिक उत्तरदायित्व नीति: 15062021_Sustainability+&+Business+Responsibility+(BR)+Policy.pdf(sbi.co.in) 2) सीएसआर नीति: https://sbi.co.in/documents/17826/9529227/130721-SBI_CSR_Policy+21+Ver+5+Final.pdf/fee2b447-497d-2965-5c4a-beedbaa00c3f?t=1626174712883#:~:text=SBI%20Foundation%20has%20its%20 own%20CSR%20policy%20approved,policy%20and%20reviews%20it%20from%20 time%20to%20time. 3) आचार संहिता: https://sbi.co.in/documents/17826/20624/181119-Code+of+Ethics+in+Brief+%28in+English%29.pdf/74f49f78-f827-2b5d-a92b-01c3efba2500?t=1574081702712 4) ग्राहक अधिकार, शिकायत निवारण और मुआवजा नीति: https://sbi. co.in/webfiles/uploads/files_2122/17112021-FINAL%20POLICY%20DOCUMENT.pdf 5) PWDs के लिए समान रोजगार अवसर: https://www.sbi.co.in/documents/16012/25448726/130422-Equal+Opportunity+Policy+for+PWD.pdf/0a7ed777-7565-4a4b-b07d-11a56b9ce5ca?t=1649827803872#:~:text=State%20 Bank%20of%20India%20is%20committed%20to%20provide%20equal%20opportunitie-s,with%20Disabilities%20Act%2C%202016%E2%80%9D. 6) रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार विरोधी नीति: https://sbi.co.in/documents/16337/0/091221-SBI+Wolfsberg+CBDDQ+September+2021.pdf/eba15597-0a8f-d0f1-e6bc-2a21b599e264?t=1639031319248							
2. क्या इकाई ने इस नीति को प्रक्रियाओं में क्रियान्वित किया है। (हां/नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3. क्या सूचीबद्ध नीतियाँ आपके वैल्यू चेन पार्टनर्स पर लागू हैं? (हाँ/ना)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ

प्रकटीकरण प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
4.राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कोड/ प्रमाणपत्र/लेबल/मानकों का नाम (जैसे, वन प्रबंधन परिषद, फेयरट्रेड, रेनफॉरेस्ट एलायंस, ट्रस्टी) मानक (जैसे, एसए 8000, ओएचएसएएस, आईएसओ, बीआईएस) आपकी इकाई द्वारा अपनाया गया और प्रत्येक के लिए मैप किया गया सिद्धांत			ISO		ISO				ISO
5. निर्धारित समय सीमा के साथ इकाई द्वारा निर्धारित विशिष्ट प्रतिबद्धता, उद्देश्य और लक्ष्य, यदि कोई हो	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	हाँ	नहीं	नहीं	नहीं
6. विशिष्ट प्रतिबद्धताओं, उद्देश्यों और लक्ष्यों के साथ-साथ उन कारणों को पूरा न करने की स्थिति में संस्था का प्रदर्शन	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	हाँ	नहीं	नहीं	नहीं
अभिशासन, नेतृत्व, और निरीक्षण									
7. ईएसजी से संबंधित चुनौतियों, लक्ष्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, व्यावसायिक जिम्मेदारी रिपोर्ट के लिए जिम्मेदार निदेशक का बयान (सूचीबद्ध इकाई के पास इस प्रकटीकरण की नियुक्ति के संबंध में लचीलापन है)								पृष्ठ 6 तथा 7	
8. व्यावसायिक उत्तरदायित्व नीति (ओं) के कार्यान्वयन और निरीक्षण के लिए जिम्मेदार उच्चतम प्राधिकरण का विवरण।			श्री चल्ला श्रीनिवाससुलु सेट्टी, प्रबंध निदेशक (रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग)						
9. क्या संस्था के पास बोर्ड/निदेशक की एक निर्दिष्ट समिति है जो स्थिरता से संबंधित मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है? (हां/नहीं) यदि हां, तो विवरण दें।			हाँ, बोर्ड ने कॉरपोरेट केंद्र संवहनीयता समिति (सीसीएससी) के लिए संवहनीयता और व्यावसायिक जिम्मेदारी (बीआर) नीति को मंजूरी दी, जो संवहनीयता पर निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है।						
10. कंपनी द्वारा एनजीआरबीसी की समीक्षा का विवरण:									
समीक्षा के लिए विषय			सूचित करें कि क्या बोर्ड के निदेशक / समिति / किसी अन्य समिति द्वारा समीक्षा की गई थी					अंतराल (वार्षिक / अर्धवार्षिक / त्रैमासिक / कोई अन्य - कृपया निर्दिष्ट करें)	
उपरोक्त नीतियों के अनुरूप निष्पादन और अनुवर्ती कार्रवाई	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
	त्रैमासिक								
सिद्धांतों के लिए प्रासंगिकता की वैधानिक आवश्यकताएं का अनुपालन और किसी भी गैर-अनुपालन का सुधार	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
	वार्षिक								

11. क्या संस्था ने किसी बाहरी एजेंसी द्वारा अपनी नीतियों के कामकाज का स्वतंत्र मूल्यांकन / आकलन किया है? (हां नहीं)। यदि हां, तो एजेंसी का नाम बताएं	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं

12. यदि ऊपर दिए गए प्रश्न (1) का उत्तर "नहीं" है, अर्थात, सभी सिद्धांत एक नीति द्वारा कवर नहीं किए जाते हैं, तो कारण बताए: लागू नहीं

खंड सी: सिद्धांत के अनुसार निष्पादन प्रकटीकरण

सिद्धांत	विवरण	पृष्ठ संख्या
सिद्धांत 1	व्यवसाय को नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ संचालित और नियंत्रित करना चाहिए	18, 24
सिद्धांत 2	व्यवसायों को वस्तुओं और सेवाओं को इस प्रकार प्रदान करना चाहिए कि वे टिकाऊ और सुरक्षित हों	26-33, 83
सिद्धांत 3	व्यवसाय में सभी कर्मचारियों एवं मूल्य शृंखला में शामिल सभी का सम्मान और संवर्धन करना चाहिए	65, 70, 73, 76-78, 80
सिद्धांत 4	व्यवसाय को सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करनी चाहिए और उसके प्रति उत्तरदायी होना चाहिए	35-37
सिद्धांत 5	व्यवसायों को मानवाधिकारों का सम्मान और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए	65-67, 80
सिद्धांत 6	व्यवसायों को पर्यावरण की रक्षा और उचित सम्मान देना चाहिए तथा उसे पुनर्स्थापित करने के लिए प्रयास करना चाहिए	56-58
सिद्धांत 7	सामान्य जन और नियामक को प्रभावित करने वाले व्यवसाय को जिम्मेदार और पारदर्शी होना चाहिए	13, 24
सिद्धांत 8	व्यवसायों को समावेशी संवृद्धि और समतापूर्ण विकास को बढ़ावा देना चाहिए	84
सिद्धांत 9	व्यवसाय को जिम्मेदार तरीके से अपने ग्राहकों और उपभोक्ताओं से जुड़ना चाहिए और उन्हें महत्व प्रदान कारण चाहिए	83, 98-100

एसएएसबी मैपिंग

विषय	लेखा मेट्रिक	पृष्ठ संख्या
डाटा सुरक्षा	(1) डेटा उल्लंघनों की संख्या, (2) व्यक्तिगत रूप से पहचान योग्य जानकारी (पीआईआई) का प्रतिशत, (3) प्रभावित खाताधारकों की संख्या	100
	डेटा सुरक्षा जोखिमों की पहचान करने और उसके निवारक उपायों का विवरण	98-100
वित्तीय समावेशन और क्षमता निर्माण	छोटे व्यवसाय और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए कार्यक्रमों के लिए बकाया ऋणों की (1) संख्या और (2) राशि	46-48
	बैंकिंग सेवा से वंचित या कम बैंकिंग सुविधा वाले ग्राहकों को पहले से उपलब्ध कराए गए नो-कॉस्ट रिटेल चेकिंग खातों की संख्या	48
	वित्तीय साक्षरता पहल में भाग लेने वाले बैंकिंग सेवा से वंचित, कम बैंकिंग सुविधा वाले या कम सेवा वाले ग्राहक की संख्या	49
ऋण विश्लेषण में पर्यावरणीय, सामाजिक और अभिशासन कारकों का समावेश	क्रेडिट विश्लेषण में पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन (ईएसजी) कारकों को शामिल करने के दृष्टिकोण का विवरण	23, 26
व्यवसाय नैतिकता	व्हिसलब्लोअर नीतियों और प्रक्रियाओं का विवरण	17
प्रणालीगत जोखिम प्रबंधन	श्रेणी के अनुसार वैश्विक स्तर पर व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण बैंक (जी-एसआईबी) स्कोर	NA
	पूंजी पर्याप्तता योजना, दीर्घकालिक कॉरपोरेट रणनीति और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों में अनिवार्य और स्वैच्छिक तनाव परीक्षणों के परिणामों को शामिल करने के दृष्टिकोण का विवरण	26

टीसीएफडी मैपिंग

प्रकटीकरण		पृष्ठ संख्या
अभिशासन		
जलवायु संबंधी जोखिमों और अवसरों के बारे में संगठन के अभिशासन का प्रकटीकरण करना।	ए. जलवायु संबंधी जोखिम और अवसरों के बारे में संगठन के अभिशासन का वर्णन करें।	53
	बी. जलवायु संबंधी जोखिम और अवसरों के आकलन और प्रबंधन में प्रबंधन की भूमिका का वर्णन करना।	53
रणनीति		
संगठन के व्यवसायों, रणनीति और वित्तीय नियोजन पर जलवायु संबंधी जोखिम और अवसरों के वास्तविक और संभावित प्रभावों जहां ऐसी जानकारी महत्वपूर्ण है का प्रकटीकरण करें	ए. संगठन द्वारा लघु, मध्यम और दीर्घावधि में चिह्नित किए गए जलवायु संबंधी जोखिम और अवसरों का वर्णन।	23
	बी. संगठन के व्यवसायों, रणनीति और वित्तीय नियोजन पर जलवायु संबंधी जोखिम और अवसरों के प्रभाव का वर्णन करें।	53
	सी. 2°c या इससे कम की स्थिति में जलवायु से संबंधित विभिन्न परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए संगठन की रणनीति कितनी सुदृढ़ है उसका उल्लेख करें।	53
जोखिम प्रबंधन		
जलवायु संबंधी जोखिम की पहचान, मूल्यांकन और प्रबंधन, संगठन कैसे करता है इसका उल्लेख करें।	ए. जलवायु संबंधी जोखिम की पहचान करने और उनका आकलन करने के लिए संगठन की प्रक्रियाओं का वर्णन करें	23, 52, 53
	बी. जलवायु संबंधी जोखिम के प्रबंधन के लिए संगठन की प्रक्रियाओं का वर्णन करें।	23, 53
	सी. जलवायु संबंधी जोखिम की पहचान, आकलन और प्रबंधन की प्रक्रियाओं को संगठन के समग्र जोखिम प्रबंधन में कैसे एकीकृत किया जाता है इसका वर्णन करें।	23, 52, 53
मेट्रिक्स और लक्ष्य		
जलवायु से संबंधित जोखिम और अवसरों का आकलन करने और प्रबंधन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले मीट्रिक और लक्ष्यों का प्रकटीकरण करना जहां ऐसी जानकारी महत्वपूर्ण है।	ए. अपनी रणनीति और जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया के अनुरूप जलवायु से संबंधित जोखिमों और अवसरों का आकलन करने के लिए संगठन द्वारा उपयोग किए गए मेट्रिक्स का प्रकटीकरण करें।	53
	बी. स्कोप 1, स्कोप 2 और, यदि उपयुक्त हो, स्कोप 3 ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन और संबंधित जोखिमों का प्रकटीकरण करें।	56
	सी. जलवायु से संबंधित जोखिमों और अवसरों और लक्ष्यों के अनुरूप निष्पादन हेतु प्रबंधन के लिए संगठन द्वारा उपयोग किए जाने वाले लक्ष्यों का वर्णन करें।	NA

शब्दावली

संक्षेपाक्षर	असंक्षिप्त रूप
एसीबी	ऑडिट कमिटी ऑफ द बोर्ड
एसीपीसी	एएमबीए सर्टिफाइड पार्टनर सेंटर्स
एडीजीसी	एपेक्स लेवल डाटा गवर्नेंस काउंसिल
एडीडब्ल्यूएम	ऑटोमेटेड डिपॉडिट एंड विदड्रावल मशींस
एआईबीटीएफ	ऑस्ट्रेलिया इंडिया बिजनेस एंड ट्रेड फाउंडेशन
एकेएएम	आजादी का अमृत महोत्सव
एएमएल-सीएफटी	एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग एंड कॉम्बेटिंग फाइनेंशिंग ऑफ टेररिज्म
एपीवाई	अटल पेंशन योजना
एसोचैम	एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया
एटीआई	एपेक्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट
एटीएम	ऑटोमेटेड टेलर मशीन
बीबीपीएस	भारत बिल पेमेंट सिस्टम
बीसी	बिजनस कॉरेस्पॉन्डेंट्स
बीसीडीएम	बिजनस कंडक्ट एंड डिसिप्लीनरी मैनेजमेंट
बीसीएमआर	बोर्ड कमिटी टु मॉनिटर रिकवरी
बीसीएसबीआई	बैंकिंग कोड एंड स्टैंडर्ड्स बोर्ड ऑफ इंडिया
बीडीटी	बांग्लादेश टका
बीईई	ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी
बीएफएसआई	बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इंश्योरेंस
बीओडी	बोर्ड ऑफ डायरेकटर्स
बीपीएस	बेसिस पाइंट्स
बीआर	बिजनस रेस्पांसिबिलिटी
ब्रिक्स	ब्राजील, रूस, भारत, चीन एंड दक्षिण अफ्रीका
बीआरएसआर	बिजनस रेस्पांसिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट
सीबीजी	कम्प्रेस्ड बायोगैस
सीसीएससी	कॉर्पोरेट सेंटर सस्टेनेबिलिटी कमिटी
सीडीएम	कैश डिपॉडिट मशींस
सीडीओ	कॉरपोरेट डेवलपमेंट ऑफिसर
सीएफएल	सेंटर फॉर फाइनेंशियल लिट्रेसी
सीजीएम	चीफ जनरल मैनेजर
सीआईआई	कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज

संक्षेपाक्षर	असंक्षिप्त रूप
सीआईएसएफ	सेंट्रल इंडस्ट्रीयल सिक्युरिटी फोर्स
सीआईएसओ	चीफ इन्फॉर्मेशन सिक्युरिटी ऑफिसर
सीकेवाईसी	सेंट्रल नो योर कस्टमर
सीओई	सेंटर ऑफ एक्सीलेंस
सीओएमपीआरएमसी	कम्प्लायंस रिस्क मैनेजमेंट कमेटी
सीआरए	कस्टमर रिपोर्टिंग एजेंसी
सीआरएमसी	क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट कमेटी
सीआरएमडी	क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट डिपार्टमेंट
सीआरओ	चीफ रिस्क ऑफिसर
सीएससीबी	कस्टमर सर्विस कमेटी ऑफ द बोर्ड
सीएसडी	कैंटीन स्टोर्स डिपार्टमेंट
सीएसओ	कस्टमर सर्विस ऑफिसर
सीएसपी	कस्टमर सर्विस पाइंट्स
सीएसआर	कॉर्पोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी
डीएपी	डिफरेंटली एब्ल्ड पर्सस
डीजी	डीजल जेनरेटर
डीजीसी	डाटा गवर्नेंस काउंसिल
डीजीएम	डिप्टी जनरल मैनेजर
डीएमडी	डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर
ईसीसीबी	एग्जक्यूटिव कमेटी ऑफ द सेंट्रल बोर्ड
ईसीएचएस	एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम
ईजीआरएमसी	एंटरप्राइज एंड ग्रुप रिस्क मैनेजमेंट कमेटीज
ईजीआरएमडी	एंटरप्राइज एंड ग्रुप रिस्क मैनेजमेंट डिपार्टमेंट
ईएमआई	इक्वेटेड मंथली इंस्टालमेंट
ईएसजी	इन्वाइरमेंटल, सोशल एंड गवर्नेंस
ईएसआई	एम्पलायज स्टेट इन्श्योरेंस
ईटी	इकनॉमिक टाइम्स
ईडब्ल्यूएस	इकनॉमिकली वीकर सेक्शंस
ई-वेस्ट	इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट
एफआई	फाइनेंशियल इनक्लूजन
एफआई एंडजीएस	फाइनेंशियल इनक्लूजन एंड गवर्नमेंट स्कीम्स
एफसीसीआई	फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
एफपीसी	फार्मर प्रोड्यूशर कंपनी

संक्षेपाक्षर	असंक्षिप्त रूप
एफटीई	फुल-टाइम इक्वीवैलेंट
एफवाई	वित्तीय वर्ष
जीसीसी	ग्रीन चैनल काउंटर्स
जीडीपीआर	जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेग्युलेशन
जीएचजी	ग्रीनहाउस गैसेस
जीजे	गीगाजूल
जीएम	जनरल मैनेजर
जीआरसी	ग्रीन रेमिट कार्ड
जीआरआई	ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव
एचआईएस	हेल्प इन सफरिंग
एचओ	हेड ऑफिस
एचआर	ह्यूमन रिसोर्सेज
आईबीए	इंडियन बैंक्स एसोसिएशन
आईसीएआई	इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया
आईसीयू	इन्टेंसिव केयर यूनिट
आईडीपी	इन्डिविजुअल डेवलपमेंट प्लान
आईएफएससीए	इंटरनेशनल फाइमेंशियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी
आईआईबीएफ	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस
आईआईबीएफ	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस
आईआईआरसी	इंटरनेशनल इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग काउंसिल
आईएनएक्स	इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज
आईआर	इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग
आईएस	इन्फॉर्मेशन सिस्टम
आईटी	इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी
आईटीएससी	आईटी स्ट्रेटजी कमेटी
जेएडब्ल्यूएस	जॉब एक्सेस विद स्पीच
जेवी	जॉइंट वेंचर
केसीसी	किसान क्रेडिट कार्ड
केएफडब्ल्यू	क्रेडिटनस्टाल्ट फर विडेरौफबो
केजी	किलोग्राम
केएल	किलोलीटर
केएमपी	की मैनेजरियल पर्सनेल
केवाईसी	नो योर कस्टमर

संक्षेपाक्षर	असंक्षिप्त रूप
एलएंडडी	लर्निंग एंड डेवेलपमेंट
एलसी	वीडियो लाइफ सर्टिफिकेट
एलएचओ	लोकल हेड ऑफिस
एलआईटीएमएएस	लिटिगेशन मैनेजमेंट सिस्टम
एलएलएमएस	लोन लिफसाइकिल मैनेजमेंट सिस्टम
एलओएस	लोन अरिजनेशन सॉफ्टवेयर
एलओएस	लोन अरिजनेटिंग सिस्टम
एमडी	मैनेजिंग डायरेक्टर
एमईजी	मद्रास मंजीनियर ग्रुप
एमओओसी	मैसिव ऑनलाइन ओपन कोर्सेज
एमआरएमसी	मार्केट रिस्क मैनेजमेंट कमेटी
एमआरएमडी	मार्केट रिस्क मैनेजमेंट डिपार्टमेंट
एमएसएमई	माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज
एमएसएसडब्ल्यू	मद्रास स्कूल ऑफ सोशल वर्क
एमटी	मेगाटन
एमडब्ल्यू	मेगावॉट
एमडब्ल्यूएसी	मेगावॉट अलटरनेटिंग करंट
एमडब्ल्यूएच	मेगावॉट ऑवर
एनजीओ	नॉन-गवर्नमेंटल ऑर्गेनाइजेशन
एनआईपी	नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन
एनएमपी	नेशनल मॉनेटाइजेशन पाइपलाइन
एनओबीए जीएसआर	नेतरहाट ओल्ड बॉयज एसोसिएशन, ग्लोबल सोशल रेस्पांसिबिलिटी
एनपीए	नॉन-परफॉर्मिंग असेट
एनपीएस	नेशनल पेंशन स्कीम
एनआरसी	नॉमिनेशन एंड रिम्युनरेशन कमेटी
एनआरआई	नॉन-रेजिडेंट इंडियन
एनएसई	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया
एनएसजी	नेशनल सिक्योरिटी गार्ड
एनएसडब्ल्यू	न्यू साउथ वेल्स
एनवीजी-एसईई	नेशनल वोलंटरी गाइडलाइंस ऑन सोशल, इन्वायरमेंटल एंड इकनॉमिक रेस्पांसिबिलिटी ऑफ बिजनस
ओबीसी	अन्य पिछड़ा वर्ग
ओआरएमसी	ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट कमेटी
ओआरएमडी	ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट डिपार्टमेंट

संक्षेपाक्षर	असंक्षिप्त रूप
ओटीपी	वन-टाइम पासवर्ड
पीसीआईडीएसएस	पेमेंट कार्ड इंडस्ट्री डेटा सिक्युरिटी स्टैंडर्ड
पीईटी	पॉलीथीन टेरेफ्थैलेट
पीएफ	प्रोविडेंट फंड
पीएचडीसीसीआई	प्रोग्रेस हारमनी एंड डेवलपमेंट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
पीआईडीपीआई	पब्लिक इंट्रेस्ट डिस्क्लोजर ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ इन्फॉर्मर्स
पीआईएन	पर्सनल आइडेंटिफिकेशन नंबर
पीएम	प्रधानमंत्री
पीएमजेडीवाई	प्रधानमंत्री जन-धन योजना
पीएमजेजेबीवाई	प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना
पीएमएसबीवाई	प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना
पीओएसएच	प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हरैस्मेंट
पीपीई	पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट्स
पीआरएम	प्रोएक्टिव रिस्क मैनेजमेंट
पीएसबी	पब्लिक सेक्टर बैंक
पीएसयू	पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग
पीवी	फोटोवोल्टिक
पीडब्ल्यूडी	पर्सश विद डिसेबिलिटीज
आर, सी एंड एसएआरजी	मैनेजिंग डायरेक्टर (रिस्क, कंप्लायंस एंड स्ट्रेस्ड एसेट्स रिजॉल्युशन ग्रुप)
आरएआरओसी	रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न ऑन कैपिटल
आरएआरआर	रिस्क असेसमेंट एंड रिस्क रिपोर्टिंग
आरबीसी	रोल-बेस्ड सर्टिफिकेशन
आरबीआई	रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया
आरई	रिन्यूएबल एनर्जी
आरएफआईए	रिस्क-फोक्स्ड इंटरनल ऑडिट
आरएमबी	रॅन्मिन्बी
आरएमसीबी	रिस्क मेनेजमेंट कमेटी ऑफ द बोर्ड
आरपीडब्ल्यूडी	राइट्स ऑफ परसंस विद डिसेब्लिटीज
आरआरबी	रीजनल रूरल बैंक
आरएसईटीआई	रूरल सेल्फ-एम्पलायमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट्स
एसएपी	स्टार्ट-अप एक्शन प्लान
एसएएसबी	सस्टेनेबिलिटी अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स बोर्ड
एसएसटीएटी	सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टुवर्ड्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन

संक्षेपाक्षर	असंक्षिप्त रूप
एसबीआई	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
एसबीआईसीबी	स्टेट बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ कंज्यूमर बैंकिंग
एसबीआईएल	स्टेट बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ लीडरशिप
एसबीआईएलडी	एसबीआई रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट
एसबीआईपीजी	एसबीआई पेमेंट गेटवे
एसबीएसओसी	स्टेट बैंक सिक्युरिटी ऑपरेशंस सेंटर
एससी	सेड्यूल्ड कास्ट
एससीबीएमएफ	स्पेशल कमेटी ऑफ द बोर्ड फॉर मॉनिटरिंग ऑफ लार्ज वैल्यु फंड्स
एसडीजी	सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स
एसएचजी	सेल्फ-हेल्प ग्रुप
एसएमई	स्मॉल एंड मीडियम-साइज एंटरप्राइज
एसएमजीएस	सीनियर मैनेजमेंट ग्रेड स्केल
एसओसी	सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर
एसपीएआरसी	स्कूल फॉर पोटेंशियल एडवांसमेंट एंड रेस्टोरेशन ऑफ कंफिडेंस
एसआरसी	स्टेकहोल्डर रिलेशनसिप कमेटी
एसटी	शेड्यूल्ड ट्राइब
एसटीईएएम	साइंस टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एनालिटिक्स मेडिसिन
एसटीपी	सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट
एसटीएस	साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर सोसायटी
एसडब्ल्यूआईएफटी	सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटर-बैंक फाइनेंशियल टेलिकम्युनिकेशन
टीसीएफडी	टास्क फोर्स फॉर क्लाइमेट-रिलेटेड फाइनेंशियल डिस्क्लोजर्स
टीसीओ2ई	टंस ऑफ कार्बन डाईऑक्साइड इक्वीवैलेंट
यूके	यूनाइटेड किंगडम
यूएन	यूनाइटेड नेशंस
यूएनजीसीएनआई	यूनाइटेड नेसंस ग्लोबल कंपैक्ट नेटवर्क इंडिया
यूएस$	यूनाइटेड स्टेट्स डॉलर
डब्ल्यूडब्ल्यूएफ	वर्ड वाइल्डलाइफ फंड
वाईएफआई	यूथ फॉर इंडिया
वाईओएनओ	यू ओनली नीड वन

NOTES

स्टेट बैंक भवन,
मैडम कामा रोड,
मुंबई 400021

संपर्क व्यक्ति:
श्री आर के सिंघल
+91 22-22740977

यह रिपोर्ट पर्यावरण के अनुकूल कागज पर मुद्रित की गई है

GRI 102-53